रांची, सोमवार
14.10.2024
वर्ष : 9, अंक : 310 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले हेमंत सरकार ने 14 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक बुलायी है। यह बैठक दिन के 12 बजे से शुरू होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसकी अध्यक्षता करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि यह मौजूदा सरकार के कार्यकाल का अंतिम बैठक होने वाला है। बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग जल्द कर सकता है। इसलिए ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि सोमवार को हेमंत सोरेन सरकार की इस कैबिनेट में कई लोकलुभावन फैसले लिये जा सकते हैं। यह छह दिनों के अंदर में सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक है। इससे पहले 8 अक्टूबर को भी कैबिनेट की बैठक बुलायी गयी थी, जिसमें 81 प्रस्तावों पर मुहर लगी थी।

अग्निवीरों की शहादत दूसरे सैनिकों से कम होने की वजह बताए सरकारः राहुल

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि क्या सरकार अन्य सैनिकों की तरह इन अग्निवीरों को भी सम्मान और मुआवजा देगी। श्री गांधी ने कहा, ह्नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार असफल रही है। उन्होंने पूछा क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो। अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा। जब दोनों ही सैनिकों की ज़िम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों। श्री गांधी ने कहा, अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि क्यों एक सैनिक की ज़िंदगी दूसरे सैनिक से अधिक मूल्यवान है।

मुख्यमंत्रीआज सीएचओ को देंगे नियुक्ति पत्र

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड अनुबंध आधारित 498 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ)को नियुक्ति पत्र देंगे। यह कार्यक्रम धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रोजेक्ट भवन के सभागार में सुबह 11:30 बजे से शुरू किया जाएगा।

रांची में मां दुर्गा सहित अन्य मूर्तियों को विसर्जित कर दी गयी अंतिम विदाई

बिभा संवाददाता

रांची। नवरात्र के 10 दिनों तक चलने वाले दुर्गा उत्सव का समापन मां भवानी के विसर्जन विदाई शोभा यात्रा के साथ संपन्न हुआ। राजधानी रांची के विभिन्न पूजा पंडाल में विराजित मां की प्रतिमा का विदाई विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। रांची के बड़ा तालाब में भक्तों ने मां दुर्गा को नम आखों से अंतिम विदाई दी।

मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, भगवान गणेश, कार्तिकेय और असुर राज महिषासुर के मूर्ति को बड़े वाहनों पर विराजमान कर शहर के विभिन्न क्षेत्र से भ्रमण करते हुए शहर के विभिन्न जलाशयों में विसर्जित की जा रही है। इसी क्रम में अल्बर्ट एक्का चौक स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के जरिये भी मां की विदाई विसर्जन शोभा यात्रा काफी भव्य रूप से निकाली गई। शोभा यात्रा का आकर्षण विसर्जन शोभा यात्रा डोली में निकाला जाना बेहद ही आकर्षण रहा।

शोभा यात्रा में मातृ शक्ति की प्रधानता के साथ महिलाएं घोड़े पर सवार हो हाथों में वीरता का प्रतीक तलवार लेकर इस शोभा यात्रा में शामिल रही। आकर्षक रूप से बुलेट पर सवार हो वीरांगना मां के विसर्जन विदाई में शामिल हुई। वही रथ पर भगवान का दरबार लगाया गया। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष पदाधिकारी एवं सदस्य भजन, ढोल और ताशा के धुन पर झूमते गाते मां का जयकारा के साथ मां की विदाई में शामिल हुए। इस मौके पर एसडीएम और कोतवाली डीएसपी के साथ कोतवाली थाना प्रभारी, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे ।

भगवान श्री राम के आदर्शों को हम सभी अपने जीवन में आत्मसात करें: मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि दशहरा का त्यौहार असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म, अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई का विजय पर्व है। हम आज इस त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर इस पर्व की खुशियों को बांट रहे हैं। इस अवसर पर सभी राज्य वासियों को दशहरा एवं विजयदशमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को हेमन्त सोरेन विजयादशमी के पावन अवसर पर पंजाबी-हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित ₹रावण दहन₹ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों से दशहरा का त्योहार इसलिए मनाते आ रहे हैं कि इस दिन भगवान श्री राम ने रावण का वध किया था। आज हर वर्ष की भांति इस बार भी रावण दहन कार्यक्रम में यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु जन मौजूद हैं। । हम सभी भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सत्य एवं सदाचार के रास्ते पर आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए रावण का पुतला फूंककर अन्याय पर न्याय की जीत का संदेश दिया। इस अवसर पर लंका दहन तथा कुंभकर्ण एवं मेघनाथ के पुतले फूंके गए। वहीं, लोक कलाकारों ने भव्य रामदरबार दर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सभी का मन मोह लिया। मुख्यमंत्री ने भगवान राम, लक्ष्मण एवं सीता माता का रूप धारण किए कलाकारों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर आतिशबाजी का मनभावन नजारा भी दिखा।

मोरहाबादी मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, विधायक श्री सीपी सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर श्री संजीव विजयवर्गीय, पंजाबी- हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी के अध्यक्ष श सुधीर उग्गल एवं दशहरा कमेटी के अध्यक्ष कुणाल अजमानी, पंजाबी- हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी के उपाध्यक्ष रणदीप आनंद सहित अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन की आज रखेंगे आधारशिला

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन की आधारशिला रखेंगे । सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री मुंबई में निर्माण होने वाले झारखंड भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे इस तरह देश की राजधानी दिल्ली के बाद मुंबई में भी झारखंड का दूसरा झारखंड भवन होगा । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मुंबई में नया झारखंड भवन की आधारशिला रखेंगे वो मुंबई में सेक्टर 30अ,वाशी,नवी मुंबई ,महाराष्ट्र में बनेगा । प्रोजेक्ट भवन में आयोजित इस शिलान्यास समारोह में मंत्री रामेश्वर उराँव एवं मंत्री सत्यानंद भोक्ता भी उपस्थिति रहेंगे।

राहुल गांधी 19 अक्टूबर को रांची आ सकते हैं

बिभा संवाददाता

रांची। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 19 अक्टूबर को रांची आ सकते हैं। वे यहां एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम संविधान सम्मान सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। झारखंड कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने यह जानकारी दी। दिल्ली से रांची लौटते ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहयोगियों के साथ संविधान सम्मान सम्मेलन के लिए संभावित कार्यक्रम स्थल कार्निवल सभागार का निरीक्षण किया। उनके साथ शशिभूषण राय, विनय कुमार दीपू, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश किरण महतो, प्रवक्ता जगदीश साहू सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। वैसे तो रांची में होने वाला राहुल गांधी का संविधान सम्मान सम्मेलन देश का पांचवां कार्यक्रम होगा, लेकिन झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कार्यक्रम कांग्रेस कार्यकताओं के लिए खास है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दिल्ली में विजयादशमी कार्यक्रम में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को लाल किला मैदान में श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के विजयादशमी कार्यक्रम में शामिल हुए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर भगवान राम, लक्ष्मण और सीता का तिलक लगाकर अभिवादन किया। लीला मंचन के बाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने तीर चला कर बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले दहन किए।

बाबा सिद्दीकी सुपुर्द-ए-खाक, राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी सुपुर्द-ए-खाक हुए. रविवार की रात करीब 9 बजे उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. इससे पहले बांद्रा में बाबा सिद्दीकी के घर के बाहर नमाज-ए-जनाजा अदा की गई. एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को मरीन लाइंस इलाके में बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. अंतिम विदाई से पहले बड़ा कब्रिस्तान में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. बाबा को आखिरी विदाई देने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे थे.

बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार में कई राजनेता भी शामिल हुए. जिसमें महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी चीफ अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल सहित अन्य नेता मौजूद रहे.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी. उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था.

बिश्नोई गिरोह के सदस्य ने सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है. लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली.

बाबा की हत्या मामले में दो की गिरफ्तारी, दो की तलाश जारी

बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है. दो आरोपी, जिसे गिरफ्तार किया गया है, उनकी पहचान हरियाणा निवासी आरोपी गुरमेल सिंह और उत्तर प्रदेश के निवासी धर्मराज कश्यप के रूप में हुई. तीसरे आरोपी की पहचान शिवा गौतम और चौथे की पहचान मोहम्मद जीशान अख्तर के रूप में हुई. आरोपी गुरमेल सिंह को कोर्ट ने 21 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि खुद को नाबालिग बताने वाले आरोपी धर्मराज कश्यप का टेस्ट कराया जाएगा, उसके बाद उसके हिरासत को लेकर फैसला किया जाएगा.

17 नवम्बर को रात 9 बजकर 07 मिनट पर बंद होंगे श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट

एजेंसी

गोपेश्वर। हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र बदरीनाथ धाम के कपाट 17 नवम्बर को रात नौ बजकर सात मिनट पर मिथुन लग्न में शीतकाल के लिए बंद किये जाएंगे। वहीं पंच पूजा बुधवार 13 नवम्बर से शुरू होंगी।

श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि शनिवार को विजयादशमी के अवसर पर श्री बदरीनाथ धाम मंदिर परिसर में पंचाग गणना पश्चात समारोहपूर्वक तय की गयी। कपाट बंद होने की तिथि तय करने के लिए दोपहर साढ़े ग्यारह बजे से कार्यक्रम शुरू हो गया था। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि घोषित होने के कार्यक्रम के अवसर पर रावल अमरनाथ नंबूदरी, श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) उपाध्यक्ष किशोर पंवार एवं सदस्यगण, मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल, प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी एवं बामणी, पांडुकेश्वर एवं माणा के हक-हकूकधारियों एवं तीर्थ पुरोहितों की उपस्थिति में धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट ने पंचांग गणना के अनुसार कपाट बंद होने की तिथि तय की। इस मौके पर देव डोलियों के योग बदरी पांडुकेश्वर तथा श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ प्रस्थान का कार्यक्रम भी तय हुआ। साथ ही यात्रा वर्ष 2025 के लिए भंडार व्यवस्था के लिए सम्मान स्वरूप पगड़ी भेंट की गयी। भंडारी तोक से कुंदन सिंह भंडारी, कमदी थोक से अनुपम पंवार, मेहता थोक से यशवंत मेहता एवं सोबित मेहता को पगड़ी भेंट की गयी।

कपाट बंद होने से पहले होने वाली पंच पूजाओं के अंतर्गत सोमवार 13 नवम्बर को पहले दिन गणेश की पूजा तथा शाम को गणेश के कपाट बंद होंगे। 14 को आदि केदारेश्वर मंदिर के कपाट बंद होंगे, 15 को खड़क पुस्तक वाचन तथा वेद ऋचाओं का वाचन बंद हो जायेगा, शनिवार 16 नवम्बर को माता लक्ष्मी जी को कढ़ाई भोग लगाया जायेगा, 17 नवम्बर को शाम सात बजे के बाद कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। रावल स्त्री रूप धारण कर माता लक्ष्मी को परिसर स्थित मंदिर से श्री बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान करेंगे। इससे पहले श्री उद्धव? जी एवं कुबेर जी मंदिर गर्भगृह से बाहर परिसर में आयेंगे। इसी के साथ रात्रि नौ बजकर सात मिनट पर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। इसी दिन श्री कुबेर जी रात्रि प्रवास के लिए बामणी गांव प्रवास पहुंचेंगे तथा श्री उद्धव जी रावल निवास आ जायेंगे

बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि देव डोलियों के शीतकालीन पूजा स्थल प्रस्थान के तहत सोमवार 18 नवम्बर को श्री उद्धव जी, श्री कुबेर जी सहित रावल अमरनाथ नंबूदरी तथा आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी रात्रि प्रवास के लिए योग बदरी पांडुकेश्वर पहुंचेंगी। श्री उद्धव जी एवं श्री कुबेर जी शीतकाल में पांडुकेश्वर प्रवास करेंगे, जबकि आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी 19 नवम्बर मंगलवार को श्री नृसिंह मंदिर परिसर में विराजमान हो जायेगी। इस तरह इस वर्ष की श्री बदरीनाथ धाम यात्रा का भी समापन हो जायेगा। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, सदस्य भास्कर डिमरी, मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल, प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, ईओ नगर पंचायत सुनील पुरोहित आदि मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर से हटा राष्ट्रपति शासन, गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर पर लगे राष्ट्रपति शासन को हटा लिया गया है। गृह मंत्रालय ने रविवार देर रात आदेश जारी कर इससे संबंधित 31 अक्टूबर, 2019 के अपने पहले के आदेश को रद्द कर दिया है। इस तरह अब जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है।

गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा, ₹जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 के तहत केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के संबंध में 31 अक्टूबर, 2019 का आदेश मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले रद्द कर दिया जाएगा।₹ 13 अक्टूबर, 2024 के नवीनतम आदेश ने केंद्र के 5 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश के क्रियान्वयन के साथ ही उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नई सरकार को आगामी सप्ताह में शपथ लेने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि 05 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू और कश्मीर में केंद्रीय शासन लागू किया गया था। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को संसद द्वारा 05 अगस्त 2019 को पारित किया गया था। उसी तारीख को राज्य दो भागों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया था। दोनों को केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में नामित किया गया था। सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए इस क्षेत्र को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

पुत्र ने अपने ही मां को लाठी से पीटकर की हत्या

चान्हो(बिभा) । कोख से जन्मा पुत्र ही मां के लिए जल्लाद बन गया। चान्हो के मसमानो गांव शनिवार को निवासी सागर कुजूर ने अपनी सगी माँ सुशीला कुजूर की निर्मम हत्या अपने घर पर ही कर दी। सनकी बेटे ने अपनी माँ को मौत के घाट सिर्फ इस लिए उतार दिया क्योंकि माँ ने खाना देने में देर कर दी थी। जिसके बाद बेटे ने लाठी डंडे से पिट पिट कर माँ को मौत के घाट उतार दिया। माँ का शव घर के आंगन में ही दफन कर दिया। मामले की जानकारी जैसे ही चान्हो थाना को मिली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को घर से गिरफ्तार किया। मां का शव आंगन से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस युवक को जेल भेज दिया। बताते चले कि पिछले दो दिनों में इस गांव में दो हत्या से आसपास की लोग भयभीत है।

डॉ. ज्ञान प्रकाश को थाईलैंड से आयुर्वेद और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

रांची(बिभा) : आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विश्वस्तर पर महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. ज्ञान प्रकाश को थाईलैंड सरकार से सम्मानित किया गया है। उन्हें थाईलैंड के सिंगबुरी और केसरट विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र और पुरस्कार से नवाजा गया है। डॉ. ज्ञान प्रकाश अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवीनतम अवधारणाओं के साथ आयुर्वेद के विकास और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्यरत हैं। उनके प्रयासों को न केवल भारत में बल्कि विश्व के विभिन्न हिस्सों में भी सराहा जा रहा है। उन्होंने आयुर्वेद और पर्यावरण संरक्षण के बीच के गहरे संबंध को उजागर किया है, जिससे मानवता और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए रांची स्थित जीवक आयुर्वेद विश्वविद्यालय और बहमनी जेरिएट्रिक रिहैबिलिटेशन एवं आयुर्वेद अस्पताल को भी सम्मानित किया गया है। डॉ. ज्ञान प्रकाश के कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना न केवल आयुर्वेद के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपने अंदर के अहंकाररूपी रावण पर विजय पाना ही है दशहरे का प्रतीक : आशुतोष

मांडर(बिभा) : विजयादशमी के मौके पर दुर्गा पूजा समिति सोसई द्वारा आयोजित सोसई आश्रम मैदान में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिप सदस्य चान्हो सह आजसू केन्द्रीय सचिव आशुतोष तिवारी और विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी राहुल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से फिता काटने के बाद रावण दहन किया गया। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि दशहरा या विजय दशमी के दिन ही भगवान रामचंद्र ने रावण पर विजय पाई थी, इसलिए इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है जोकि बुराई, अहंकार, अत्याचार और अधर्म पर धर्म, सत्य और न्याय की विजय का प्रतीक माना जाता है। वहीं चान्हो के दुर्गा पूजा समिति बीजूपाड़ा, ईटकी के दरहा टाड़ और मांडर के बुढ़ा महादेव दुर्गा पूजा समिति बुढ़ाखुखरा के द्वारा हुए रावण दहन कार्यक्रम में भाजपा नेता सन्नी टोप्पो शामिल हुए। क्षेत्र में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आई।

राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडाल एवं मंदिरों का किया भ्रमण, मां दुर्गा से मांगा आशीर्वाद

सोनाहातू/राहे। राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा ने शुक्रवार को नवमी के शुभ अवसर पर सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों एवं मंदिरों में पहुंचकर मां का दर्शन किया। इस क्रम में कोंताटोली गांव पहुंचे जहां ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों के साथ एवं महिला दीदियों ने माला और पारंपरिक टोपी पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। इसके बाद सताकी और राहे स्थित दुर्गा मंदिर पहुंचे जहां सताकी में मंदिर के सदस्यों द्वारा एवं राहे में सोलह आना समिति द्वारा डॉ प्रदीप वर्मा और भाजपा जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज को चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया तथा प्रसाद दिया इस दौरान बुरुडीह में महिलाओं एवं बारेंदा गांव के पूजा समिति के सदस्यों द्वारा भी उनका जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। मौके पर सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि इस धार्मिक भ्रमण का एक ही उद्देश्य है माता रानी लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाएं। आदिशक्ति मां दुर्गा से मैं जनता की सुखमय जीवन की प्रार्थना करता हूं, वहीं विनय महतो धीरज ने भी क्षेत्रवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी इस मौके पर रेखा देवी,चित्तरंजन महतो, पदलोचन महतो,खगेश महतो,भगीरथ महतो, मेघनाथ महतो,मनोज महतो,मनोज चटर्जी, सुशांत सिंह,गंगाधर साव,पशुपति नाथ महतो,दुर्लभ महतो, नीलकांत महतो, यशपाल महतो, परमेश्वर महतो,रामेश्वर महतो,उत्तम महतो, दीपक हरिजन,सुरेश लोहरा,गोवर्धन महतो,प्रकाश चन्द्र कर्मकार सहित पूजा समिति के सदस्य व श्रद्धालु मौजूद थे।

आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाला युवक गिरफ्तार

रांची(बिभा) । फेसबुक पर मां दुर्गा पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले पिठोरिया थाना क्षेत्र के जीदू निवासी युवक संदीप उरांव पिता स्वर्गीय एतवा उरांव को पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम राय ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है । आरोप है कि उसने शुक्रवार को मां दुर्गा पर अत्यंत अभद्र पोस्ट डाले थे। इससे नाराज और आक्रोशित पिठोरिया क्षेत्र के सनातन समाज के लोगों ने इसकी लिखित शिकायत पिठोरिया पुलिस से करते हुए उसकी गिरफ्तारी की मांग की थी। मामला बढ़ता देख एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और डीएसपी अमर कुमार पांडेय के निर्देश पर पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम राय ने मामला के तुल पकड़ने से पूर्व ही आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि वह लंबे समय से सनातन धर्म के देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक पोस्ट अपने फेसबुक पर डालता आ रहा था। आरोपी संदीप उरांव को शनिवार को जेल भेज दिया गया है। पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम राय के द्वारा क्षेत्र की जनता से अपील की गई है कि आपत्तिजनक व धर्म से संबंधित अश्लील फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें। अन्यथा उनके ऊपर भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ में सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति ने किया भव्य रावण दहन समारोह का आयोजन, सांसद और विधायक हुए शामिल

धू-धू कर जले 110 फीट का रावण 85 फीट का कुंभकरण और 80 फीट का मेघनाथ के विशाल पुतले

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ में विजयादशमी की धूम देखने को मिली. रामगढ़ में इस मौके पर कई जगह रावण दहन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया. रामगढ़ जिला का सबसे बड़ा मुख्य व भव्य रावण दहन समारोह रामगढ़ में विगत कई वर्षों से सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज और समिति के द्वारा रामगढ़ शहर के बाजार टांड स्थित सिद्धू कान्हु जिला मैदान में आयोजित किया गया । इसमें सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी विधायक सुनीता चौधरी शामिल हुए।

सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति के पदाधिकारियो और सदस्यों के द्वारा मुख्य अतिथि सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और विशिष्ट तिथि विधायक सुनीता चौधरी को बैच लगाकर माला पहनाकर पगड़ी पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, बुके देकर व स्मृति चिह्न देकर स्वागत , सम्मानित किया गया.। स्वागत और सम्मानित करने के बाद समिति के पदाधिकारियो मुख्य संरक्षक मनोज महतो सचिव महावीर अग्रवाल कोषाध्यक्ष राजेश गोयनका उपाध्यक्ष गंगा भगत ,रविंद्र सिंह बीटी सह सचिव राकेश गुप्ता दिनेश शर्मा अनुज कुमार मित्तल अभिमन्यु कुशवाहा व सदस्यों के द्वारा मुख्य अतिथि सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी को 51 किलो का विशाल माला भी पहनाया गया।

शानदार आतिशबाजी के बीच रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया गया. मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और विशिष्ट अतिथि रामगढ़ की विधायक सुनीता चौधरी ने जैसे ही तीनों पुतलों में आग लगाई,वहा जमा करीब 50 हजार की भीड़ ने ₹जय श्रीराम₹ के नारे लगाए.।

सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति के द्वारा इस बार भी रावण 110 फीट कुंभकार 85 फीट और मेघनाथ का 80 फीट का विशाल पुतला बनवाया गया था।

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और विधायक सुनीता चौधरी ने इस मौके पर राज्य की जनता को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें असत्य पर सत्य की विजय की याद दिलाता है. उन्होंने कहा कि हमें मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। सांसद और विधायक ने भी जय श्रीराम के नारे लगाए.।

उन्होंने कहा कि रावण दहन से राज्य और देश को रामगढ़ के ऐतिहासिक सिद्धू कान्हु मैदान से एक संदेश जाएगा. उन्होंने कहा कि रावण दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. यह संदेश देता है कि असत्य पर हमेशा सत्य की विजय होती है.

रावण दहन का यह कार्यक्रम सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति के द्वारा आयोजित किया गया था।

धन्यवाद ज्ञापन और मंच का संचालन समिति के सचिव महावीर अग्रवाल ने किया।

वहीं रामगढ़ के फुटबॉल ग्राउंड में रावण दहन उत्सव में मनीष जयसवाल थे मुख्य अतिथि उपस्थित थे। रामगढ़ कैंट दशहरा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं कमिटी के मुख्य संरक्षक शंकर चौधरी और कार्यक्रम के मंच संचालन हेतु इस बार कमिटी ने रामगढ़ के जाने माने प्रसिद्ध व्यवसाई सह भजन गायक कमल बगरिया को आमंत्रित किया था जिन्होंने अपनी वाणी से दर्शकों का ध्यान मंच पर केंद्रित रखा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद मनीष जयसवाल ने मंच से दर्शकों को महादश्मी की बधाई देते हुए कहा की आज सार्वजनिक रूप से हम जिस रावण के पुतले को जलाते हैं वो प्रतीक है एक बुराई और अधर्म का,जिसने ये अहंकार पाल लिया था की वही श्रेष्ठ है। साथ हीं उन्होंने भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं और आयोजनकर्ता को उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में बुलाने पर आभार व्यक्त किया।

मांडर और चान्हो प्रखण्ड में अनेक पथ निर्माण योजनाओं और विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास

सभी सड़क निर्माण के पूरे होने पर बदलेगी मांडर की तस्वीर और तकदीर : शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

मांडर। चान्हो रविवार को मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि सम्पूर्ण मांडर विधानसभा क्षेत्र में शुरू की गयी अनेक विकास योजनाओं एवं पथ निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद सम्पूर्ण मांडर विधानसभा क्षेत्र की न केवल तस्वीर बदलेगी बल्कि तकदीर भी बदल जायेगी. उन्होंने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण भाई-बहनों के जीवन में खुशियाँ समेटना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे हमेशा इसके लिये योजनायें और रणनीति भी बनाती हैं. श्रीमती तिर्की ने कहा कि मांडर को झारखण्ड का सबसे विकसित और आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने की उनमें क्षमता है और वे अपनी योजनाओं को जमीन पर उतारकर ही रहेंगी.

श्रीमती तिर्की ने कहा कि अच्छी सड़कों से ही विकास की उस ऊंचाई पर पहुँचा जा सकता है जहाँ उसका प्रभाव सभी लोगों के जीवन पर पड़ सके. उन्होंने कहा कि अनेक योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन से सम्पूर्ण मांडर के विकास को गति मिलेगी.

आज अपने विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास योजनाओं एवं पथ निर्माण कार्यों के शिलान्यास के लिये आयोजित अनेक समारोह में अपने सम्बोधन में श्रीमती तिर्की ने कहा कि समस्याओं के समाधान में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि एक-एक मिनट और प्रत्येक दिन का विकास के हित में पूरा सदुपयोग हो.

आज आयोजित विभिन्न समारोहों में चान्हो प्रखण्ड के एन.एच. 75 से बुची पुल तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास श्रीमती तिर्की ने किया. इसके साथ ही चान्हो प्रखण्ड के ही एन.एच. 75 से पादुक खखराटांड तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य, बरहे से कैम्बो पुल तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य, एन.एच. 75 से चोरेया रोड भाया करकट तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य और एन.एच. खेलारी रोड चोरेया मोड़ से तरंगा तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास श्रीमती तिर्की ने किया.

आज ही मांडर प्रखण्ड के एन.एच. 75 से मलटोली तक के पथ की विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास भी मांडर विधायक ने किया. इसके अलावा मांडर प्रखण्ड के ही मुड़मा चौक से बड़गडी तक और बंझिला पंचायत अंतर्गत बुढ़ाखुखरा से गोरे तक के पथ की बहुप्रतीक्षित विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास भी श्रीमती तिर्की ने किया. सभी शिलान्यास कार्यक्रमों में उन्होंने समय पर कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया. आज के विविध कार्यक्रमों में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकत्ताओं के साथ ही ग्रामीणों की भी भारी संख्या में उपस्थिति रही।

शारदीय दुर्गा पूजा का आयोजन धूमधाम से किया गया

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा समिति पिठोरिया के द्वारा शारदीय दुर्गा पूजा का आयोजन धूमधाम से किया गया। नवरात्रा के दौरान कथावाचक शिवम शुक्ला के प्रवचन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूजा के दरम्यान वैदिक रीति-रिवाज के साथ चंडी पाठ मुख्य पुरोहित अखिल ईश्वर पाठक के अगुवाई में संपन्न हुआ। वहीं रामचरितमानस प्रचार मंडल के रानी के द्वारा रामचरितमानस के पाठ में युवक-युवतियों की अच्छी उपस्थिति रही। दुर्गा पूजा समिति के द्वारा अष्टमी, नवमी और दसवीं को मेला का आयोजन किया गया। विजयदशमी के दिन नव पत्रिका विसर्जन के साथ पूजन का रस्म खत्म हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं की बीच रामायण और महाभारत पर आधारित समान ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई इसमें सभी सफल प्रतिभागियों को धार्मिक पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। सायं काल में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भजन - कीर्तन करते हुए स्थानीय नया तालाब में किया गया। पूजा के आयोजन में अनिल केशरी, कृष्ण कुमार महतो, शंकर महतो, राजेश केशरी, सुधीर केशरी, श्रवण गोप, प्रमोद केसरी, अभिषेक ठाकुर, मिथिलेश स्वर्णकार, चंद्रिका प्रसाद, रामकिशोर महतो, विश्वनाथ बैठा, संजय चौरसिया, उमेश केशरी, रामानंद प्रसाद, शिवदास वर्मा, प्रदीप महतो, भरत स्वर्णकार, रमेश केशरी, सत्यदेव साहू, शंकर साहू, बबलू महतो, जितेन्द्र साहू, विनोद रजक, किशोर महतो कुमुद रजक सहित अन्य उपस्थित थे।

रास सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने कई स्थानों में किया शिलान्यास

रांची/कांके। राज्य शसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने सांसद निधि से निर्मित कांके प्रखंड अंतर्गत सुकुरहुटू में धारियारी मुख्य पथ का पी सी सी , होचर ग्राम में नेहरू एके-डमी के समीप भवन निर्माण, एवं शमशान शेड का निर्माण सहित अन्य योजनाओं का शिलान्यास राज्यसभा सांसद श्री साहू के द्वारा किया गया। मौके पर पूर्व जिप सदस्य सह महामंत्री अनिल टाईगर,उप प्रमुख अजय बैठा, जिप सदस्या सुषमा देवी, किरण देवी, मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण,पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनलखन मुंडा, पंसस सुनीता देवी, राजकुमार महतो ,बादल मुंडा, आजसू नेता संजीव कुमार महतो,बेनी राम महतो, संजय साहू, बनिता मेहता सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

दुर्गा मूर्ति विसर्जन के लिए बड़ा तालाब में एसडीआरएफ की टीम तैनात

रांची। राजधानी रांची में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के लिए बड़ा तालाब में रविवार को स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरए) की टीम तैनात की गई है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम को तैनात किया गया है। डीएसपी ने मौके पर पहुंच कर बड़ा तालाब का निरीक्षण भी किया, ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की कोई घटना नहीं हो।

जमीन विवाद में एक की हत्या, छह गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र के मसमनो गांव में घात लगाकर अपराधियों ने अशोक सिंह की हत्त्या कर दी। मसमनो निवासी अशोक सिंह की उम्र 57 वर्ष थी। घटना शुक्रवार शाम की है। मृतक के पुत्र सुशांत कुमार सिंह के द्वारा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमें सात लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। जिसमे छः आरोपियों को पुलिस ने अपनी हिरासत में लेकर रविवार को जेल भेज दिया है। घटना के बाद गुस्साये लोगों ने रात लगभग साढ़े दस बजे रांची-मेदिनीनगर मुख्य पथ को थाने के ठीक सामने जाम भी कर दिया था। लेकिन प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही के आश्वासन के बाद रात में ही जाम हटा लिया गया था। शनिवार की दोपहर रिम्स से पोस्टमार्टम से आने के बाद उनका उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि अशोक सिंह के पूर्वज द्वारा कुछ डिसमिल जमीन अभियुक्त के पूर्वजों को दिया गया था। पिछले कुछ वर्षों से अभियुक्त उक्त जमीन से ज्यादा जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करता रहता था जिसका अशोक सिंह हमेशा विरोध किया करते थे। अशोक सिंह का कहना था कि जितनी जमीन तुम्हें दी गई है तुम उतनी ही जमीन पर काबिज रहो। इस मामले को लेकर कहा सुनी होती रहती थी। एक सप्ताह पूर्व उसके द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य का विरोध भी अशोक सिंह ने किया था और मामले को लेकर वे थाने भी गए थे। उसी समय आरोपी ने अशोक सिंह को जान से मारने की धमकी दी थी। यह जमीन अशोक सिंह के घर से कुछ ही दुरी पर है।

परिजनों ने बताया कि अन्य दिनों की तरह शुक्रवार की शाम को अशोक सिंह चान्हो चौक से अपने घर लौटने के बाद अपनी पत्नी से चाय बनाने को कहा और और खुद घर के बगल स्थित बारी में बांधी गई अपनी गाय को खोलकर लाने चले गए। काफी देर तक भी जब वे वापस नहीं लौटे तो उनकी पत्नी और पुत्री उन्हें ढूंढने गई। इसी दौरान उन लोगो ने देखा कि वे जमीन पर खून से लथपथ पड़े हैं। तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चान्हो ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद नामजद अभियुक्तों ने लोगों को बरगलाने की भी कोशिश की। उसने कहा कि वह अशोक सिंह से थोड़ी दूर पर ही था और कुछ लोग अंधेरे में आए और धारदार हथियार से अशोक सिंह पर हमला किया, साथ ही उसे भी निशाना बनाने की कोशिश की पर वह उनके चंगुल से बच गया। बार-बार बयान बदलने के कारण पुलिस को उसे पर संदेह हुआ जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई। मामले को लेकर शनिवार की दोपहर समाज की एक बैठक बुद्धिजीवियों के साथ हुई जिसमें प्रशासन से मांग रखी गई की हत्याकांड में शामिल अन्य अपराधियों के तत्काल गिरफ्तारी की जाए। साथ ही लोगों ने कहा कि घटना के विरोध में रविवार को क्षेत्र में दुकानों को बंद करा दिया जायेगा। साथ ही अंचल अधिकारी को एक मांग पत्र भी सौंपा गया जिसमें मुख्य आरोपी के जमीन की मापी कराकर उसके द्वारा किए गए अतिरिक्त निर्माण कार्य को तत्काल हटाने की बात कही गई।

थाना प्रभारी ने कहा मृतक के पुत्र के द्वारा दिए हुए आवेदन में से छः आरोपियों को जेल भेज दिया गया है अन्य एक फरार है। हत्या का कारण जमीन विवाद बताया जा रहा है।

बिरसा कृषि विवि परिसर के दुर्गोत्सव में 75 से 95 साल तक के 12 बुजुर्ग सम्मानित किए गए

बिभा संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा समारोह के रजत जयंती वर्ष पर पूजा समिति से जुड़े रहे 12 पुराने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को मेमेंटो, श्रीफल एवं माता की चुनरी देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में प्रो एनसी दास (95), एसएन दास (90), डॉ एसएसपी वर्मा (89), डॉ डीके झा (85), डॉ बीएन प्रसाद (85), डॉ केडी सिंह (80), डॉ बीपी सिंह, डॉ केके प्रसाद, डॉ उमेश चौधरी, प्रकाश कुमार, अमिता मुखर्जी (धर्मपत्नी स्व एके चक्रवर्ती) तथा स्वास्थ्य विभाग के उप निदेशक डॉ देवाशीष चक्रवर्ती (सुपुत्र स्व नारायण चक्रवर्ती) शामिल थे। मौके पर पूजा समिति के संस्थापक सदस्य जीतेन्द्र झा का भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। समिति ने इसी प्रकार आयोजन में पूर्व में सक्रिय भूमिका निभानवाले एक दर्जन बुजुर्ग कार्यकताओं को प्रतिवर्ष सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अरविन्द कुमार सिंह, उपाध्यक्ष प्रो डीके रूसिया, महासचिव डॉ राकेश कुमार सक्सेना तथा सचिव डॉ सुधीर कुमार सिंह ने समारोह के नियोजन एवं कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। संचालन धर्मेन्द्र रावल एवं अमरेन्द्र वर्मा ने किया।

अष्टमी के दिन शिवशक्ति जागरण मंच के राहुल कुमार एवं टीम द्वारा भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति डॉ एससी दुबे सहित विश्वविद्यालय कर्मियों एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। नवमी के दिन विश्वविद्यालय परिसर की महिलाओं और बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया। सांस्कृतिक संध्या का समन्वयन पूनम सिंह, पारुल रावल, सुनीता उपाध्याय एवं प्रियंका सिंह ने किया। जुमार नदी में शनिवार की शाम प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

नरकोपी थाना स्थित ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

बिभा संवाददाता

मांडर। ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने नरकोपी थाना स्थित में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। इस मौके पर एआईएमआईएम युवा नेता मांडर जिला परिषद प्रतिनिधि रबुल अंसारी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मजलिस सिर्फ.मुसलमानों की पार्टी नहीं है बल्कि हर मजलूम के दिल की आवाज है. इसके नाम से ये गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि ये सिर्फ.सिर्फ.मुसलमानों की सियासी पार्टी है. जिस तरह और सियासी पार्टियों में मुसलमान हैं उसी तरह मजलिस में भी दूसरे मजहब के लोग हैं।

उन्होंने कहा कि मजलिस के बारे में बहुत सी गलतफहमियाँ पैदा की जाती हैं, कभी कहा जाता है कि ये मुसलमानों की जमात है, कभी कहा जाता है कि ये भाजपा की बी टीम है। जबकि ये दोनों बातें ही गलत हैं, मजलिस में हर मजहब के लोग हैं। मौके पर शाहिद अनवर चान्हो प्रखंड अध्यक्ष सोहेल अंसारी मांडर प्रखंड अध्यक्ष इमरोज अंसारी अफसर अंसारी सुखमणि टिंग्या अफरोज आलम सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

दुर्गा पूजा के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में हुई अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गयी। यह घटना 11 और 12 अक्टूबर को हुई है। इनमें छह लोगों की हत्या कर दी गयी जबकि 11 लोगों की हादसे में मौत हो गयी। वहीं, एक व्यक्ति की हत्या हुई या हादसे में मौत हुई है, पुलिस इसका पता लगा रही है।

प्रमुख घटनाएं

12 अक्टूबर को देवघर में जंगल से क्षत-विक्षत हालात में मिला चार दिनों से लापता व्यक्ति का शव।
12 अक्टूबर को रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में मेला घूमने के दौरान हुए मारपीट में एक युवक की मौत।
12 अक्टूबर को सिमडेगा में धारदार हथियार से मारकर महिला की हत्या।
12 अक्टूबर को दुमका में खेलने के दौरान मिट्टी में दबकर दो बच्चों की मौत।
12 अक्टूबर को सरायकेला में फैक्ट्री में काम के दौरान हुए दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत।
12 अक्टूबर को लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत।
11 अक्टूबर को रांची के बुढ़मू में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत।
11 अक्टूबर को रांची चान्हो में अधिवक्ता के पिता की चाकू से मारकर हत्या।
11 अक्टूबर को चाईबासा के टेबो में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या।
11 अक्टूबर को रामगढ़ के मुराम कला गांव के पास दुर्गा पूजा करने जा रही चार लड़कियां ट्रक के नीचे दब गईं। तीन लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई।
11 अक्टूबर को बोकारो स्टील प्लांट बीएसएल के डीजीएम की सड़क हादसे में मौत ।

झामुमो की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक आज, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक 14 अक्टूबर को सोहराय भवन में होगी। इसमें पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने रविवार को कहा कि केंद्रीय समिति के लगभग 243 सदस्यों के अलावा सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला सचिव भी बैठक में शामिल होंगे। बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन, वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा, सदस्यता अभियान की समीक्षा, पार्टी के संगठनिक स्थिति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पंच मंदिर में भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ नवरात्र

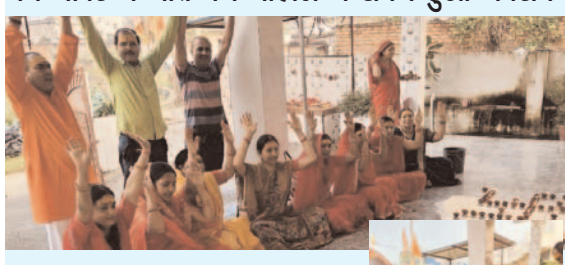

रांची(बिभा) : शुक्रवार को अरगोड़ा पीपर टोली तारा नगर आवासीय परिसर में स्थित पंच मंदिर में संधी बलि चढ़ा तद पश्चात नवमी पूजा विधि विधान पूर्वक पंडित रविशंकर पांडेय जी द्वारा कराया गया। हवन यज्ञ संपन्न के साथ ही 9 कुंवारी कन्याओं भैरव भैया के साथ भोजन कराया गया। तारा नगर आवासीय परिसर का पहला नव रात्रि पर पूरे पंच मंदिर में भक्तिमय माहौल बना हुआ था। मंदिर संचालन समिति के सभी सदस्यों के साथ ही मुहल्ले की महिलाएं माताएं बहनें पुरुषों के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर श्री दुर्गा पूजा सम्पन्न कराई। आने वाले वर्ष 2025 में सभी की आम सहमति बनी तो यहां पंच मंदिर परिसर के बगल में पंडाल बनाकर भव्य पूजा का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी उपास्थित पंच मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष सुबोध कुमार,सचिव श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष अमीत अग्रवाल ने अपने आवासीय कॉलोनी के लोगो से चर्चा करते हुए कही।

रांची ग्रामीण श्री दुर्गा पूजा समिति का विभिन्न प्रखंडो में पूजा शांतिपूर्ण संपन्न

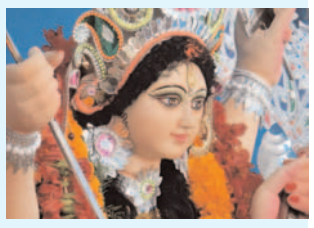

रांची(बिभा) : रविवार रांची ग्रामीण श्री दुर्गा पूजा समिति ने रांची जिला के खेलारी ,चान्हो, मांडर, इटकी, लापुंग, बेडो, नगड़ी, रातु, बुडमू, कांके, खिजरी, ओरमांझी, अनगड़ा, सिल्ली, सोनाहातू, राहे, बुंडू, तमाड़ जैसे कुल 18 प्रखंडो में वहा के पूजा समितियों द्वारा श्री दुगार्पूजा, नवहन्यपरायण, नव रात्रि, दशहरा पर्व, रावन दहन, विजयदशमी समारोह त्योहार सभी 18 प्रखंडों में आपसी भाईचारा और शांतिपूर्ण ढंग से सभी के सामूहिक लगन प्रयास सहयोग और मिलन से संपन्न होने पर रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष तपेश्वर केशरी, महामंत्री बीरेंद्र साहु ने झारखंड के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्यसचिव , पुलिस महानिदेशक,स्थानीय प्रशासन रांची उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, जिले में पदस्थापित सभी पुलिस उपाधीक्षक, सभी थाना प्रभारी गण एवम जिला प्रशासन के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। आने वाले वर्ष रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति को सभी के सहयोग से और भी सशक्त संगठन बनाया जायेगा।

समाजसेवी संजय साहु का ह्रदय गति रुक जाने से निधन

रांची(बिभा) : रांची मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर सिल्ली से आगे तुलीन में वहा के वरीय व्यापारी एवं समाजसेवी संजय साहु का कलकत्ता दमदम में ह्रदय गति रुक जाने से निधन हो गया है। तुलीन से वहा के समाजसेवि पश्चिम बंगाल सुंडी संघ के संयोजक कृष्ण मुरारी साहु जी ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर सड़क मार्ग से तुलीन पहुंच गया है। दिनाक 14 अक्टूबर को दीन के 9 बजे तुलीन स्वर्णरेखा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु ने बताया कि संजय साहु जी का निधन समाज के लिए बहुत ही छती है। प्रदेश शौंडिक संघ के संरक्षक कुमुद प्रसाद साहु,अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु,महासचिव उमेश साहु, वरीय उपाध्यक्ष सुनील साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु, कोशाध्यक्ष निशांत गुप्ता, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु के साथ ही पंच परगना सुंडी संघ से अनुप कुमार साहु,उपेन्द्र साहु, अजीत साहु, मनोज साहु, ओम प्रकाश गुप्ता, ब्रजेश साहु, प्रदिप कुमार, पश्चिम बंगाल सुंडी संघ के सभी पदाधिकारीगण एवं पूरे झारखंड प्रदेश संगठन ने संजय साहु जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है भगवान से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार जनों ढाढस बंधाया है पूरा समाज इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

केन्द्रीय सरना समिति ने राहुल तिर्की की हत्या की निंदा की

रांची(बिभा) : केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा ने राहुल तिर्की की हत्या पर प्रेस बयान जारी कर कहा कि राहुल तिर्की की हत्या का हम निंदा करते हैं। राहुल तिर्की का हत्या की घटना झारखंड के लिए कोई नई बात नहीं है। झारखंड राज्य में अपराधि बेलगाम है आए दिन संथाल हो कोल्हान हो उत्तरी राज्य छोटानागपुर दक्षिण छोटानागपुर हो यह फिर पलामू प्रमंडल हो राज्य के किसी भी कोने में अपराधी बैखोफ होकर अपराध कर के निकल जा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह ध्वस्त है। हेमंत सरकार दलित, आदिवासियों, पिछड़ों के बड़े शुभचिंतक बनते है और उनके ही राज्य में दलित, आदिवासी, एवं पिछड़ों के साथ हत्या बलात्कार अत्याचार शोषण हो रहा है और हेमंत सोरेन सरकार कान में तेल डालकर सो रही हैं। इसलिए हेमंत सोरेन सरकार से मांग करते हैं कि दलित, आदिवासी पिछड़ा एवं अन्य के साथ इस तरह की घटना का पुर्नवृत्ति ना हो साथ ही साथ राहुल तिर्की के हत्यारों को शीघ्र गिरफ़्तार किया जाए और राहुल तिर्की के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 25 लाख रुपया मुआवजा दिया जाए।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन वाया - राँची का उद्घाटन

रांची(बिभा) : कोडरमा रेलवे स्टेशन से गया - लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन का उद्घाटन किया गया। इस ट्रेन को माननीय विधायक राँची श्री चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह द्वारा राँची स्टेशन पर ठहराव के पश्चात हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गयो इस अवसर पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अंजनी राय, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अनिल जेरई एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी राँची स्टेशन पर उपस्थित थे। ट्रेन संख्या 02358 गया - लोकमान्य तिलक टर्मिनस उद्घाटन स्पेशल ट्रेन का आज दिनांक 13/10/2024 को कोडरमा से उद्घाटन के पश्चात 16:30 बजे प्रस्थान हुआ, तथा इस ट्रेन का बरकाकाना, राँची, हटिया, राउरकेला, बिलासपुर, नागपुर, भुसावल, नासिक रोड, कल्याण होते हुए लोकमान्य तिलक टर्मिनस आगमन (दिनांक 15/10/2024 को) 03:30 बजे होगा।

हेयर स्टाइल को लेकर सुर्खियों में महेंद्र सिंह धोनी

बिभा संवाददाता

रांची। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर अपने हेयर स्टाइल को लेकर सुर्खियों में है। धोनी का नया लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। देश के जाने-माने हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने अपने इंस्टा और एक्स हैंडल पर धोनी की तीन फोटोज शनिवार को शेयर की है।

फोटो में एमएसडी छोटे बाल में नजर आ रहे हैं। एक साइड उनके बाल छोटे-छोटे हैं जबकि दूसरे साइड के बाल हल्के बड़े हैं। हेयर स्टाइलिस्ट ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा कि महेंद्र सिंह धोनी। हमारे एकमात्र थाला। आईपीएल से पहले माही का नया लुक देख फैंस चौंक गये। हालांकि, फैंस को माही का नया लुक पसंद आ रहा है।
आलिम हकीम देश के जाने-माने हेयर स्टाइलिस्ट हैं। आलिम के पास बॉलीवुड स्टार से लेकर क्रिकेटर तक अपना हेयर कट करवाते हैं। महेंद्र सिंह धोनी भी अपने हेयरस्टाइल को लेकर हमेशा सर्खियों में रहते हैं। आईपीएल के हर सीजन से पहले वह अपना लुक बदलते हैं। पिछले सीजन में माही लंबे बालों में नजर आये थे। वहीं, आईपीएल 2025 में माही छोटे बालों में दिखेंगे। पहले तस्वीर में माही का साइड लुक फोटो है और वो नीचे देख रहे हैं। दूसरी तस्वीर में माही ने साइड लुक किया है लेकिन सामने देख रहे हैं। तीसरी तस्वीर की बात करें तो इसमें माही के साथ आलिम हकीम भी नजर आ रहे हैं। वह क्रिकेटर के हेयर कट कर रहे हैं।

मारपीट में घायल युवक की मौत, स्थानीय लोगों ने लालपुर चौक किया जाम

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा मेला घूमने के वक्त हुई मारपीट में घायल युवक रोहित मुंडा की शनिवार रात मौत हो गई। बताया जाता है कि रोहित मूल रूप से लालपुर थाना क्षेत्र के लोहराकोचा का निवासी था। जिसकी मौत के बाद स्थानीय लोगों ने रविवार सुबह लालपुर चौक जाम कर दिया।स्थानीय लोगों ने घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की दावा कर रहे थे।

क्या है घटना

बताया जाता है कि रोहित मुंडा अपने मित्रों के साथ मेला देखने गया था। जहां रातू रोड चौक के पास कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन शनिवार देर रात उसकी मृत्यु हो गई।

आक्रोशित लोगों को पुलिस ने हटवाया

घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया।जाम लगने से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर सिटी डीएसपी व लालपुर पुलिस ने स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त करवा दिया।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने पंजाब रेजीमेंट सेंटर रामगढ़ में वीर जवानों संग मनाया विजयदशमी

बिभा संवाददाता

रांची : विजयदशमी के पावन अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रामगढ़ छावनी परिषद पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में शस्त्र पूजन की साथ ही जवानों को मिठाई खिलाकर विजयदशमी का त्योहार उनके साथ मनाई । इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा पूरे भारतवर्ष को अपने सैनिकों पर गर्व है हमारी सेना ने देश की हर परिस्थिति में शांति स्थापित करने सेवा करने में जो समर्पण दिखाया है वह अद्भुतीय है । आज यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे वीर सैनिकों के साथ विजयदशमी पर्व मनाने का मौका मिला है। आज भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति और मजबूती प्रदान की है आज हमारी सेना बहुत मजबूत हुई है। रक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में मजबूत हुआ है भारत रक्षा के उत्पादन मे काफी आगे बढ़ चुका है हम कई देशों को अपने देश में बने हथियार दूसरे देशों को दे रहे हैं आज भारत रक्षा के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है । रक्षा के क्षेत्र में आज भारत 70% आत्मनिर्भर हो चुका हैं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने छावनी परिषद स्थित गुरुद्वारा भी गए वहां माथा टेका और सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं दी।

महानगर समिति का ऐतिहासिक विसर्जन शोभा यात्रा संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा सामूहिक विसर्जन शोभायात्रा समिति के मुख्य संयोजक डॉ अजीत कुमार सहाय अध्यक्ष चंचल चटर्जी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप रॉय बाबू, वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा , महामंत्री रविंद्र वर्मा ,कोषाध्यक्ष संजय सिन्हा गोपू ,संजय मिनोचा , सागर कुमार, अशोक यादव, कमलेश यादव,अमर नाथ साहू, समीर सिंह के नेतृत्व में दोपहर 3:00 बजे मां दुर्गा के मूर्ति का विसर्जन शोभायात्रा बिहार क्लब कचहरी रोड से आरंभ होकर 6:00 बजे विसर्जित हुआ ,जिसमें विहार क्लब दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ अजीत सहाय एवं सचिव संजय सिन्हा गोपू के नेतृत्व में कचहरी रोड से शुरू होकर संग्राम क्लब के रंजन सिंह एवं राजेश कुमार लाल, रातू रोड किशोरी यादव चौक में इटकी रोड ,पंडरा रोड, पिस्का मोड़ की ओर से आने वाले सभी मूर्तियों को साथ लेकर महावीर चौक यूथ क्लब से विशुन देव लीलू ,ज्योति संगम ,गाड़ी खाना से शक्ति स्त्रोत संघ कामाख्या सिंह के नेतृत्व में सभी मूर्तियों को साथ लेकर फिराया लाल चौक पर बरियातू रोड से आने वाले मूर्ति एवं महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति थड़पखना रविंद्र वर्मा के नेतृत्व में हजारीबाग रोड से आने वाले मूर्तियों का मिलन हुआ ।

विसर्जन शोभायात्रा मेन रोड की ओर चंद्रशेखर आजाद क्लब को साथ लेकर काली मंदिर चर्च रोड पूजा समिति के साथ आगे बढ़ते हुए वूल हाउस अंजुमन प्लाजा चौक से वापस मुड़कर डेली मार्केट होते हुए कोतवाली थाना के आगे से बाई ओर मुड़कर बड़ा तालाब एवं चडरी तालाब तथा अन्य तालाबों में विसर्जन हुआ।
उपरोक्त विसर्जन शोभायात्रा में प्रवीण लोहिया, आलोक सिन्हा मुन्ना, शंभू प्रसाद, दिवाकर देव, प्रभाकर देव,किट्टू सिंह, बिट्टू सिंह,अंकू सिन्हा,मनोज तिवारी, संतोष सोनी, निरंजन भगत सहित पदाधिकारी एवं सैकड़ों सदस्य शामिल हुए।
महानगर समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष 2024 का दुर्गा उत्सव सामाजिक सौहार्द भाईचारा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। महानगर समिति के हम सभी पदाधिकारी राज्य के माननीय राज्यपाल एवं राज्य के मुखिया श्री हेमन्त सोरेन ,मुख्य सचिव श्री एल.खियांग्ते, पुलिस महानिदेशक श्री अनुराग गुप्ता, गृह सचिव ,जिला प्रशासन, जिला पुलिस प्रशासन एवं सभी थाना प्रभारी, रांची नगर निगम, यातायात पुलिस , झारखंड विद्युत बोर्ड ,पीएचइडी एवं जिला खनन विभाग का आभार प्रकट करते हैं साथ ही सभी सहयोगी संगठन विशेषकर भवानी सेना सहित सभी समितियों का भी आभार प्रकट करते हैं इस आयोजन को सारे लोग रात-दिन एक करके अपनी सेवा देकर सफल बनाया माननीय झारखंड के मुख्य सचिव जिन्होंने अपने कथन अनुसार सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध करवाया एवं इसी क्रम में रांची के उपायुक्त एसएसपी, एडीएम ,एसडीएम, सिटी एसपी, सभी आरक्षी उपाधीक्षक, सभी थाना प्रभारी एवं संबंधित विभाग सहित हिंदू ,मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी समुदाय के लोगों ने मिलजुल कर इस आयोजन को सफल बनाया जिसमें प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विशेष योगदान रहा जिनके प्रति भी हम आभार व्यक्त करते हैं। उपरोक्त सभी तरह की जानकारी प्रदीप रॉय बाबू ने दिया।

झारखंड में विस चुनाव नजदीक आते ही नई-नई योजनाएं लाकर आधी आबादी को लुभा रहीं राजनीतिक पार्टियां

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। संभावना है कि जल्द ही चुनावी बिगुल बज जाएगा। ऐसे में शिलान्यास और उद्घाटन का दौर शुरू हो गया है। चल रही योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन में सत्ता पक्ष जहां मुखर है, वहीं विपक्ष भी पीछे नहीं है लेकिन झारखंड में अलग हवा बह रही है। यहां वेलफेयर स्कीम की बाढ़ आई हुई है।
सभी दलों को आधी आबादी की चिंता सता रही है। बुजुर्ग, विधवा, दिव्यांगों के सामाजिक सुरक्षा की दुहाई दी जा रही है. राज्य सरकार की तरफ से खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह बीड़ा उठा लिया है। चुनाव प्रचार की रफ्तार में फिलहाल हेमंत सोरेन सबसे आगे दिख रहे हैं। हर वोटर तक पहुंचने के लिए टेक्नोलॉजी का सहारा ले रहे हैं। वॉइस मैसेज के जरिए जनता से संपर्क साध रहे हैं। यह सिलसिला नवरात्रि के दौरान ही शुरू हो गया था।
झारखंड की सियासत में महिलाओं की अधिक पूछ हो रही। उनके मान, सम्मान की चिंता सियासी तौर पर खूब दिख रही है। विधानसभा चुनाव को लेकर यहां कभी भी आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है। ऐसे में पक्ष हो या विपक्ष, सभी महिला वोटर्स का भरोसा जीतने की पुरजोर कोशिश में लगे हैं। हालांकि, सब अपने-अपने स्तर से इसे ह्यमहिला सम्मानह्न से जोड़कर बता रहे हैं। राज्य सरकार ने अगस्त 2024 से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना शुरू की है। 18 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को हर माह 1000 रुपए की राशि दी जा रही।
सरकार की इस पहल के जवाब में भाजपा गोगो दीदी सम्मान योजना लेकर लाई है। वह इसके जरिए हर महीने सभी महिलाओं, बेटियों को 2100 रुपये देने का भरोसा दिला रही है। इधर, भाजपा की इस पहल को देख सत्तारूढ झामुमो ने जेएमएम सम्मान योजना लाने की घोषणा की है। महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपए देने का आश्वासन उसकी ओर से है। इसे लागू करने को लेकर वह निर्वाचन आयोग से परमिशन के इंतजार में है।
हालांकि, 2019 से अभी तक, मंईयां सम्मान की बात कहीं नहीं थी। यह सत्तारूढ दलों के घोषणा पत्र में भी नहीं था। अगस्त 2024 में राज्य सरकार ने रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं, लड़कियों को सम्मान देने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर करने का उद्देश्य दिखाते मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान स्कीम शुरू करने की पहल की। अगस्त 2024 से अबतक इस योजना से तीन किस्त की राशि 40 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में डालने की बात कही जा रही। इस योजना को रिस्पॉन्स मिलते देख भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता देते गोगो दीदी स्कीम की तैयारी शुरू कर दी है।
भाजपा लीडर और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का दावा है कि यह योजना राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर लागू की जाएगी। राज्य की हर गरीब परिवार की महिला और बेटियों को इसका लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत 18-60 आयु वर्ग की महिलाओं को सालभर में 25,000 रुपये मिलेंगे। इसे लेकर राज्य सरकार और झामुमो की आपत्तियों के बावजूद भाजपा की ओर से फॉर्म भरवाने का अभियान जारी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस योजना का फॉर्म भरवाने वालों के खिलाफ रिश्वतखोरी का केस दर्ज करने का निर्देश सभी जिलों के डीसी को दिया है जबकि झामुमो ने चुनाव आयोग से इसे रोकने की मांग की है।
फिलहाल, पांच अक्टूबर से प्रदेश भाजपा की ओर से गोगो दीदी योजना का फॉर्म भराने को करीब 29 हजार बूथों पर अभियान चलाया जा रहा है। अबतक 25 लाख से अधिक फॉर्म भरवा लिए जाने की सूचना है। इधर, झामुमो ने आयोग से गोगो दीदी योजना को लेकर शिकायत करने के साथ ही झामुमो सम्मान योजना का लाभ देने के लिए आयोग से इजाजत मांगी है। उसने कहा है कि यदि भाजपा की ओर से गोगो दीदी योजना का फॉर्म भराया जाना सही है तो वह भी जेएमएम सम्मान योजना का आवेदन लोगों से कराएगा। इसके तहत हर माताओं-बहनों को हर साल 30 हजार रुपये दिए जाएंगे।

रोहित तिर्की के हत्यारों की पहचान कर अविलंब गिरफ्तार करे पुलिस : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को रांची के लालपुर थानांतर्गत लोहराकोचा बस्ती में स्व रोहित तिर्की के परिजन से उनके घर पर मुलाकात की। साथ ही शोक व्यक्त करते हुए सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन अविलंब हत्यारे को गिरफ्तार करे। साथ ही राज्य सरकार परिजनों की मांग के अनुरूप उचित मुआवजा दे।
मरांडी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हैं। कहीं किसी की भी हत्या करने से नहीं डर रहे। उन्होंने कहा कि जवान बेटे को खोने का दर्द वही जानता है जिसके घर ऐसी घटना होती है। साथ ही कहा कि पुलिस घटना के तीन दिन बीत जाने पर भी अपराधी की पहचान नहीं कर पाई है जबकि सीसीटीवी से यह संभव है। इसलिए पुलिस को अविलंब हत्या के घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना चाहिए तथा मुस्तैदी के साथ खोज कर हत्यारे को बेनकाब करना चाहिए।
मरांडी ने कहा कि पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर अपराधी की पहचान कर सकती है। अपराधी को अविलंब पकड़े जाने से एक भय का वातावरण भी बनता है और घटना की पुनरावृति पर रोक लगती है। आजकल राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में नशखोरी बढ़ी है, जिसमें बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चे भी शिकार हो रहे। युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही। उन्होंने कहा कि ऐसे में पुलिस को शिक्षण संस्थानों, कोचिंग संस्थानों के आसपास सिविल ड्रेस में जांच बढ़ानी चाहिए। जरूरत पड़े तो सरकार इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स का भी गठन करे।

श्रद्धा भक्ति से बोकारो-चास में मना दुगार्पूजा, प्रतिमा विसर्जित

सिंदूर खेला के साथ महिलाओं ने किया मां दुर्गा की विदाई

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चास में श्रद्धा भक्ति के साथ दुगार्पूजा धूम-धाम से मनाया गया। वहीं नौ दिनों तक मां दुर्गा की अराधना के बाद शनिवार व रविवार को मूर्ति विसर्जन शांतिपूर्ण किया गया। कुछ मूर्तियों का विसर्जन शनिवार व रविवार को किया गया। जिसमें बंगला विधि से होने वाले पूजा पंडालों सेक्टर तीन बंगभारती, चक्की मोड़, सेक्टर आठ कालीबाड़ी, सेक्टर वन बी रंगमंच मैदान के प्रतिमा का विसर्जन रविवार को किया गया। वहीं कई स्थानों के पूजा पंडालों के प्रतिमा रविवार के कारण विसर्जन नहीं किया गया। इसकों लेकर पूजा समिति के लोग सोमवार को पंडालों के प्रतिमा का विसर्जन करेंगे।

शनिवार को सेक्टर दो बी पूजा पंड़ालों के प्रमितमा का विसर्जन से पहले महिलाओं ने सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा की विदाई की। महिलाओं ने उत्साह के साथ एक दुसरे को सिंदूर लगाकर मिठाईया भी खिलाई। वही चास के पुराना बाजार में भी महिला श्रद्धालुओं ने सिंदूर खेला किया। चास पुराना बाजार के मंदिरों में मां की पूजा के बाद काफी संख्या में महिलाए लाल गुलाबी साड़ी पहन सजधज कर सिंदूर खेला किया। जिसके बाद प्रतिमा को नदी व जलाशय में विसर्जन किया।

सनातनी युवतियों को आत्मरक्षा के लिए तैयार करना और उन्हें सबल बनाना दुर्गावाहिनी का लक्ष्य :विहिप

बिभा संवाददाता

बोकारो : विश्व हिंदू परिषद की इकाई दुगार्वाहिनी के स्थापना दिवस के अवसर पर महानगर के प्रत्येक प्रखण्ड में दुगार्वाहिनी पालिका सीमा सिंह द्वारा दुर्गा सप्तशती पाठ, दुर्गा आरती और शस्त्रपूजन के कार्यक्रम किये गए। ज्ञात हो कि इस वर्ष मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी अहिल्याबाई होल्कर 300वीं और गोंडवाना की रानी दुर्गावती की 500वीं वर्षगांठ थी जिस कारण दुगार्वाहिनी स्थापना दिवस विशेष था, इस मौके पर महानगर के सभी प्रखण्डों में शस्त्रपूजन कर कार्यकताओं के बीच धर्मरक्षा, आत्मरक्षा के लिए शस्त्र बांटे गए, जिलामंत्री संजीव कुमार द्वारा कार्यकताओं का आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाने के लिए रानी दुर्गावती की संछिप्त परिचय सामने रखा गया। उन्होंने बताया, ₹ चंदेलों की बेटी थी, गोंडवाने की रानी थी, चंडी थी, रणचंडी थी वो दुर्गावती भवानी थी ₹ रानी दुर्गावती का जन्म 1524 में दुर्गाष्टमी के दिन कलिंजर के किले में राजा कीरत सिंह के घर हुआ था, बाद में उनका विवाह दलपतिशाह के साथ हुआ, रानी दोनों हाथों से अस्त्र चलाने में निपुण थी, उन्होंने गोंडवाना की सत्ता संभालने के बाद राज्य का विस्तार किया, उनकी सेना देश की पहली सेना थी जिसमें महिलाओं का भी दस्ता था, उन्होंने अपने 16 वर्ष के शासनकाल मे कुल 52 युद्ध लड़े जिसमे से 51 में वो अपराजेय रही, 3 बार तो उन्होंने मुगल शासक अकबर को धूल चटाई थी, 52वें युद्ध मे उनकी आंख पर तीर लग गया और वो घायल हो गई, जिसके बाद सैनिकों ने उन्हें युद्धभूमि छोड़ने की सलाह दी जिसे रानी ने अस्वीकार कर दिया, राष्ट्ररक्षा और धर्मरक्षा के लिए लड़ना ही बेहतर समझा, युद्ध मे जब उन्हें लगा कि वो मूर्छित होने वाली है तो दुश्मनों के हाथ मरने से अच्छा होगा वो खुद को समाप्त कर ले, ये सोच कर उन्होंने अपनी तलवार अपने साइन में घोंप कर वीरगति को प्राप्त हुई, ऐसे शौर्य,साहस और पराक्रम की देवी से हमारी बहनों को प्रेरणा लेने की जरूरत है, शास्त्र के साथ शस्त्र का ज्ञान भी लेने की जरूरत है क्योकि आज समाज मे आपका अहित करने दानव हर तरफ मौजूद है ऐसे में माँ भवानी तब प्रसन्न होंगी जब आप शस्त्र का ज्ञान ले कर ऐसे दानवों को पराजित करने के योग्य बनेंगी। माता तब आपको अपना आशीर्वाद देंगी जब आपके हाथों में डांडिया की लकड़ी नही अस्त्र-शस्त्र से शोभित होंगे।

कार्यक्रम में कार्याध्यक्ष हरेराम पोद्दार, रामविनोद सिंह, ललेश सिन्हा, सीमा सिंह, अमन सिंह, रवि रंजन, कुणाल चक्रवती, दिवेश कुमार, प्रिया सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पट खुलते ही माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बोकारो(बिभा) : शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा के अवसर पर माता का पट खुलते ही मां दुर्गा का आकर्षक प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नवरात्र पूजा को लेकर नगर के विभिन्न सेक्टर में बनाए गए भव्य पूजा पंडाल को रंगीन बल्बों के साथ आकर्षक ढंग से सजाया गया है। नगर के वैशाली मोड सेक्टर 9, सेक्टर 2 सी, सेक्टर 12 ए,सेक्टर 9 ए गायत्री मैदान, पटेल चौक पूजा पंडाल, सेक्टर 4 एफ पूजा पंडाल, इस्पात नगर पूजा पंडाल सेक्टर 4 डी, कैंप 2, सेक्टर 9बी दुर्गा मंदिर, सेक्टर 8 स्थित कालीबाड़ी मंदिर, सेक्टर 8 राय चौक, राम मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर व दुर्गा पूजा पंडालों में पुजारी के मंत्रौच्चारण व दुर्गा उपासना चंडी पाठ की गुंज से पूरा वातावरण भक्तिमय उठा है। इस अवसर पर नगर के विभिन्न सेक्टरों समेत विभिन्न गांव में कई लोग अपने घरों में भी स्वयं या पंडित के सहयोग से सस्वर और चंडी पाठ कर रहे हैं। नगर के 4जी शीतला मंदिर, जगन्नाथ मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर, सेक्टर 2 डी काली मंदिर, सेक्टर 3 थाना मोड़ दुर्गा मंदिर, कोऑपरेटिव कॉलोनी स्थित काली मंदिर, चेक पोस्ट श्री दुर्गा मंदिर, साहू मार्केट का दुर्गा मंदिर, कुलदीप टॉकीज स्थित जय माता दी ज्वाला मंदिर, रामनगर कॉलोनी, शारदा मंदिर, माराफारी चंचली देवी मंदिर में माता का पट खोलते ही माता का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड़ पडी। पुष्पांजलि देने के क्रम में डाक की आवाज के साथ ही भक्त श्रद्धालु बरबस पूजा पंडाल में खींचे चले आ रहे है।

जैप 4 मंदिर परिसर मे माता के भव्य जागरण का आयोजन

बोकारो(बिभा) : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो वाहिनी परिसर मंदिर में दुगार्पुजा के शूभ अवसर पर भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इस जागरण में अनेक जिलो के कालाकार ने अपने मधुर स्वर से सभी भक्त जनो को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पुरा वातावरण माँ के जयकारा से मंगलमय हो गया। हर तरफ भक्ति की असीम गंगा का पदार्पण होने लगा। बता दे कि इस जागरण का आयोजन झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन एवं मेन्स एसोसिएशन के तरफ से कराया गया। इस अवसर पर मुकेश कुमार, भापुसे, समादेष्टा, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल-सह-झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो द्वारा दीप प्रज्वलित कर जागरण कार्यक्रम का शुभ आरम्भ किया गया। मंदिर प्रांगण में माता के अपार भक्तो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर पुलिस एसो० के पदाधिकारी अरूण कुमार सिंह (अध्यक्ष), सुर्यदेव सिंह (मंत्री), रामभवन सिंह, नन्दलाल राम, अशोक कु० शर्मा एवं पुलिस मेन्स एसोसिएशन के पदाधिकारी अमित कुमार तिवारी (अध्यक्ष), मुन्ना सिंह (कोषाध्यक्ष), विष्णु उराँव (मंत्री), मानिक चन्द्र उपाध्याय, सुनील कुमार, संजय कुमार गण, बिक्रम महतो, रौशन कुमार गौतम,ओम प्रकाश राय, जयन्त कुमार, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के एसो० के पदाधिकारीगण के साथ-साथ वाहिनी परिवार के सभी सदस्यो एवं आस-पास के ग्रामीण जनता लगभग हजारों की संख्या में मौजूद रहे।

पत्नी संग विधायक ने की नौ कन्या पूजन

बोकारो(बिभा) : शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण धर्मपत्नी नीना नारायण के साथ सपरिवार सेक्टर 1 स्थित आवास में पूरे विधि-विधान के साथ परंपरागत कन्या पूजन किया। उन्होंने मां भगवती के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव की पहले पूजा-अर्चना की, उसके बाद अपने हाथों से भोजन करा कर दक्षिणा के साथ उनकी विदाई किए। इस अवसर पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि मातृशक्ति की आराधना हमारे देश की संस्कृति है। इसीलिए नवरात्र के नवें दिन कन्या पूजन का विधान है।

रोटरी क्लब द्वारा विभिन्न पूजा पंडाल के अच्छे कार्य के लिए सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

बोकारो(बिभा) : विगत सत्रह वर्षों की भांति इस वर्ष भी रोटरी क्लब चास द्वारा चास-बोकारो के शहरी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ दुर्गा पूजा समितियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा । रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनोद चोपड़ा ने कहा की अच्छे कार्य की प्रशंसा और प्रोत्साहन जरूरी है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा की शहर में अत्यंत धूमधाम से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। पूजा समितियां एवं उनके कार्यकताओं के अथक प्रयास का परिणाम है कि इतनी भव्य पूजा लोगों को देखने मिलती है। ऐसे में समाज का दायित्व बनता है कि पूजा समितियां को प्रोत्साहन हेतु पुरुस्कृत किया जाए। संजय बैद ने कहा कि इससे और बेहतर करने का उनका मनोबल बढ़ता है। कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र सिंह ने कहा की अलग-अलग श्रेणियां रखी गई है, जिनके अनुसार पूजा पंडाल को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। नरेंद्र सिंह ने बताया की सर्वश्रेष्ठ पंडाल, सर्वश्रेष्ठ मूर्ति साज-सज्जा,सर्वश्रेष्ठ विद्युतीकरण, सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा व्यवस्था, सर्वश्रेष्ठ साफ सफाई, इनके अलावा ओवरऑल चैंपियन आदि पुरस्कार दिए जाएंगे। चास रोटरी क्लब के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया की एक समारोह आयोजित करके पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा।

स्वच्छता पखवाड़ा के 13 वे दिन आद्रा मंडल में गहन सफाई कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो(बिभा) : स्वच्छता पखवाड़ा, जो 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक चल रहा है, के अंतर्गत विभिन्न सफाई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें रेलवे ट्रैक, स्टेशन और जल निकायों, रेलवे आवसीय परिसरो, जल निकयो, आदि की गहन सफाई की गई। रेलवे प्रशासन की ओर से सभी यात्रियों और आम जनता से अपील की जाती है कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। कृपया रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में शौचालयों का उचित उपयोग करें और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें। आपके सहयोग से हम स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

टेलर की चपेट मे आने से 56 वर्षीय वृद्ध की हुई मौत

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र के एन एच 32 के उकरीद मोड साइकिल सवार 56 वार्षिय रजनीकांत यादव टेलर की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई । मृतक के बेटे अंकित कुमार ने बताया कि पापा गाय दुहने का काम करते थे रोज की तरह आज दूध लेकर सुधा डेयरी गए हुए थे । अचानक हमें सूचना मिली पापा का एक्सीडेंट हो गया है वहीं सिटी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेलर सहित चालक को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एन एच किया जाम मृतक बारी कोऑपरेटिव खटाल में रहकर अपने पांच बच्चों के साथ जीवन यापन करते थे स्थानीय लोगों ने मुआवजा की मांग को लेकर एनएच 32 किया जाम।

चेन छिनतई के मामले में धनबाद से चार महिला समेत दो पुरुष गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो : शुक्रवार सुबह चास थाना अन्तर्गत धर्मशाला मोड़ स्थित जगदम्बा मंदिर के प्रांगण में एक वृद्ध महिला के गले से सोने का चैन छिनतई की घटना हुई. जिसमें मंदिर में उपस्थित लोगो के द्वारा कैलाश कृष्णा उम्र 47 वर्ष पिता कृष्णा मुदालियार सा० साउथ नालडांगा थाना बेंडिल प० बंगाल नामक व्यक्ति को पकड़कर चास थाना को सूचना दिया गया। तत्पश्चात कैलाश कृष्णा को अपने कब्जे में लेकर पूछतछ किया गया तथा उसके बताए अनुसार चास थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए धनबाद जिला स्थित कोलफील्ड होटल में छापामारी कि गई जहा पता चला कि उक्त घटना में शामिल चार महिला तथा एक पुरुष सफेद रंग का स्कॉर्पियो वाहन निबंधन सं० डबल्यू बी 16 बीके -8553 से बोकारो के तरफ प्रस्थान किये है।

तत्पश्चात छापामारी दल द्वारा उक्त वाहन का पीछा किया जाने लगा तथा चास ब्लॉक के सामने मुख्य सडक पर एंटी क्राईम चेकिंग के क्रम में उक्त स्कार्पियो को रोककर उसका चेंकिंग किया गया। इस क्रम में उसमें सवार चार महिला तथा चालक को पकड़ लिया गया एवं उन लोगों के कब्जे से दो सोने जैसा दिखने वाला चैन, छोटा चैन कटर एवं 5 मोबाईल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त में कैलाश कृष्णा उम्र 47 वर्ष पिता कृष्णा मुदालियार सा० साउथ नालडांगा थाना बेंडिल जिला हुबली प० बंगाल, शिबेन राय उम्र 30 वर्ष पिता गोपालचन्द्र राय सा० 2 नम्बर कपास डंगाल थाना चिनसुरह जिला हुगली पश्चिम बंगाल एवं चार (04) महिला. छापामारी दल मे पु०नि० सह थाना प्रभारी चास खुर्शीद आलम, महिला थाना प्रभारी चास पु०अ०नि० सुनिला लिण्डा, पु०अ०नि० मुकेश दयाल सिंह, स०अ०नि० लाल बाबु रजक, एवम स०अ०नि० नीना कुमारी, सशस्त्र बल सहित मौजुद रहे।

नए सिरे से गठित होगी मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी, 16 को मनेगा कोजागरा महोत्सव

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो में मिथिला-मैथिली भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा रविवार को परिषद द्वारा संचालित सेक्टर 4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के पूर्व महासचिव एवं बीएसएल के सेवानिवृत्त वरिष्ठ सतर्कता पदाधिकारी सतीशचंद्र झा ने की। बैठक के दौरान सांगठनिक सशक्तिकरण, संस्थाहित तथा विद्यालय के उत्थान में आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही ध्वनिमत से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने परिषद, मिथिला समाज तथा विद्यालय के हित में उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात सर्वसम्मति से परिषद की वर्तमान कार्यकारिणी समिति के गठन को इसलिए अमान्य घोषित किए जाने

का प्रस्ताव पारित किया गया। आमसभा की बैठक में परिषद के वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर द्वारा विद्यालय में हुई कथित वित्तीय अनियमितता के उठाये गए मामले की जांच को लेकर पांच सदस्यीय एक समिति के गठन का प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें अध्यक्ष सतीश चंद्र झा सहित सुदीप कुमार ठाकुर, डीके ईश्वर, दिलीप कुमार झा एवं जयप्रकाश चौधरी शामिल किए गए।

इसके साथ ही उक्त सभी निर्णयों के अनुमोदन एवं अन्य विषयों पर विचार-विमर्श को लेकर के परिषद की अगली आमसभा आगामी 20 अक्टूबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा आगामी 16 अक्टूबर को मिथिलांचल का प्रमुख पारम्परिक त्योहार कोजागरा महोत्सव मनाने का निर्णय भी लिया गया, जिसके लिए 10 सदस्यों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का भार अरुण पाठक को दिया गया। इसके पूर्व, बैठक के आरंभ में परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने आमसभा में उपस्थित सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पीठासीन पदाधिकारी मंडल के संयोजक विजय कुमार झा ने बैठक का विषय-प्रवेश कराया, वहीं वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर ने विद्यालय प्रबंधन समिति की कथित वित्तीय गड़बड़ी को आमसभा के पटल पर प्रस्तुत किया।

बीएसएल में होगी 19 अक्टूबर ऐतिहासिक हड़ताल

बिभा संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ नें बोकारो इस्पात संयंत्र में 19 अक्टूबर 2024 को आयोजित होने वाले हड़ताल को लेकर अपना पक्ष रखा । पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष हरिओम ने बताया कि प्रबंधन पहली बार कर्मचारियों के विशुद्ध हड़ताल को लेकर डरी हुई है । उसी के कारण कर्मचारियों में भय का वातावरण बैठाने के लिए, मशाल जुलुस में शामिल होने पर कुछ कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया । जबकि यूनियन तथा कर्मचारियों ने किसी भी नियम का उल्लंघन नही किया था । भारतीय संविधान मे प्रदर्शन का अधिकार मौलिक अधिकार की श्रेणी में आता है । अपनी माँगो के लिए बीएसएल कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया था । बीएकेएस यूनियन तथा बीएसएल कर्मचारियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया था न कि एडीएम के भीतर डायरेक्टर इंचार्ज के कमरे में ।पुर्व में एटक नेता अनिरुद्ध, ए के अहमद आदि के मामले में 2007 में दर्ज केस के मामले में प्रबंधन बोकारो कोर्ट में केस भी हार चुकी है । वही राजेंद्र सिंह, बिरेंद्र चौबे, रामाश्रय सिह, बीडी प्रसाद बीएसएल के कर्मचारी नही है फिर भी पिछले दिनो प्लांट के भीतर गोल चक्कर पर जाकर किस हैसियत से प्रदर्शन किए थे तथा संयंत्र के कर्मचारियों तथा अधिकारियों से गाली गलौज भी किए थे । बदले की भावना के तहत की गई कारवाई मे कई बीएसएल अधिकारी रिटायरमेंट के बाद भी कोर्ट का चक्कर लगायेंगे ।

पुर्व में बीएसएल के ऑफिसर एशोसिएशन तथा यूनियनो ने हॉट स्ट्रीप मिल सहित कई विभागो को बंद करवाया था , उस पर आज तक बीएसएल प्रबंधन ने कोई कड़ा कदम नही उठाया ।

अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि हमारी यूनियन अपने प्रत्येक सदस्य का मामला कोर्ट में लड़ेगी क्योकि एक भी सदस्य की परेशानी को बीएकेएस में यूनियन की परेशानी समझा जाता है ।

हड़ताल की तैयारी पर यूनियन महासचिव दिलीप ने बताया कि कर्मचारियों का भारी समर्थन यूनियन तथा पदाधिकारियों को मिल रहा है ।

कर्मचारी हड़ताल में शामिल होने के लिए खुद संकल्प तथा शपथ ले रहे है । कंपनी के सभी अधिकारी मैनेजर है मालिक नही , वही सभी कर्मचारी है , नौकर या गुलाम नही।

हमारी यूनियन कई मामले को कोर्ट में ले जायेगी चाहे वह कर्मचारियों का मामला हो या अधिकारियों के निजी भ्रष्टाचार का , क्योकि अब यह निजी लड़ाई बन चुकी है ।

रावण दहन एवं स्थानीय कलाकारों के संस्कृतिक कार्यक्रम के साथ दुगार्पूजा संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र खैराचातर में विजयदशमी के दिन रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने इसका मजा लिया। रावण दहन कार्यक्रम का शुभारंभ कसमार के अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, तथा स्थानीय मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने किया । इस दौरान खैराचातर के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में पहली बार रावण दहन का कार्यक्रम विजयादशमी के उपलक्ष में किया गया है जो सराहनीय है। तथा स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि विजय दशमी के दिन ही भगवान

रामचंद्र ने रावण पर विजय पाई थी, इसलिए इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। जो कि बुराई, अहंकार, अत्याचार और अधर्म पर धर्म, सत्य और न्याय की विजय का प्रतीक माना जाता है।

इससे पूर्व खैराचातर पूजा कमेटी के द्वारा स्थानीय कलाकारों का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कमेटी के अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल ने स्थानीय मुखिया विजय कुमार

जायसवाल सचिव सुनील कपरदार के साथ संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रुप डांस ,गीत संगीत ने समां बांध दिया। इस दौरान श्वेता जायसवाल ,आभा कुमारी, तन्मय दत्त ,अरनव राय, वर्षा कुमारी, अक्षिता कुमारी ,तृषा कुमारी गौरव मनीष, मनीषा अर्नव, वर्सा, नेहा, श्रकेश चौबे आदि का नृत्य सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत शिक्षक निशाकर दे के द्वारा भारत के राष्ट्रपति मान्य द्रोपति मुर्मू

के साथ प्रीतम सागर के मुलाकात करने पर तथा जैक बोर्ड में जिला की टॉपर सिवानी जायसवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार जायसवाल ने किया। इस दौरान पूजा कमेटी के रामलाल कुमार ,मनीष गौतम, अमितेज कुमार, कुमार गौरव ,गौतम सागर ,रणधीर कुमार ,विजय कुमार जायसवाल, सुनील कपद्दार, रंजीत कुमार, रुपेश जायसवाल, अमित कुमार, आनंद दे आदि उपस्थित थे।

कर्ण समाज के विस्तारीकरण को लेकर की गई बैठक

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास के होटल यमुना में कर्ण समाज की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अनिल कुमार कर्ण की अगुवाई में की गई कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर श्री चित्रगुप्त जी महाराज की वंदना से की गई तदोपरांत दिवंगत आत्मा भूपति लाल दास ,भारत के गौरव रतन जी टाटा व अन्य के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई । वही कर्ण समाज की बैठक में कर्ण समाज के विस्तारीकरण को लेकर जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए। कर्ण समाज की सभा में आए हुए सभी लोगों ने अपने अपने राय मशवरा भी दिए । इस कार्यक्रम में कर्ण समागम के नियमावली आगामी कार्यक्रम पर विचार संगठन के निबंध एवं अन्य प्रमुख मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया वहीं इस कार्यक्रम के अध्यक्ष अनिल कुमार कर्ण धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रभारी रंजन कुमार कर्ण एवं उप महासचिव अमरनाथ लाल दास द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासचिव मिहिर चंद्र कंठ कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कंठ , सिद्धेश नारायण लाल दास, संरक्षक विजय शंकर मल्लिक, सीताराम मल्लिक ,डी पी सिन्हा, बी एल डी रमन ,परिणव कुमार, संजय कर्ण ,राजीव कंठ, ऐ के कर्ण,राजेंद्र नारायण मल्लिक एवं अन्य वरिय सदस्य उपस्थित रहे ।

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दुर्गा पूजा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में 61 स्थान पर दूर्गा पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें कुछ सार्वजनिक रुप में किया गया तो कहीं परम्परागत रीति-रिवाज से किया गया। जिसमें खूंटी जिले में सबसे पहला पूजा जरियागढ़ गाँव में तीन सौ वर्ष शुरू किया गया था । उसके बाद चौधरी मुहल्ला, हरि मंदिर एवं अन्य स्थानों में पारम्परिक दूर्गा पूजा किया गया। इसके अलावे सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति बनाकर काफी मनोरंजक तरीके से पूजा अनुष्ठान किया गया। जिसमें सुंदर से सुंदर पण्डाल का निर्माण व प्रतिमा विराजित किया गया था। जिसमें खूँटी तोरपा मुरहू, कर्रा , रनिया, अड़की, गोविंदपुर, डोड़मा, सुंदारी, लोधमा आदि अनेक गाँवों में दुगार्पूजा का आयोजन किया गया। वहीं परम्परागत रीति-रिवाज से पूजा किये जाने वाले प्रतिमा को विजयादशमी के दिन ही विसर्जन किया गया। जबकि कई जगहों के सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा विराजमानित प्रतिमा को रविवार को विसर्जन किया गया। जो प्राचीन काल से होते आ रहा दुर्गा पूजा पर विजयादशमी के साथ ही परम्परा को निर्वहन करते हुए ग्रामीणों के साथ मिलकर जलाशयों में मां भगवती दशभुजी माँ दुर्गा को विदायी देकर उनके प्रतिमा को जल में प्रवाहित कर विसर्जन किया गया।

हरि मंदिर में दुगार्पूजा उत्सव का 80 वर्ष पूरा

खूँटी । जिले के एकमात्र बंगाली परम्परा के साथ दुगार्पूजा उत्सव एक मात्र हरि मंदिर में मनाया जाता है । जहाँ इस वर्ष 80वाँ दुगार्पूजा मनाया गया। वहीं महिलाएँ विजयादशमी पर माँ भगवती देवी दुर्गा की पूजा के लिए मंदिरों में पहुँचे व पूजा अर्चना की। लोग थाली में पूजा सामग्री के साथ अपराजिता की लता अर्पित की। ढाँक बाजा के साथ महाआरती की गयी। पूजा अर्चना के पश्चात एक दूसरे को शुभकामना देते हुए माँ से प्रार्थना किया गया कि आनेवाले वर्ष में भी आप हमारे यहाँ आइएगा माँ। इस प्रकार, बेटी के रूप में मां दुर्गा को विदायी दिया गया। तत्पश्चात सिंदूर दान देकर सिन्दूर खेला किया गया। एक दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा का समापन किया गया। जिसमें बंग परिवार के सारे लोग उपस्थित रहे।

खूँटी के रावण दहन कार्यक्रम को लाखों लोगों ने सराहा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लाखों श्रद्धालु दर्शन करने व पण्डाल की सुंदरता के लिए दूर दराज से खूँटी पहुँचे। इस विजयादशमी दशहरा मेला के साथ महादेव मंदिर के समीप मैदान में रावण दहन किया गया। क्लब के के बीके की अगुवाई में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष चंद्रमोहन रायपद पहुंचे। जिन्हें लाखों लोगों के बीच आये अतिथियों का के के बीके क्लब ने पट्टा व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान श्रीराम व लक्ष्मण के साथ मुख्य अतिथि चंद्रमोहन रायपद ने रावण विशालकाय पुतला पर तीर चलाकर रावण दहन किया। वहीं पटाखों , पुआल, कागज गत्ता, लकड़ी बाँस से बना 65 फीट का पुतला धू-धू करके जल गया। जिसे देखने एक लाख से अधिक लोग पहुँचे। बतौर मुख्य अतिथि श्री रायपद ने कहा कि रावण दहन व्यक्ति की नहीं विचारधारा का दहन है। पाप और अत्याचार का दहन है इसलिए सभी पापाचारों को अपने हृदय से निकालकर दहन कर दें और सच्चरित्रवान बन समाज और देश की रक्षा करें। वहीं कार्यक्रम में के के बीके क्लब ने लोगों के मनोरंजन के लिए नागपुरी सांस्कृतिक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस रावण दहन कार्यक्रम में डीएसपी वरुण रजक, अंचलाधिकारी शिशुपाल आर्य, मेजर सोनाराम सोरेन, आरएसएस के प्रांतीय अधिकारी शशि पांडेय, विहिप जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल, प्रियांक भगत, पूर्व सांसद प्रतिनिधि व बाबा आम्रेश्वर धाम के महामंत्री मनोज कुमार, मुकेश जायसवाल, ज्योतिष भगत, गिरीश भगत, जयंत स्वर्णकार विशाल कुमार सहित लाखों लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के-के बीके के अध्यक्ष की अगुवाई में सारे कार्यकताओं ने सहयोग किया।

जरियागढ़ के दुर्गा पूजा पर दसईं मेला पर जनजातीय परम्परा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले का जरियागढ़ गांव राजतंत्र काल के नागवंशी रियासत का गाँव रहा है। जहाँ विगत तीन सौ वर्षों से जरिया गढ़ में होता आ रहा दुर्गा पूजा का परम्परा आज भी बरकरार है। जहाँ मदरा मुण्डा से जुड़ी नागवंशी परिवार का इतिहास पर कायम नागवंशी शासन में मुण्डा परम्परा आज भी जीवित हैं। जो कि विजयादशमी के दिन दसईं मेला में मांदर, घंटा, झांझ के साथ नाचते गाते और खुशी? मनाते हैं। यह मान्यता है कि माँ भगवती दशभुजी दुर्गा राक्षसों का नाश करने वाली महिषासुर मर्दिनी ने महिषासुर वध करके ग्रामीणों की रक्षा की थी। और जैसे ही महिषासुर का वध हुआ तभी से ही जनजातीय समुदाय के लोग उनकी रक्षा की खुशी में पारम्परिक वेशभूषा पहनकर नाचते गाते हैं। वहीं विश्वास और आस्था को मानते सरना सनातन के बीच नागवंशी राजपरिवार की अगुवाई में प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा होता है। इस प्रकार माँ दुर्गा की नाचते गाते माता की विदाई दी गयी। जिसके पश्चात लाल विजय नाथ शाहदेव ने उनके साथ मांदर बजाकर खुशी जाहिर की और सभी को दसईं की शुभकामनाएँ दी। मौके पर महिला हो या पुरुष सभी ने मांदर की थाप पर अपनी आस्था और खुशी जाहिर की। लाल विजय नाथ शाहदेव ने बताया कि अभी तो भैंसा की बलि नहीं दी जा पाती है। जब पहले भैंसा की बलि चढ़ती थी तो लोग उसके रक्त पर नाचते थे। रौंदते थे। पैर लाल हो जाता था। लेकिन जीवन की रक्षा करनेवाली माँ की पूजा पर दशहरा के दिन नाच गान आज भी बरकरार है। इस दौरान विजय नाथ शाहदेव ने जरिया गढ़ में जनजातीय समुदाय के सभी लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान, लाल सतेंद्र नाथ शाहदेव, नटवर मिश्रा, भूने सिंह, बंगा भगत , करुणाकर मिश्रा, मुनिनाथ मिश्रा , अजय पाढ़ी, अनिल प्रसाद, जगन्नाथ साहू, लखन सिंह, राहुल केशरी सहित गाँव व अन्य गाँवों के पाहन व प्रधान सहित अनेक लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

सरकार से मांगों को लेकर लांदुप पंचायत के ग्राम प्रधानों ने की योजना बैठक

खूँटी(बिभा) । प्रखंड क्षेत्र के लांदुप पंचायत के दुलमी गाँव में रविवार को गोवर्धन सिंह मानकी अध्यक्षता में पंचायत स्तरीय ग्राम प्रधानों की बैठक की गयी। इस बैठक में ग्राम प्रधानों की समस्या व व्यवस्था पर चर्चा की गयी । इस दौरान सरकार के द्वारा सम्मान नहीं मिलने की बात कही गयी। वहीं पेशा कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो पायी है जिसे लागू कराने पर चर्चा की गयी। साथ ही , बताया कि जो भी ग्राम प्रधानों का देहांत हो गया है उनके वंशजों को ग्रामसभा करके ग्राम प्रधान बनाने की प्रथा लागू करने के व्यवस्था पर चर्चा की गयी। वहीं गोर्वधन सिंह मानकी ने कहा कि पंचायतीराज की व्यवस्था में ग्रामसभा महत्वपूर्ण होता है। लेकिन पेशा कानून का ताकत को कानूनी जामा सरकार नहीं पहना रही है। जिसके कारण केवल सरकारी मुलाजिम ही गाँवों के विकास का जिम्मा ले लिया है। जबकि कानून व्यवस्था यह कहता है ग्राम प्रधान की अगुवाई में गाँवों का विकास करना कानूनी अधिकार है। मौके पर , कातुद के ग्राम प्रधान जोहन मुण्डा ने कहा कि सरकार द्वारा बढ़ोतरी किया गया राशि को यथाशीघ्र लागू कराए। मालगुजारी वसूल करनेवाले ग्राम प्रधान को दो हजार रुपए देने का प्रावधान है लेकिन यहां एक हजार रुपए ही दिया जाता है। यह अनुचित है। इस बैठक में बांडी का मनसा मुण्डा, सिरुम के मसीहदास हस्सा, कातुद के जोहन नाग, जोजोहातु के कुदनाथ मानकी, गुडुबुरु के दुर्गा मुंडा , बिचागुटू के बुधराम मुण्डा, लांदुप के पदमलाल सिंह मानकी, दुलमी के ग्राम प्रधान प्रितम हस्सा सहित सभी 25 गाँव के ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

नशे की हालत में बिरहू पतराटोली में चली गोली, बाल-बाल बचा युवक

खूँटी(बिभा) । बिरहू पतराटोली में शुक्रवार को गोली चलने से एक युवक बाल-बाल बच गया। जो कि नशे में धुत व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति पर गोली चला दी थी। यह मामला बिरहू पतराटोली का है। मिली जानकारी के अनुसार, मेहमान के रुप में पतराटोली में रह रहे मुरहू प्रखण्ड के बंधना प्रधान का पुत्र डाहु प्रधान अपने जीजा बीतन प्रधान के घर रहकर मजदूरी करता था। मामला शुक्रवार को पतराटोली निवासी स्व लाधु हस्सा का पुत्र लक्ष्मन हस्सा के साथ आपसी मतभेदता बढ़ी। जो कि लक्ष्मन हस्सा के बारी का लौकी चोरी से मामला उठा और गोली पर उतर गयी। लोगों के अनुसार शुक्रवार को लक्ष्मण हस्सा लौकी चोरी के मामले पर बंधना प्रधान के साथ नशे की हालत में कहा सुनी हो गयी और उसे पीट दिया। वहीं डहु प्रधान ने घर से अग्नेयास्त्र निकालकर लक्ष्मण पर पीछे से गोली चला दी। लेकिन गोली चलने से पहले ही उसने झटका दिया तो गोली कंधे को छूकर निकल गयी। जिससे लक्ष्मण बाल-बाल बच गया। पुलिस को जानकारी मिली तो बिरहू पतराटोली स्थित घटनास्थल पर पहुँची लेकिन तब तक गोली चलानेवाला युवक फरार हो गया। पुलिस जिसकी तलाश कर रही है। वहीं युवक के पास पिस्टल कहाँ से आया और इसका तार कहां से जुड़ा है इसपर कई तरह से मामले को पुलिस छानबीन करने लगी है।

शक्ति स्वरूपा महिषासुर मर्दिनी माँ दुर्गा पर किया गया लीला मंचन

खूँटी(बिभा) । दुर्गा पूजा के अवसर पर ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के खूँटी शाखा द्वारा माँ दुर्गा के पापनाशिनी शक्ति स्वरूपा का लीला मंचन किया गया। इस दौरान महिलाओं व युवतियों ने मां दुर्गा, सरस्वती, महालक्ष्मी आदि का रुप धारण कर महिशासुर का मर्दन मंचन प्रस्तुत की। इस मंचन के दौरान अत्याचार, महिला उत्पीड़न व बाल हत्या जैसे पापों से मुक्ति और अपने अंदर छिपे राक्षसी प्रवृति का नाश करने का जानकारी दिया गया। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की अंजिता बहन की अगुवाई में कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, नेताजी चौक खूंटी के लक्की ड्रा परिणाम

खूँटी(बिभा) । सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, नेताजी चौक खूंटी द्वारा दुर्गा पूजा सहायतार्थ आयोजित विशेष इनामी योजना (सहयोग राशि मात्र 1000) का ड्रा विजयदशमी के शुभ अवसर पर पूजा पंडाल परिसर में निकाला गया। ड्रा का परिणाम इस प्रकार है, प्रथम पुरस्कार- 701,द्वितीय पुरस्कार- 167, तृतीय पुरस्कार- 198, चतुर्थ पुरस्कार(तीन व्यक्तियों को) 586, 644, 288, पंचम पुरस्कार (तीन व्यक्तियों)- 710, 619, 470, सांत्वना पुरस्कार (पांच व्यक्तियों को) 383,128, 563, 258, 450 है। ड्रॉ के दौरान समिति के संयोजक ज्योतिष भगत, संजय मिश्रा, संरक्षक कृष्णानंद तिवारी, जितेंद्र कश्यप,मनोज कुमार अध्यक्ष नकुल भगत, महामंत्री लव चौधरी, अशोक अग्रवाल, राजेश्वर गुप्ता, आनंद कुमार, दामोदर प्रसाद, नीरज चौरसिया, विक्की गुप्ता, दीनानाथ गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे। संचालन कुमार सौरभ और मंटू जायसवाल ने किया।

स्व मधुबाला शाहदेव की तीसरी पुण्यतिथि पर किया गया नमन

खूँटी(बिभा) । जरियागढ राज परिवार के लाल विजय नाथ शाहदेव की धर्मपत्नी स्व मधुबाला शाहदेव की तीसरी पुण्य तिथि अपने जरियागढ निवास स्थान में मनाया गया। स्व शाहदेव की आकस्मिक मृत्यु 12.10.2021 को हो गया था। वे एक सरल मृदु भाषी और धर्मप्रायण व्यक्तित्व के धनी महिला थी। स्व शाहदेव की आत्मा को सांति प्रदान हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात चित्र पर पं नटवॅमिश्रा के द्वारा विधि विधान से दीप प्रज्ज्वलित कर शुरू किया गया। सबसे पहले राज परिवार के लाल बिजय नाथ शाहदेव ने चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित किये उसके बाद आस पास के दर्जनों गांवों के लोग बारी बारी से पुष्पांजलि अर्पित किये। वंही स्व शाहदेव के पति लाल बिजय नाथ शाहदेव ने कहे की आज वो परम धाम को वापस लौट गई। लेकिन बीते हुए पल सुकृत्य यादगार को मेरा परिवार भूल नहीं सकते। मौके पर आये हुए सभी ग्रामीणों को खीर और पुड़ी का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों को वस्त्र भी दिया गया मौके पर सत्येंद्र नाथ शाहदेव, उदय नाथ शाहदेव, धीरेंद्र नाथ शाहदेव, नटवर मिश्रा, पंचानंद दास , मुरली धर मिश्रा , अजय पाढ़ी, करुणाकर मिश्रा, रूपेश दास, बिनोद महापात्र, भूषण महाराणा, मधु साहू, रामलखन सिंह, बिंदेश्वर सिंह, बिरेंद्र सिंह, राहुल केसरी, नंदकुमार सिंह, अनिल प्रसाद, मधुसूदन सिंह, मनोज सिंह, अजीत सिंह, जगरनाथ साहू, बिरेंद्र साहू, भद्र साहू, बंगा भगत, सुखराम होरो, बहुरण पाहन, बिरसा पाहन, रामा साहू सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थित थे।

जमीन हड़पने के मामले पर मसीह चरण को पुलिस ने भेजा जेल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जमीन हड़पने के मामले पर खूँटी पुलिस ने पीएलएफआई के पूर्व सदस्य के रुप में प्रचलित रहे मसीह चरण पूर्ति उपाख्य मसीह मुण्डा तथा विमल मुण्डा को खूँटी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जिनके विरुद्ध विगत एक अगस्त को सिलादोन निवासी दिनेश बड़ाईक द्वारा खूँटी थाना में लिखित आवेदन दिया गया था। जिसमें उनके द्वारा मसीह चरण पूर्ति उर्फ मसीह मुण्डा एवं विमल मुण्डा उर्फ विमल पाहन तथा अन्य के विरूद्ध ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर ग्राम डुमरदगा स्थित अपने पुस्तैनी जमीन को हड़पने की नियत से कब्जा करने तथा मना करने पर जान मारने की धमकी दिये जाने की बात बताई गयी थी। जिस संदर्भ में खूँटी थाना में सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के दौरान अभियुक्त मसीह चरण पूर्ति उर्फ मसीह चरण मुण्डा पिता-स्व० जोसेफ पूर्ति सा०-सृजन बंदगाँव, थाना-बंदगाँव, जिला-पश्चिमी सिंहभूम एवं विमल मुण्डा उर्फ विमल पाहन पिता-स्व० सुरा पाहन उर्फ सुराय मुण्डा सा०-डुमरदगा, थाना जिला-खूँटी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि जिन्होंने पूछ-ताछ के दौरान इस कांड में अपनी-अपनी संलिप्तता की बात स्वीकार की है। साथ ही अन्य जगहों पर भी जमीन संबंधी कार्यों में ग्रामीणों को बरगला कर ग्रामीणों की आड़ में अवैध रूप से पैसा लेने की बात स्वीकार की है। इस छापामारी दल में पु०अ०नि० नितेश कुमार गुप्ता, पु०अ०नि० जीतेन्द्र कुमार, आ0/258 रौशन कुमार शर्मा, आ0/147 भानू प्रताप सिंह, आ0/307 मतु टुडू आदि शामिल थे।

कोचे मुण्डा ने धर्मपत्नी के साथ किये सामुहिक कन्या पूजन

भारत में नारी को देवी के रूप में पूजा करने की है परंपरा: कोचे

बिभा संवाददाता

खूँटी । नवरात्रि के पावन अवसर पर कर्रा प्रखंड अंतर्गत डहकेला के राजकीय मध्य विद्यालय प्रांगण प्रांगण में शुक्रवार को कन्या पूजन कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तोरपा विधायक कोचे मुंडा के साथ पत्नी शामिल हुए। सर्व प्रथम सभी बच्चियों को पैर धोकर अलता लगाया गया। फिर उनके श्रृंगार के पश्चात अतिथियों ने देवी स्वरूपा छोटी छोटी बच्चीयों को चुनरी ओढ़ाकर पूजन किये। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि भारत मे नारी को देवी के रूप में पूजा करने की परंपरा है और हमें हमेशा नारी शक्ति का आदर व सम्मान करना चाहिए। इनकी रक्षा से ही ब्रह्माण्ड की रक्षा होगी। मौके पर भाजपा के गोबिन्दपुर मंडल अध्यक्ष रामध्यान सिंह, सीमा देवी, मुसाफिर विश्वकर्मा, थाना प्रभारी राजू कुमार , दीपक तिग्गा, केशव कुमार, वासुदेव महतो, गणेश केशरी, जितनी देवी, नीलाम्बर सिंह, सुधीर सिंह, विनय गुप्ता, सतीश सिंह, शंकर दास, देवेंद्र सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

टोटो चालक से भगाकर ले जा रहे नाबालिगों को युवकों ने कराया मुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । टोटो टेम्पु से रविवार को भगाकर ले गए पाँच नाबालिग बच्चियों को डालसा के पारा स्तरीय स्वयंसेवकों ने मुक्त कराया । जो कि पारा स्तरीय स्वयंसेवक संजय हास्सा, प्रेम कुमार ठाकुर एवं अंजली कुमारी और सहयोगी व्यक्ति से प्रतिवंती इन सभी को घटना के बारे में जैसे ही सूचना मिली कि तत्काल ही मदद के लिए पहुंचे और बच्चियों से घटित घटना के बारे में पूछताछ किया गया। घटित घटना के बारे में बताते हुए सभी बच्चियों ने मिलकर यह बताई की ग्राम सिल्दा खूँटी के अपनी पाँच सहेलियों के साथ दिन के लगभग 1:00 दोपहर घर से मेला देखने के लिए निकली थी।

उन पाँच बच्चियों में शांति कुमारी (14 वर्ष) पिता भोला मुंडा, प्रिया कुमारी(16 वर्ष) पिता बंधु मुंडा, निभा कुमारी (14 वर्ष) पिता गंधुरा मुंडा, रिया कुमारी (13 वर्ष) पिता बंधु मुंडा और अंकिता कुमारी (10 वर्ष) पिता-पासा मुंडा सभी खूँटी सिल्दा के रहने वाली है। ये सभी मेला देखकर लगभग 7:08 बजे के आसपास घर जाने के लिए टोटो वाले को जोड़ा पुल तक छोड़ने को कहा। जैसे ही बच्चियाँ टोटो में बैठी टोटो चालक ने टोटो को स्टार्ट किया और ग्राम तिरला की ओर ले जाने लगा और अपने किराए के कमरा पर ले गया और बाहर से ताला बंद कर दिया। ताला बंद करने के बाद भद्दी भद्दी गालियाँ देने लगा, मारपीट भी किया और गलत करने की कोशिश भी की और अपने दोस्तों को फोन करके बुलाने की धमकी देने लगा। पर वहाँ पर कोई उसके दोस्त नहीं आए रात भर वहीं कमरे में बंद रखा उसके बाद सुबह के 3:00 बजे घर छोड़ने के नाम से टोटो में बैठाकर तिरला गांव से निकला और सारीदकेल की तरफ ले जाने लगा इस बीच हमलोगों ने शोर मचाना शुरू किया। तभी वह जबरन ले जाने लगा। इसी बीच रास्ते में उस क्षेत्र के कुछ लड़के टहलने के लिए निकले थे। उन्होंने हम लोगों को हल्ला करते हुए देखा और दौड़ते हुए आया और उस टोटो चालक को दौड़ा कर पकड़ा मारपीट किया और थाने में सूचना दिया। बच्चियों से पूछताछ के बाद उसके अभिभावकों को थाने में बुलाया गया और बच्चियों को सौंप दिया गया। उपरोक्त जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर के द्वारा दी गई। अपर्णा कुजूर ने बताया कि टोटो ड्राइवर का नाम रंथू- महतो, पिता का नाम सिकंदर महतो, ग्राम- दतिया, थाना-खूंटी, जिला- खूंटी का रहने वाला है।

हत्या के मामले में पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । खूँटी । मांसहादा थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम-सिरुम टेला-रुगुदडीह निवासी सिन्ता देवी(55 वर्ष) की हत्या मामले पर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जिसकी हत्या मामले पर अज्ञात अपराधकर्मियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। कांड की गंभीरता को देखते हुए कांड के उद्भेदन एवं घटना में संलिप्त अपराधकर्मियों के गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, खूँटी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खूँटी के नेतृत्व में विशेष जाँच दल द्वारा गहन तकनीकी अनुसंधान एवं गुप्त सूचना के आधार पर घटना में संलिप्त अभियुक्त दशाय पाहन उम्र करीब 22 वर्ष पिता-सोहराई पाहन, ग्राम सिरुम टेला-रुगुदडीह, थाना-मांसहादा, जिला-खूँटी को गिरफ्तार किया गया है। जिन्होंने पूछ-ताछ के दौरान इस कांड में अपनी संलिप्तता की बात को स्वीकार किया है। साथ ही घटना के बारे में पूछ-ताछ करने पर घटना के दिन मृतिका द्वारा अपने खेत का घास इनके खेत में पंक्ति देने, जिसे मना करने पर मृतिका द्वारा इन्हें गाली-गलौज किये जाने के कारण मृतिका की गला काट कर हत्या करने की बात बताये। गिरफ्तार अभियुक्त के निशानेदेही पर घटना में प्रयुक्त दउली तथा घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहने गये हाफ पैंट एवं टी-शर्ट को जप्त किया गया है। इस छापामारी दल में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक, थाना प्रभारी पु०अ०नि० शंकर कुमार विश्वकर्मा, पु०अ०नि० नवल किशोर दास, पु०अ०नि० मनोज कुमार यादव, एएसी एवं मांसहादा थाना सशस्त्र बल शामिल थे।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ायेंगे नोएल टाटा

आर.के. सिन्हा

रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में 'समाज सेवा' है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है।

रतन टाटा के निधन के एक दिन बाद ही उनके सौतेले छोटे भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से ही टाटा समूह परोपकारी कामों को करता है। पूरे देश की आशा है कि 76 वर्षीय नोएल टाटा अपने अग्रज के नक्शे कदमों पर चलते रहेंगे। वे नवल टाटा, जो रतन के पिता भी थे, और सिमोन टाटा के पुत्र हैं। वे टाटा ट्रस्ट सहित कई टाटा कंपनियों के बोर्ड में हैं। वह अब वे टाटा समूह के धर्मार्थ और लोक कल्याणकारी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील और टाइटन कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं। उनकी छवि रतन की तरह ही धीर-गंभीर है। वह कोई बहुत खबरों में रहना पसंद नहीं करते। वह एक कर्मयोगी की तरह काम में लगे रहना पसंद करते हैं। रतन टाटा भी तो सुर्खियों से दूर ही रहना पसंद करते थे और एक शमीर्ले अकेले व्यक्ति की सार्वजनिक छवि पेश करते थे।

रतन की तरह नोएल को भी अपने पिता नवल टाटा से बिजनेस की बारीकियों को जानने का मौका मिला। नवल टाटा भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष भी रहे। नवल टाटा ने अपने एक निकट संबंधी सुनी टाटा से शादी की, लेकिन जब रतन और उनके छोटे भाई, जिमी, अभी भी बहुत छोटे थे, तब वे अलग हो गए। नोएल की मां सिमोन हैं। वह रतन टाटा की अंत्येष्टि में मौजूद थीं। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन की कंपनी लैक्मे को स्थापित किया था। सिमोन टाटा मूल रूप से स्विट्जरलैंड से हैं। वह 1953 में जब भारत आईं तो यहां उनकी मुलाकात नवल एच. टाटा से हुई। उसके बाद दोनों शादी की। उन्होंने रतन टाटा और नोएल का पालन-पोषण किया।

बहरहाल, नोएल टाटा के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रतन टाटा की विरासत को आगे लेकर जाएं। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को दुनिया के बड़े कोरपोरेट हाउस में तब्दील कर दिया था। रतन टाटा अपने ग्रुप के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष रहे। इस दौरान टाटा ग्रुप के मुनाफे में 50 गुना वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश राजस्व विदेशों में जगुआर और लैंड रोवर वाहनों और टेटली चाय जैसे पहचाने जाने वाले टाटा उत्पादों की बिक्री से आया। रतन टाटा के नेतृत्व में उनके समूह का भारत में प्रभाव पहले से कहीं अधिक ही हुआ। दरअसल रतन टाटा उन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते थे जिनमें व्यावसायिकता, उद्यमशीलता और सभी हितधारकों के हितों को आगे बढ़ाने को लेकर एक प्रतिबद्धता का मिला जुला भाव होता है। उनके नेतृत्व में, टाटा ग्रुप ने कई चुनौतियों का सामना किया और लाभदायक विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ हर बार मजबूत बनकर उभरी। बेशक, वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सबसे सफल और सम्मानित नाम रहे।

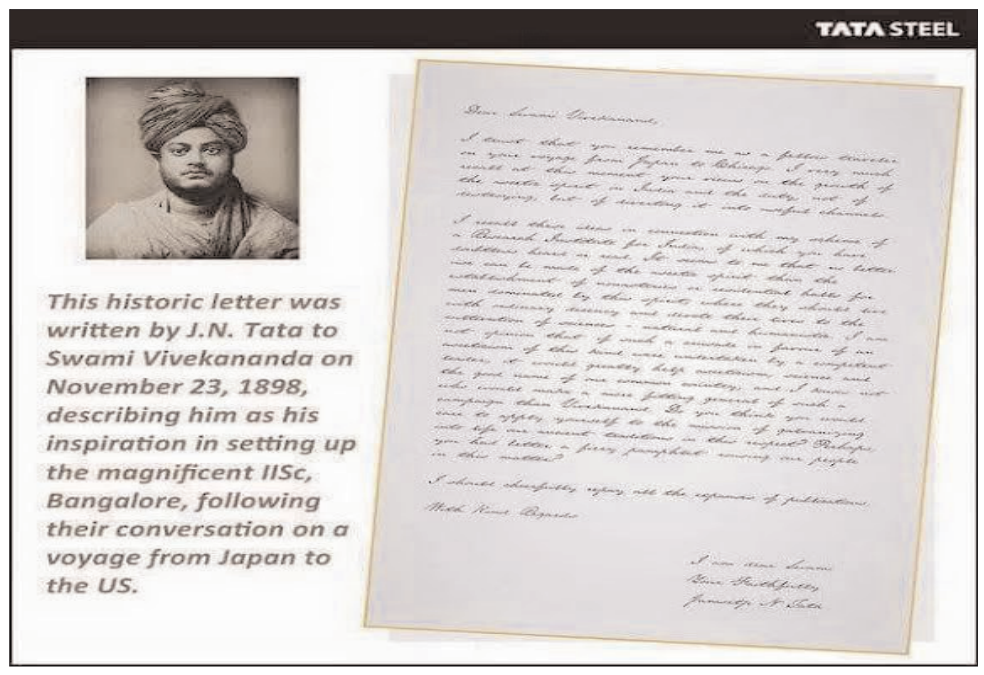

रतन टाटा ने वक्त रहते ही टाटा ग्रुप में अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर शुरू दिया था। यह तो सबको पता है कि हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े कइसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमेन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटोर के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमेन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे ही सकते हैं।

एक बात समझनी होगी कि किसी कंपनी या उद्योग समूह की सफलता का माप केवल उसके वित्तीय प्रदर्शन से नहीं होता है। कंपनी का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के प्रबंधन को ग्राहकों, कर्मचारियों, या समाज के साथ ईमानदारी बरतनी चाहिए। रतन टाटा की सरपरस्ती में टाटा समूह ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। रतन टाटा के लिए अपने ग्राहकों को संतुष्ट करना पहली प्राथमिकता रही। उनके चलते उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा में उच्च मानक रखे गए। वह अपने ग्राहकों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में यकीन करते थे। वह ग्राहकों को सुनते और उनकी जरूरतों को समझते थे।

रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में 'समाज सेवा' है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी । शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है .तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा जो 'माई डियर जेआरडी' के नाम से प्रसिद्ध है । स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि 'आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो । मेरी शुभकामना है कि और ज्यादा धन अर्जित करो और ज्यादा लोगों को रोजगार दो । लेकिन , विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो । मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे।' स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढिया संस्थान शुरू कर दिया जो आज 'इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस' के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है , या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज्यादा आईआईएस में जाना ज्यादा पसंद करते हैं।

अब नोएल टाटा को टाटा समूह के धर्मार्थ कार्यों पर फोकस देना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, आपदा राहत और कला-संस्कृति जैसे क्षेत्रों में काम करना होगा। टाटा समूह समाज सेवा में एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता रखता है। वह कई दशकों से इन कार्यों में लगातार जुड़ा हुआ है और यह प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहनी चाहिए। सारे देश को पता है कि टाटा समूह समाज सेवा के माध्यम से सतत विकास में विश्वास रखता है। इसके कार्य न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे।

टाटा समूह के धर्मार्थ कार्य देश के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान हैं। अब देश को नोएल टाटा से यह आशा है कि वह अपने समाज सेवा से जुड़े कार्यों को जारी रखेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

भरोसा बनाए रखें

पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल के करीब पचास चिकित्सकों ने इस्तीफा दे दिया है। ट्रेनी महिला डॉक्टर के रेप-हत्या की घटना के बाद न्याय की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे चिकित्सकों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया। इसके बाद राज्य के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों के कुछ वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी कहा कि वे एकजुटता दिखाने के लिए इस्तीफा दे सकते हैं। राज्य संचालित अस्पतालों के चिकित्सकों के एक संगठन का कहना है कि अगर सरकार विरोध प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों की उचित मांगों पर अपने पैर खींचती रही तो वह सरकारी चिकित्सकों से इस्तीफा देने के लिए राज्यव्यापी आह्वान के लिए मजबूर होगा। अस्पताल से दस डॉक्टरों को वित्तीय अनियमितता, यौन उत्पीड़न और धमकी की संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोपों में निष्कासित किए जाने के बाद से डॉक्टरों में गुस्सा बढ़ा है। इस मामले में मुख्य दोषी संजय राय के अलावा सीबीआई द्वारा पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को गिरफ्तार किया जा चुका है। रेप व मर्डर का मामला सामने आने के बाद इस अस्पताल में लगातार विभिन्न खुलासे हो रहे हैं जिनसे स्पष्ट हो रहा है कि यहां अराजकता, लापरवाही और आर्थिक हेराफेरी चरम पर थी। डॉक्टरों का आक्रोश नाजायज नहीं कहा जा सकता। मगर इन अनियमितताओं में शामिल किसी भी शख्स को इसलिए छूट नहीं दी जा सकती कि वह पेशे से चिकित्सक है। इस्तीफा देने को उतावले नाराज डॉक्टरों को इस हकीकत को स्वीकारना चाहिए। उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है परंतु गंभीर मरीजों और नियमित जांच के लिए आने वाले बीमारों की दिक्कतों की उन्हें अनदेखी नहीं करनी चाहिए। सीबीआई, ईड़ी और अदालत आदि अपना-अपना काम मुस्तैदी से कर रहे हैं। चिकित्सकों को इन पर विश्वास करते हुए अपना प्रतिरोध सहजतापूर्वक करते रहना चाहिए। राज्य इस वक्त दुर्गा-पूजा के उत्सव में मग्न है। बावजूद इसके इस वीभत्स घटना के प्रति उपजी निराशा और क्षोभ कम नहीं हो पाया है। सरकार को सुधारात्मक कदम उठाने में देरी नहीं करनी चाहिए। न ही चिकित्सकों को सामूहिक तौर पर ऐसे कदम उठाने चाहिए जिनसे जनता की उनके प्रति आस्था और सहानुभूति कम हो जाए। वे याद रखें कि इस घटना के बाद से समूचा देश पूरी तरह डॉक्टरों के पक्ष में है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

अब लहू-लुहान होता महाराष्ट्र

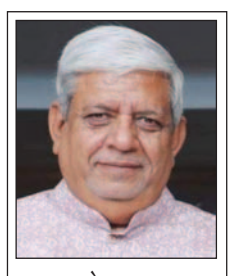

राकेश अचल

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावन की घोषणा से पहले ही महाराष्ट्र लहू--लुहान होने लगा है। मुंबई में एनसीपी [अजित पवार गट] के नेता बाबा सिद्दीकी की सरे आम गोली मरकर हत्या कर दी गयी ,हालाँकि हत्यारों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया ,लेकिन इस वारदात से पूरी मुंबई सदमे में है ,क्योंकि दशहरे पर हुई इस वारदात को सूबे के लिए शुभलक्षण नहीं माना जा रहा।

मैंने कल ही सियासत में ठण्ड रखने की बात कही थी,लेकिन मेरी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज से ज्यादा हैसियत नहीं रखती। जनता तो मोदी और मल्लिकार्जुन की आवाजों को सुनकर हलकान है। मोदी कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों द्वारा संचालित बता रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया है। । जनता किसकी बातो पर यकीन करे और किसकी बात पर नहीं ? मोदी जी सरकार हैं और खड़गे साहब विपक्ष। या तो दोनों अपनी - अपनी लक्ष्मण रेखाएं लांघकर बोल रहे हैं या फिर दोनों की बातों में दम है। जो भी तो परेशान जनता है।

हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के बाद विधानसभा चुनावों के जरिये अपने आपको प्रमाणित करने का अगला मुकाम महाराष्ट्र ही है। महाराष्ट्र हर मामले में दूसरे सूबों से अलग है। इस सूबे में देश की आर्थिक राजधानी है , फिल्मी दुनिया है और ये शहर आतंकवाद के हमलों का भी शिकार रह चुका है। यहां नबंवर 2024 में विधानसभा चुनाव होने है। सत्तारूढ़ दल शिवसेना [एकनाथ शिंदे जुट] और भाजपा के गठबंधन सरकार की दशा इस समय बहुत अच्छी नहीं है, लेकिन ये गठबंधन दोबारा सत्ता में बनने रहने के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए कमर कसककर बैठा हुआ है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या राजनीतिक कारणों से की गयी या किसी और वजह से इसका पता फौरन नहीं लगाया जा सकता । पुलिस मामले की जांच कर रही है । मौके से गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हत्या का राज देर-सवेर खुलेगा ही ,लेकिन समझा जाता है कि इसके पीछे कोई न कोई साजिश,कोई न कोई सियासत जरूर होगी ,क्योंकि बाबा सिद्दीकी तीन बार के विधायक और मुंबईमें अल्पसंख्यकों के स्थापित नेता ही नहीं थे बल्कि फिल्मी दुनिया में टूटी कड़ियाँ जोड़ने वाले नायक भी थे। वे अनेक खानों कि दोस्त भी थे।

सवाल ये है कि सियासत को अर्बन नक्सली और आतंकवादी क्यों बनाया जा रहा है ? शुरूआत मोदी जी ने की कांग्रेस को अर्बन नकसली कहकर। जबाब में खड़गे साहब ने भाजपा को आतंकवादी कह दिया। ये कड़वाहट की इंतिहा है। यदि कांग्रेस सचमुच अर्बन नक्सली पार्टी है तो सरकार दस साल से हाथ पर हाथ रखकर बैठी क्यों है। सरकार को कांग्रेस को फौरन प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। और यदि मोदी जी जल्दबाजी में कांग्रेस के बारे में गलत बात कह गए थे तो उन्हें समय रहते इसे दुरुस्त कर लेना चाहिए था। उन्होंने और उनकी पार्टी ने कांग्रेस को पहली बार अर्बन नक्सलीय नहीं कहा है। ऐसा पहले भी अनेकों बार देखा जा चुका है। लेकिन भाजपा को आतंकवादी पार्टी पहली बार कहा गया है।

भाजपाके ऊपर अभी तक साम्प्रदायिक ,हिंदूवादी ,सनातनी , अल्पसंख्यक विरोधी पार्टी होने के आरोप तो लगे हैं किन्तु आतंकवादी होने का आरोप पहली बार लगा है। हालाँकि भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस को कांग्रेस के तमाम नेता आतंकवादी संगठन अवश्य कह चुके हैं।। मुमकिन है कि दोनों दलों की और से एक -दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों में कोई दम भी हो और ये भी हो सकता है कि दोनों दल अपनी-अपनी खीज मिटाने के लिए ऐसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं। सवाल ये है कि जनता किस दल को क्या माने? एक तरफ सांपनाथ हैअन तो दूसरी तरफ नागनाथ। जनता की तो फजीहत है। जनता के मुद्दे तो इस स्थि लतियाव में बहुत पीछे होते जा रहे हैं।

पूर्व विधायक और एनसीपिनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने इस बात की आशंका और बढ़ा दी है कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव इस बार शन्तिपूर्वक होंगे भी या नहीं? 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 15 वीं बार चुनाव अगले महीने होना है। मौजूदा भाजपा शिवसेना गठबंधन ने गठबंधन में कुल 161 सीटें जीतकर विधानसभा में आवश्यक 145 सीटों के बहुमत को पार कर लिया। व्यक्तिगत रूप से बीजेपी ने 105 और सेना ने 56 सीटें जीतीं। 106 सीटों के साथ विपक्षी कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंचा। व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस ने 44 और एनसीपी ने 54 सीटें जीतीं। सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था में मतभेदों के कारण, 2019 में महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पैदा हो गया और शिवसेना ने भाजपा के नए मुख्यमंत्री का समर्थन करने से इनकार कर दिया। विधानसभा में बीजेपी ने बहुमत साबित नहीं किया. शिवसेना और भाजपा गठबंधन से अलग हो गए।

आपको याद ही होगा कि बाद में शिवसेना ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ चुनाव के बाद गठबंधन किया और इस प्रकार 172 का बहुमत हासिल किया। नए गठबंधन का नाम महा विकास अघाड़ी रखा गया। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दल बन गई लेकिन ये सरकार भी बहुत जल्द संकट में आ गयी 21 जून 2022 को, शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता, एकनाथ शिंदे, महा विकास अघाड़ी के कई अन्य विधायकों के साथ सूरत चले गए और गठबंधन को संकट में डाल दिया। उनकी मांग थी की सेना अघाड़ी गठबंधन को तोड़ कर बीजेपी के साथ सरकार बनाए जो आलाकमान को कतई मंजूर नहीं था तो शिंदे अघाड़ी गठबंधन से बगावत करते हुए अपने विधायकों को लेकर सूरत से गुवाहाटी पहुँच गए। खबर आती रही की शिंदे, फडणवीस जैसे बीजेपी के नेताओं के संपर्क मे रहे। 29 जून तक शिंदे समेत अघाड़ी गठबंधन के 51 विधायकों ने उद्धव सरकार के खिलाफ बगावत कर दी, जिसमे शिवसेना के 39 और 12 निर्दलीय विधायक थे। फलस्वरूप उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा। 30 जून को बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री और देवेन्द्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाते हुए नई सरकार बनाई।

महाराष्ट्र की जनता अपने जनादेश के साथ हो रहे खिलवाड़ से अजीज आ चुकी है । मुझे लगता है कि लहू-लुहान महाराष्ट्र की जनता इस बार अपने अतीत के फैसलों से सबक लेकर जिसे भी चुनेगी ,स्पष्ट बहुमत के साथ चुनेगी। और कांग्रेस तथा भाजपा से एक स्थिर सरकार की गारंटी मांगेगी। यदि इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में खूनी खेल खेलने की कोशिश की गयी तो ये प्रमाणित हो जाएगा कि हमारे जिम्मेदार राजनितिक दल अर्बन नकसल हैं या आतंकवादी?

आर्थिकी: बंदरगाहों से घटेगी निर्यात लागत

जयंतीलाल भंडारी

इस समय पश्चिम एशिया संकट के कारण देश से घटते हुए निर्यात, बढ़ते विदेश व्यापार घाटे, लाल सागर में बढ़ते संकट और कंटेनरों की किल्लत की चिंताओं के बीच देश से वस्तुओं के निर्यात की लागत घटाने के लिए हाल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने अहम फैसले लिए हैं। इनके तहत शिपिंग कॉरपोरेशन बड़े कंटेनर जहाज चलाएगी। बंदरगाह शुल्क में कटौती की जाएगी तथा निर्यात खेपों को जल्दी भेजने के लिए प्रक्रिया में तेजी के उपाय शामिल हैं। विगत 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर नये तूतीकोरिन अंतरराष्ट्रीय कंटेनर टर्मिनल का उद्घाटन करते हुए अपने संदेश में कहा कि यह टर्मिनल भारत के मरीन इंफ्रास्ट्रक्चर का नया सितारा है। नये टर्मिनल से वीओ चिदंबरनार पोर्ट की क्षमता में भी विस्तार होगा॥। उल्लेखनीय है कि इस समय देश के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने और निर्यात के ऊंचे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के साथ उन्हें समुद्री व्यापार के लिए प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति के साथ तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। विगत 30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वधावन देश का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह होगा। यह बंदरगाह भारत की समुद्री कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। गौरतलब है कि भारत की 7517 किमी. लंबी समुद्री तटरेखा है, जो 9 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों को समाहित करती है। देश के विशाल समुद्र तटों पर 13 प्रमुख बड़े और 212 छोटे बंदरगाह हैं। बड़े बंदरगाहों में पूर्वी तट पर हल्दिया, पारादीप, विशाखापट्टनम, कामराज, चेन्नई, तूतीकोरीन और पोर्ट ब्लेयर हैं। पश्चिमी तट पर कोचीन, न्यू मैंगलोर, मोरमुगांव, जवाहरलाल नेहरू, कांड़ला और मुंबई बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाह अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और वैश्विक व्यापार के लिए शताब्दियों से महत्त्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत का मात्रा के हिसाब से 95 फीसद और मूल्य के हिसाब से 70 फीसद व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से होता है। निस्संदेह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार होने के कारण भारतीय बंदरगाहों ने समुद्री (तटीय) राज्यों को देश में औद्योगिक विकास के मद्देनजर पसंदीदा स्थल बना दिया है। परिवहन संबंधी न्यूनतम बाधाओं के साथ-साथ लॉजिस्टिक लागत में कमी बंदरगाहों के निकटवर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण है। निश्चित रूप से पिछले दशक में भारत अपने बंदरगाहों को समुद्री व्यापार की धुरी बनाने के लिए लगातार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। निजी बंदरगाहों को प्रोत्साहन दिया गया है। भारत कार्गो और जहाजों को संभालने में अपनी दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अपने बंदरगाहों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है।

वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन (जीएमआईएस) के दौरान तय किए गए व्यापक रोडमैप के साथ समुद्री अमृतकाल विजन 2047 भारत के समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। हम उम्मीद करें कि हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बंदरगाहों से निर्यात बढ़ाने के लिए जो महत्त्वपूर्ण फैसले लिए हैं, उनके कारगर क्रियान्वयन पर शुरू से ही ध्यान दिया जाएगा। हम यह भी उम्मीद करें कि वधावन देश के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह के रूप में भारत के समुद्री व्यापार की नई धुरी बनेगा। हम उम्मीद करें कि पीएम गतिशक्ति योजना, नई लॉजिस्टिक नीति और मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 का सफल क्रियान्वयन रफ्तार से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था को 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक देश को विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-

जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

रावण दहन करते समय हुआ बैकफायर, सांसद पप्पू यादव के पेट में घुसा रॉकेट

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में दशहरे पर रावण दहन के दौरान एक हादसा हो गया जिसमें पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विजयादशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। रावण दहन के लिए पप्पू यादव ने जैसे ही पटाखे में आग लगाई तो रॉकेट से बैकफायर हुआ और उनके पेट में घुस गया, जिससे पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। वह बाल-बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ, लेकिन पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव के हाथ में पटाखा जलता हुआ देखा जा सकता है। उनके साथ पुलिस अधिकारी भी पटाखे को हाथ में पकड़े हैं तभी अचानक वह रॉकेट से बैकफायर हो जाता है और पप्पू यादव के पेट पर जाकर लगता है और उनकी शर्ट में आग लग जाती है। इस दौरान लोग पप्पू यादव को बचाने की कोशिश करते हैं। उनकी आंखों को हाथों से ढंकते हैं। हालांकि पप्पू यादव उस पटाखे को छोड़ते नहीं हैं। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई हो रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त में 'महाप्रसाद' वितरित करने की योजना

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में 'महाप्रसाद' श्रद्धालुओं को मुफ्त में वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। हरिचंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने के फैसले को लागू करने पर सरकार को सालाना 14 से 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हरिचंदन ने कहा, ''हम आर्थिक रूप से संपन्न कुछ श्रद्धालुओं को इस योजना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पहले ही इस पहल में सहयोग को सहमत हो चुके हैं।'' मंत्री ने कहा कि इस पहल को पवित्र उड़िया महीने 'कार्तिक' के बाद लागू किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, 'कार्तिक' माह के दौरान विशिष्ट अनुष्ठान करने वाली महिलाओं 'हबिसयाली' के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। हरिचंदन ने कहा, ''हमने सार्वजनिक दर्शन (जगन्नाथ मंदिर) को सुव्यवस्थित करने के लिए एक योजना बनानी शुरू की है। एक समर्पित प्रणाली स्थापित की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को 12वीं सदी के मंदिर में आने में कोई परेशानी न हो।

जयपुर में बिना ड्राइवर के सड़क पर दौड़ी जलती कार

- एमजी हेक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, बचने के लिए मची अफरा-तफरी

जयपुर ।जयपुर में बिना ड्राइवर के आग से घिरी एमजी हेक्टर कार सड़क पर दौड़ी। कार ने बाइक को टक्कर मार दी। लोग अपनी गाड़ियों को बचाते नजर आए। आखिरकार कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। यह घटना एलिवेटेड रोड पर अजमेर से सोडाला की ओर उतरते समय की है। कार जितेंद्र जांगिड़ चला रहा था। जो मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित दिव्य दर्शन अपार्टमेंट में रहता है। जितेंद्र ने साल 2021 में कार खरीदी थी। जितेंद्र ने बताया कि करीब 1.45 बजे एलिवेटेड रोड से उतरने के दौरान एसी से धुआं उठने लगा था। भाई को कॉल किया तो उसने कार का बोनट खोलकर देखने के लिए कहा। कार से नीचे उतरकर बोनट खोलकर देखा तो आग लग रही थी। इस दौरान लोग इकट्ठा हो गए। मैंने ऑटोमैटिक कार को साइड में रोककर हैंड ब्रेक लगा दिया और मेटिंग हटाई। चारों खिड़कियां खोलकर नीचे उतरा तब तक बोनट से आग भभक उठी। आस-पास लोग इकट्ठा हो गए। इस बीच किसी ने फायर बिग्रेड को सूचना दे दी। आग से वायरिंग जलकर खाक हो गई, जिससे ऑटो हैंड ब्रेक फेल हो गए। कार का एक टायर भी फूट गया। लोगों ने कार की आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि आग तेजी से बढ़ गई। आग लगने से कार का हैंड ब्रेक खराब हो गया। ऐसे में कार एलिवेटेड रोड की ढलान पर चलने लगी। इसी दौरान कार के आगे एक बाइक खड़ी थी। उसे टक्कर मारते हुए कार आगे बढ़ गई। फायर ऑफिसर ने कहा कि कार में आग लगने की जानकारी मिलने पर 22 गोदाम से एक दमकल रवाना की गई। मौके पर देखा तो कार से आग की लपटें निकल रही थीं। आग को कंट्रोल किया तब तक कार पूरी तरह से खाक हो गई थी। कार में रखा हुआ सामान भी जल चुका था।

दिल्ली में 20 डिग्री से नीचे आया तापमान, गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

नई दिल्ली। सफदरजंग की मानक वेधशाला में शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस महीने में यह पहली बार है, जब न्यूनतम पारा 20 डिग्री से नीचे आया है। दिल्ली के रिज क्षेत्र की सुबह सबसे ज्यादा ठंडी रही। यहां का तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। कुल मिलाकर दिल्ली में सुबह और रात में अब हल्की ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। केंद्र के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने भी जिलाधिकारियों को पराली जलाने से रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के एनसीआर क्षेत्रों के जिलाधिकारियों को कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार दिया है। सीएक्यूएम ने कहा कि 15 सितंबर से नौ अक्टूबर के बीच पराली जलाने की पंजाब में 267 और हरियाणा में 187 घटनाएं दर्ज की गईं। वहीं, दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर निर्माणाधीन कचरे के कारण वातावरण में धूल प्रदूषण फैल रहा है। इसको रोकने के लिए नगर निगम ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और एनजीटी के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ चालान काटने के लिए योजना बनाई है। साथ ही त्योहारों के संबंध में सफाई व्यवस्था के तहत स्वच्छता अभियान को भी निगम प्रशासन तेज करेगा।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने मुख्य सचिवों को लिखा पत्र

मदरसों को राज्य से मिलने वाला पैसा बंद करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सभी राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में मांग की गई है कि सरकार मदरसा बोर्ड को दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगाए और इन सभी मदरसा बोर्ड को बंद कर दें। बाल आयोग ने कहा कि मदरसे में न तो बच्चों को बेसिक शिक्षा मिलती है और न ही उनको मिड डे मील की सुविधा का कोई फायदा होता है।

दरअसल, बाल आयोग की तरफ से कहा गया कि मदरसा बोर्ड आरटीई यानी शिक्षा के अधिकारी के कानून का पालन तक नहीं करते हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि मदरसों का पूरा फोकस केवल धार्मिक शिक्षा के पर ही रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती है। बाल आयोग द्वारा उठाई गई मांगों में कहा गया कि मदरसों और मदरसा बोर्डों को राज्य की तरफ से दिए जाने वाले फंड को रोक दिया जाए। मदरसों से गैर-मुस्लिम बच्चों को हटाया जाए। संविधान के आर्टिकल 28 के मुताबिक, माता-पिता की सहमति के बिना किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। बाल आयोग ने कहा है कि एक संस्थान के अंदर धार्मिक और औपचारिक शिक्षा एक साथ नहीं दी जा सकती है।

बाल आयोग के पत्र पर बोली कांग्रेस

बाल आयोग की इस चिट्ठी को लेकर कांग्रेस ने कहा कि वह पत्र पढ़ने के बाद टिप्पणी करेगी, लेकिन कर्नाटक में पार्टी के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बायोटेक, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री ने कहा कि आयोग को आदर्श रूप से उपाय सुझाने चाहिए, बजाय इसके कि राज्यों से मदरसों को वित्त पोषण बंद करने और बंद करने के लिए कहा जाए। उन्होंने कहा कि यह देखना बहुत विडंबनापूर्ण है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मदरसा शिक्षकों के वेतन को तीन गुना करने के फैसले के कुछ ही दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ है। वहीं इस मामले में एनडीए की साथी लोकजनशक्ति पार्टी के प्रवक्ता एके बाजपेयी ने कहा है कि अगर कोई मदरसा अवैध रूप से चलता पाया जाता है, तो उसे बंद कर देना चाहिए। लेकिन कोई भी काम आंख मूंदकर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि एनसीपीसीआर ने राज्यों से कोई प्रतिकूल रिपोर्ट मिलने के बाद यह पत्र लिखा है या नहीं।

सर्वेक्षण की मांग

ऐ के बाजपयी ने कहा कि सभी मदरसों का उचित सर्वेक्षण होना चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं कोई अनियमितता तो नहीं है। और अगर कोई अवैधता पाई जाती है तो उन्हें अपनी सफाई देने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा कि यह भी सिफारिश की गई है कि सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालकर आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। उन्होंने कहा है कि साथ ही, मुस्लिम समुदाय के बच्चे जो मदरसा में पढ़ रहे हैं, चाहे वे मान्यता प्राप्त हों या गैर-मान्यता प्राप्त, उन्हें औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए और आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार निर्धारित समय और पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाए। इस मामले में बीजेपी की सहयोगी जेडीयू और टीडीपी ने इस मुद्दे पर कुछ बोलने से दूरी बनाई है।

भाईजान की फैमिली ने की दोस्तों और करीबियों से अपील, सलमान से ना मिलें

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बांद्रा में उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। वहीं सलमान खान के परिवार ने उनके इंडस्ट्री में मौजूद कई दोस्तों और करीबियों से अपील की है कि वह सलमान से ना मिलें। जानकारी के मुताबिक अपने बेहद करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी को खोने के बाद सलमान खान बहुत दुखी हैं। बाबा सिद्दीकी, सलमान खान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हाल ही में जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के साथ सलमान खान से मिलने उनके घर पहुंचे थे, तो उनका बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। सलमान भी एक सच्चे दोस्त की तरह इस दुखद घटना के बाद परिवार से मिलने पहुंचे। हालांकि, कल देर रात लीलावती अस्पताल से घर लौटने के बाद सलमान सो नहीं पाए और लगातार जीशान और परिवार का हालचाल पूछते रहे। बाबा सिद्दीकी परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया कि सलमान खान फोन पर अंतिम संस्कार की तैयारियों और हर छोटी-बड़ी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अगले कुछ दिनों के लिए अपनी सभी निजी मुलाकातें रद्द कर दी हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान के करीबी परिवार के सदस्य भी इस नुकसान से उतने ही दुखी हैं। अरबाज खान और सोहेल खान भी बाबा के बहुत करीब थे और बाबा के इन आयोजन में अक्सर जाया करते थे।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामला: आरोपियों पर हमला होने की आशंका, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपियों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरत रही है। पुलिस को संदेह है कि कोर्ट में आरोपियों पर हमला हो सकता है। इस आशंका के चलते पुलिस ने कोर्ट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए ताकि किसी भी संभावित हमले से बचा जा सके।

बता दें कि मुंबई के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की उनके ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस घटनाक्रम के कुछ ही समय बाद दो शूटरों को गिरफ्तार कर लिया, जिनके नाम बलजीत सिंह और धर्मराज कश्यप हैं। तीसरे आरोपी अभी फरार है। जांच में ये भी सामने आया है कि शूटरों को इस हत्या का ठेका मिला था। दो शूटरों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हरियाणा और यूपी पुलिस से संपर्क में है, ताकि इनकी पृष्ठभूमि और गैंग कनेक्शन का पता लगाया जा सके।

पुलिस को आशंका है कि गिरफ्तार आरोपियों पर अदालत में पेशी के दौरान हमला हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए मुंबई पुलिस ने अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

कोर्ट परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है, और हर आने-जाने वाले की सघन जांच की जा रही है।

मुंबई पुलिस के अलावा, हरियाणा और यूपी पुलिस भी इस केस में अपनी जांच कर रही हैं। हरियाणा पुलिस की एसटीएफ बलजीत सिंह के बारे में जानकारी जुटा रही है, जबकि यूपी पुलिस धर्मराज कश्यप के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में जुटी है। फरार तीसरे आरोपी की तलाश के लिए भी पुलिस छापेमारी कर रही है।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की मौत का मामला, राहुल गांधी ने मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में हाल ही में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत हो गयी थी। इस मामले के सामने आने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल पूछा कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक की तुलना में अधिक मूल्यवान क्यों है? इसके अलावा उन्होंने यह भी सवाल किया कि 'अग्निवीर' के रूप में शहीद हुए दो सैनिकों के परिवारों को अन्य शहीद सैनिकों के समान पेंशन और लाभ क्यों नहीं मिलेंगे?

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा, 'नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित की मौत एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है।'

इस पोस्ट में आगे गांधी ने मोदी सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की ज़िम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?

राहुल ने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि क्यों एक सैनिक की ज़िंदगी दूसरे सैनिक से अधिक मूल्यवान है?

राहुल ने जनता से अपील की कि मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों। उन्होंने सरकार की 'अग्निवीर' योजना को हटाने के लिए, देश के युवाओं और सेना के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमारे 'जय जवान' आंदोलन से आज ही जुड़ें! बता दें, नासिक जिले के आर्टिलरी सेंटर में परीक्षण के दौरान एक गोले के फट जाने से अग्निवीरों गोहिल और सैफत की मौत हो गई थी।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है।

भगवान राम का जीवन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है: ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। वह कोटा में 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेला को संबोधित कर रहे थे, जहां शनिवार शाम को विजया दशमी के अवसर पर रावण का 80 फुट ऊंचा पुतला फूंका गया। बिरला इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा, ''भगवान राम ने आदर्श जीवन जीया और समाज के वंचित एवं गरीब वर्ग को अपने साथ लिया। उन्होंने अपने 14 साल के वनवास के दौरान उनके (वंचितों एवं गरीबों के) जीवन को बदलने के लिए काम किया और अंततः अहंकारी रावण को मार डाला।''

कोटा-बूंदी से सांसद बिरला ने कहा, ''भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।'' इस समारोह में रावण के भाई कुंभकर्ण और बेटे मेघनाद के 60 फुट ऊंचे पुतले भी हरित पटाखों का इस्तेमाल कर फूंके गए।

इस अवसर पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, महापौर राजीव भारती और कोटा दशहरा मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी भी मौजूद रहे।

कर्नाटक के भाजपा सांसदों ने राज्य के लोगों को धोखा दिया: मुख्यमंत्री, सिद्धरमैया

मैसूर (कर्नाटक) (एजेंसी)। । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रदेश के भाजपा सांसदों पर केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को लेकर हो रहे 'अन्याय' के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य के साथ हो रहे इस 'अन्याय' के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य को 6,498 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश को 31,987 करोड़ रुपये मिले हैं, जो दोनों राज्यों की केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बीच बहुत बड़ा अंतर दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''लोगों को कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। केंद्र का समर्थन करने वाले भाजपा नेता राज्य के लोगों को धोखा दे रहे हैं, चाहे वह प्रह्लाद जोशी हों या कोई और।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक से बहुत से सांसद गये हैं। उन्हें अपनी आवाजी उठाने की जरूरत है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि राज्य को पांच वर्षों में केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में 60,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इस मामले में सरकार के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धरमैया ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

इस मुद्दे पर एक बयान में सिद्धरमैया ने सवाल उठाया, ''अपने खराब शासन के लिए बदनाम उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपये, बिहार को 17,921 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपये और राजस्थान को 10,737 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक के पसीने और मेहनत से उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं।'' हुब्बली के अल्पसंख्यक समुदाय के दंगाइयों को क्षमादान देने के कैबिनेट के फैसले पर सिद्धरमैया ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई नेताओं को भी रिहा किया गया था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बृहस्पतिवार को हुब्बली शहर में 16 अप्रैल 2022 को पुलिसकर्मियों पर पथराव करने वाली भीड़ के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला वापस लेने का फैसला किया।

प्रयागराज महाकुंभ में 71 दलित संत महामंडलेश्वर बनेंगे

-हिन्दुओं को बौद्ध, ईसाई बनने से रोकेंगे, मंदिर-मठ की जिम्मेदारी मिलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है।

देश में 13 अखाड़ों को मान्यता

मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं।

लोकतंत्र पर धब्बा, लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, सोनम वांगचुक भड़के

- जिंदा नास्त्रेदमस की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को यहां लद्दाख भवन के बाहर केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में छह अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को मंदिर मार्ग पुलिस थाना ले जाया गया है। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि हिरासत में लिए गए लोगों में सोनम वांगचुक भी शामिल है लेकिन बाद में नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि हिरासत में लिए गए लोगों में जलवायु कार्यकर्ता शामिल नहीं हैं।

पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) देवेश महाला ने कहा, ''हमने कुछ छात्रों को लद्दाख भवन के बाहर से हिरासत में लिया है।सोनम वांगचुक उनमें शामिल नहीं हैं।'' इस बीच, वांगचुक ने एक वीडियो संदेश में कहा कि दिल्ली पुलिस ने उनके कई समर्थकों को हिरासत में ले लिया है।उन्होंने साथ ही सवाल किया कि बिना मंजूरी एक स्थान पर जमा होने से रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 क्यों स्थायी रूप से नयी दिल्ली क्षेत्र में लागू है?

वांगचुक ने संदेश में कहा, ''कई लोग आज सुबह शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने आए थे। यह वास्तव में दुखी करने वाला है कि उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह दुखी करने वाला है क्योंकि यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में हुआ है, हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं कर सकते।''

वांगचुक ने कहा, ''हमें बताया गया है कि धारा 163 लागू कर दी गई है... यह दुखद है कि लोकतंत्र की जननी पर पूरे साल इस तरह की पाबंदी लगी रहती है। यह धारा आमतौर पर अस्थायी तौर पर तभी लागू की जाती है जब कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका हो।'' उन्होंने कहा, ''यह हमारे लोकतंत्र पर एक धब्बा है और अदालतों को भी इसका संज्ञान लेना चाहिए...ऐसी धाराओं को स्थायी रूप से कैसे लागू किया जा सकता है?''

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता ने लोगों को हिरासत में लिए जाने का वीडियो अपने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर भी साझा किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के पास लद्दाख भवन के बाहर बैठने की अनुमति नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए अर्जी दी है। उनकी अर्जी पर विचार किया जा रहा है। उन्हें किसी और स्थान पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है जिन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा।''

वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर अपने समर्थकों के साथ लेह से दिल्ली आए हैं। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को राजधानी के सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया था और दो अक्टूबर की रात को रिहा किया था। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं।

डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को उपहार में दी 28 कारें और 29 बाइक

चेन्नई ।

ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है। अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में लगभग 180 कर्मचारी हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अत्यधिक कुशल हैं।

उन्होंने कहा कि हम उन उम्मीदवारों का चयन करते हैं जो अत्यधिक प्रेरित होते हैं और उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपने जैसा होता है। हम कर्मचारियों को बाइक उपहार में देते रहे हैं और 2022 में हमने अपने दो वरिष्ठ सहयोगियों को कार उपहार में दी। हमने आज 28 कारें उपहार में दी हैं। उनमें से कुछ मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सिडीज बेंज भी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी एक निश्चित राशि के साथ कार या बाइक देगी।

उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारी को कंपनी द्वारा चुनी गई कार से बेहतर वाहन की जरूरत है तो उसे शेष राशि का भुगतान करना होगा।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग में होगी छंटनी

फ्रांसिस्को।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग अपने कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी अपने वर्कफोर्स के करीब 10 प्रतिशत भाग यानि 17,000 लोगों को इस छंटनी का हिस्सा बनाएगी। इसका मुख्य कारण वित्तीय संकट बताया जा रहा है। बोइंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों को ईमेल भेजकर इस फैसले की घोषणा की। यह छंटनी आने वाले महीनों में होगी और इसमें अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। कंपनी ने कहा` कि हमारा व्यवसाय मुश्किल स्थिति में है और हम सभी के सामने आने वाली चुनौतियों को बढ़ा-चढ़ा कर बताना मुश्किल है। मौजूदा माहौल से निपटने के अलावा हमें अपनी कंपनी को फिर से खड़ा करने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। इसके लिए कंपनी को संरचनात्मक बदलाव करने होंगे ताकि हम प्रतिस्पर्धी बने रह सकें और लंबे समय तक अपने ग्राहकों को सेवाएं दे सकें। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब कंपनी एक मुश्किल वर्ष का सामना कर रही है। सितंबर के मध्य से बोइंग फैक्ट्री के 30,000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। कंपनी के सीईओ ने कहा कि उन्हें हमें अपनी वित्तीय स्थिति का वर्कफोर्स से तालमेल बिठाने के लिए ऐसा करना पड़ेगा ताकि हम अपनी अन्य प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। सीईओ ने कहा` कि आने वाले महीनों में हम अपने वर्कफोर्स को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने की योजना बना रहे हैं। इस छंटनी में अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। अगले सप्ताह आपकी नेतृत्व टीम इस बारे में अधिक जानकारी साझा करेगी। इस फैसले के आधार पर हम आने वाली छुट्टियां भी आगे प्रॉसेस नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा ऑर्डर पूरा करने के बाद, बोइंग वाणिज्यिक 767 मालवाहक विमानों का प्रोडक्शन भी 2027 तक बंद कर देगी।

मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार देखा गया

नई दिल्ली । आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बढ़ती त्योहारी मांग की वजह से देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती रही तथा मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर, सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन और बिनौला की आवक निरंतर घट रही है। किसानों से जो ऊपज तेल संयंत्रों को मिलना था, उस सौदे को स्टॉकिस्ट जमा कर रहे हैं। किसान अपनी ऊपज सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने को लेकर कहीं अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं क्योंकि मंडियों में उनकी ऊपज के दाम लगभग 10 प्रतिशत कम लगाये जा रहे हैं। सरकार को सोयाबीन बेचने के लिए किसान अपना पंजीकरण कराने में लगे हैं और खुले मंडियों में कम ऊपज ला रहे हैं। इस कम आपूर्ति की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में सुधार है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर मंडियों में कम आपूर्ति के बीच आयात की भी कमी रहने के कारण सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने हुए हैं। सोयाबीन तेल अभी भी प्रीमियम के साथ बिक रहा है।सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मलेशिया एक्सचेंज मजबूत बंद हुआ था जिस वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार है। उन्होंने कहा कि आवक घटने के कारण बिनौला तेल कीमत में सुधार है। कपास नरमा का भाव मजबूत बना हुआ है। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,375-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,975 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,180-2,280 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,150 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,575 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,725-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,425-4,660 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

हुंडई मोटर्स 2032 तक 32,000 करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली । हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम के 21,000 करोड़ रुपये के इश्यू साइज का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। हुंडई आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये का है। हुंडई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये (22 से 23 डॉलर) प्रति शेयर है। गौरतलब है कि हुंडई मोटर्स इं डिया ने 15 जून को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी फाइल किया था। 25 सितंबर 2024 को सेबी ने हुंडई को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी थी। हुंडई ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि हमने अपने चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और अपने तलेगांव मैन्युफै क्चरिंग प्लांट के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ ऑफर लेटर दिए है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 32,000 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। कंपनी की तरफ से बताए गए ये 32,000 करोड़ रुपये के खर्च साल 2023 से लेकर 2032 तक के लिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा था` कि हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है। कंपनी ने डीआरएचपी में बताया कि हमारे पहले के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) थे और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे भविष्य के पूंजीगत खर्च मुख्य रूप से नए पैसेंजर व्हीकल मॉडल लॉन्च के संबंध में प्लांट, प्रॉपर्टी और इक्विपमेंट्स और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए होंगे।

भारत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात का अवसरों को टटोलेंगे: हुंदै मोटर

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों को देश से अन्य बाजारों में निर्यात करने के अवसरों को टटोलेगी। कंपनी उभरते बाजारों के लिए उत्पादन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। कंपनी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही तक उसकी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) क्रेटा का इलेक्ट्रिक संस्करण भी शामिल है। उन्होंने ककि कि हम उभरते बाजारों के लिए एक बहुत मजबूत उत्पादन केंद्र हैं। हम 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहे हैं। जहां तक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) का सवाल है, यह निश्चित रूप से मांग पर निर्भर करेगा। कंपनी जो भी उत्पाद भारत में पेश करती है, हम उसे उसे अन्य बाजारों में निर्यात करने को लेकर गौर करने के लिए हमेशा तैयार होते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी भविष्य में यहां पेश होने वाली अपनी इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात करेगी, उन्होंने कहा कि ईवी के निर्यात के संदर्भ में यह बुनियादी ढांचे पर निर्भर करेगा। यह मांग पर निर्भर करेगा लेकिन यह सही है कि आने वाले समय में हम इस मामले में उपलब्ध अवसरों पर गौर करेंगे।' उन्होंने कहा` कि ये उत्पाद मुख्य रूप से भारतीय बाजार के लिए हैं। हमारी रणनीति हमेशा यह रही है कि उत्पादों को भारतीय बाजारों के केंद्र में रखा जाए ताकि पैमाने की मितव्ययिता हासिल की जा सके। अे धिकारी ने कहा` कि जैसा कि कंपनी ने पूर्व में किया है, वह अन्य उभरते बाजारों में अवसर तलाशेगी जहां भारत के ग्राहकों जैसी पसंद है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर हम भारत में जो भी उत्पाद तैयार करते हैं, वे अफ्रीका, पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका, मध्य अमेरिका, एशिया जैसे उभरते बाजारों के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं।

चीन के शेयर बाजार को 24 लाख करोड़ का पैकेज देगी सरकार

- भारतीय शेयर बाजार में मचेगा हड़कंप

मुंबई ।

शुक्रवार को कारोबार के अंतिम दिन गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद हुए। सेंसेक्स में 230 अंक और निफ्टी में 34 अंक गिरावट देखने को मिली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक जिस तरह से अपना पैसा निकाल कर चीन में निवेश कर रहे हैं। उसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। देसी निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में जो निवेश किया जा रहा है। वह भी मुनाफा वसूली की भेंट चढ़ रहा है। चीन की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर और शेयर बाजार में, भारतीय मुद्रा में 24 लाख करोड रुपए का पैकेज देने का ऐलान किया है। इस संभावना के कारण भारत के शेयर बाजार में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, चीन की सरकार द्वारा शेयर मार्केट को आर्थिक पैकेज दिए जाने के बाद, भारत में निवेशकों की निकासी बढ़ेगी। जिसके कारण शेयर बाजार को संभालना बड़ा मुश्किल होगा।

ओएनजीसी छोटे एलएनजी संयंत्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) पाइपलाइन से नहीं जुड़े कुओं से प्राकृतिक गैस निकालने के लिए छोटे आकार के एलएनजी संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने गैस कुओं के पास ऐसे संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश, झारखंड और गुजरात में पांच स्थानों की पहचान की है। ये संयंत्र जमीन के नीचे से निकाली गई गैस को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) में बदलेंगे। इस एलएनजी को क्रायोजेनिक ट्रकों के जरिये समीप के पाइपलाइन में ले जाया जाएगा जहां इसे गैस की अवस्था में फिर से परिवर्तित किया जाएगा। उसके बाद इसकी आपूर्ति बिजली संयंत्रों, उर्वरक इकाइयों या शहर में गैस वितरण करने वाली खुदरा विक्रेताओं को की जाएगी। ओएनजीसी ने विनिर्माताओं/सेवा प्रदाताओं से ऐसे प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के लिए एक निविदा जारी की है। निविदा में छोटे-एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में दो और गुजरात के अंकलेश्वर को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा झारखंड के बोकारो और गुजरात के कैम्बे में एक-एक स्थान की पहचान की गई है। ओएनजीसी ने निविदा दस्तावेज में कहा कि देश में पाइपलाइनों का एक व्यापक नेटवर्क है। पाइपलाइन के ये नेटवर्क आपूर्ति और मांग केंद्रों को जोड़ता है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में ऐसे गैस हैं, जो पाइपलाइन से जुड़े नहीं है। इनका उपयोग घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार की फंसी हुई गैस की मात्रा 5,000 से 50,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन तक हैं। इनका उत्पादन पांच साल तक किया जा सकता है। निविदा में विनिर्माताओं और सेवा प्रदाताओं से एलएनजी का उत्पादन करने के लिए बीओओ (बनाओ, स्वामित्व और परिचालन) के आधार पर एक छोटे पैमाने पर एलएनजी संयंत्र स्थापित करने, उत्पादित एलएनजी को करीब 250 किलोमीटर तक कास्केड (उच्च दबाव वाले गैस सिलेंडर भंडारण प्रणाली)/ टैंकरों के जरिये खपत स्थलों तक पहुंचाने के लिए बोलियां आमंत्रित की गईं हैं। इसके अलावा इसमें एलएनजी को फिर से गैस में बदलने और फिर उसे मौजूदा गैस वितरण ग्रिड में डालने अथवा सीधे थोक उपभोक्ताओं को आपूर्ति करने की बात भी शामिल है। देश में प्रतिदिन नौ करोड़ मानक घन मीटर से अधिक प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है। इसका उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक बनाने और वाहन चलाने के लिए सीएनजी में परिवर्तित करने तथा खाना पकाने लिए पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस के रूप में किया जाता है। लेकिन घरेलू उत्पादन मांग का लगभग आधा हिस्सा पूरा करता है। ओएनजीसी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक है। कंपनी आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने तथा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। इस निविदा के जारी होने से पहले, कंपनी ने मध्य प्रदेश में विंध्य बेसिन में अपने हट्टा गैस क्षेत्र के पास एक छोटे आकार का एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए देश के सबसे बड़े खुदरा ईंधन विक्रेता इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के साथ साझेदारी की थी।

कोल इंडिया का सरकारी खजाने में योगदान में मामूली गिरावट

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सरकारी खजाने में योगदान सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 28,930.27 करोड़ रुपये रहा। कोयला मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि में सरकारी खजाने में 29,122.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर महीने में सरकार को भुगतान किये गये कुल शुल्क भी आलोच्य अवधि में 11.1 प्रतिशत घटकर 4,335.24 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2023-24 के इसी महीने में यह 4,878.84 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर में सरकारी खजाने को भुगतान किये गये कुल 28,930.27 करोड़ रुपये में से, सबसे ज्यादा 6,452.30 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिले। इसके बाद ओडिशा का स्थान रहा जिसे 6,383.14 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ को 5,432.02 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 5,177.41 करोड़ रुपये तथा महाराष्ट्र को 2,782.25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य से राजस्व अर्जित किये।

कंपनियों के तिमाही परिणामों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर वै श्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जारी होने वाले परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.09 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 81381.36 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.35 अंक उतरकर 24964.25 अंक पर रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 530.12 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 48436.86 अंक और स्मॉलकैप 654.78 अंक उछलकर 56600.09 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह विश्व बाजार का रुझान कमजोर रहा।

भारतीय बाजार वर्तमान में प्रीमियम मूल्यांकन और दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजों के कारण सुदृढीकरण के चरण में है। इसके विपरीत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन के प्रोत्साहन उपायों और कम मूल्यांकन से चीनी बाजारों में आर्बिट्रेज अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा तथा उसके निर्णयों से निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना का संकेत नहीं मिलता है।

इस बीच हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीद से अधिक बेहतर प्रदर्शन से घरेलू बाजार में आशा की लहर दौड़ गई। इससे सेंसेक्स ने कुछ लचीलापन दिखाया और वापस उछलने का प्रयास किया तथा निफ्टी 50 सूचकांक को 24,800 अंक के स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि यह समर्थन अस्थायी बना हुआ है, जिससे इसके मध्यवर्ती स्तर पर होने का जोखिम बना हुआ है। बीते सप्ताह बाजार अपनी तेजी को बरकरार नहीं रख सका और निफ्टी50 25,000 अंक से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित वृद्धि और जारी भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अमेरिका में 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में हाल में हुई वृद्धि ने एफआईआई को अधिक सस्ते बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रवृत्ति से अल्प अवधि में इक्विटी परिसंपत्ति का प्रदर्शन प्रभावित होने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों पर पैनी नजर रहेगी। दूसरी तिमाही के परिणाम के तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन रहने का अनुमान है। गिरावट का जोखिम बढ़ रहा है, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में भारत का प्रीमियम मूल्यांकन कम हो सकता है। इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, सीआईएल, बजाज ऑटो और क्रिसिल समेत कई दिग्गज कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही। इजराइल-ईरान तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 638.45 अंक का गोता लगाकर करीब डेढ़ माह के निचले स्तर 81,050.00 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 218.85 अंक की गिरावट लेकर 24,795.75 अंक पर बंद हुआ।

प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 1.22 लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस को हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,22,107.11 करोड़ रुपये घट गया। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। शेयर बाजार में कमजोर रुख के अनुरूप प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 35,638.16 करोड़ रुपये कम होकर 15,01,723.41 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 21,351.71 करोड़ रुपये घटकर 18,55,366.53 करोड़ रुपये पर रहा। वहीं आईटीसी का मूल्यांकन 18,761.4 करोड़ रुपये घटकर 6,10,933.66 करोड़ रुपये जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर` लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16,047.71 करोड़ रुपये घटकर 6,53,315.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,946.62 करोड़ रुपये घटकर 6,00,179.03 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 11,363.35 करोड़ रुपये घटकर 8,61,696.24 करोड़ रुपये रहा। साथ ही एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,998.16 करोड़ रुपये घटकर 12,59,269.19 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 26,330.84 करोड़ रुपये बढ़कर 9,60,435.16 करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं

इन्फोसिस का एमकैप 6,913.33 करोड़ रुपये बढ़कर 8,03,440.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,034.36 करोड़ रुपये बढ़कर 7,13,968.95 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.49 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत लुढ़ककर 78.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं नई दिल्ली में पेट्रोली 94.72 प्रे ति लीटर, डीजल 87.62 प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 पे ति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर एवं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली । भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

मयंक यादव ने टी20आई क्रिकेट में हासिल की विशेष उपलब्धि, हार्दिक-अर्शदीप-भुवनेश्वर के क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क - युवा गेंदबाज मयंक यादव ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत ने अपनी पारी में 297/6 का प्रभावशाली स्कोर बनाया जिससे बांग्लादेश पर भी इसी तरह का प्रदर्शन करने का दबाव बना। महज 22 साल के यादव ने बांग्लादेश को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसने परवेज हुसैन इमोन को चौंका दिया।

इमोन ने बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया लेकिन सही शॉट नहीं लगा पाए जिसके परिणामस्वरूप एक अजीब प्रयास हुआ। पहली स्लिप में तैनात पराग ने तेजी से अपने बाएं ओर कदम बढ़ाया और एक आसान कैच लपका। यादव का योगदान बांग्लादेश की पारी को गति पकड़ने से पहले सीमित करने में महत्वपूर्ण रहा। इस उपलब्धि के साथ मयंक टी20आई इतिहास में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। वह भारतीय क्रिकेटरों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए जिसमें हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं।

भुवनेश्वर कुमार ने अपने करियर में तीन बार यह उपलब्धि हासिल की है। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में संजू सैमसन टी20आई शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बने। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20आई के दौरान बनाया गया था। सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 236.17 की स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में संजू सैमसन का एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है, उन्होंने आठ पारियों में 66.33 की औसत और 162.44 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाड़ियों द्वारा दूसरा सबसे तेज टी20आई शतक भी दर्ज किया। पूर्ण सदस्य टीम के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टी20आई शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, दोनों ने 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यानिक सिनर ने जीता शंघाई मास्टर्स, आर्यना सबालेका वुहान ओपन चैम्पियन बनीं

शंघाई (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज यानिक सिनर ने रविवार को यहां 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इटली के इस खिलाड़ी ने 8 ऐस और 22 विनर लगाकर जोकोविच को 7-6 (4), 6-3, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल वुहान ओपन खिताब जीत लिया। यह सबालेंका इस सत्र में चौथा खिताब है जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम भी जीते हैं। बेलारूस की इस खिलाड़ी का टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 17-0 हो गया है।

जोकोविच ने 4 ऐस और 12 विनर लगाए जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच यहां टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं।

वहीं, दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेका ने 7वीं रैंकिंग पर काबिज झेंग किनवेन को फाइनल में 6-3, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर : रिपोर्ट

स्पोर्ट्स डेस्क। मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने शनिवार को पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया। यह विकास इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने बाबर को टीम का

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया था।

मसूद ने पहले टेस्ट के बाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'हम एक टीम मानसिकता बनाना चाहते हैं। हम बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में, यह आसान नहीं है। आपको बहुत सारे अवसर देने होते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाबर आजम पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। आपको हमेशा यह ध्यान में रखना होगा कि आपका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज सिर्फ एक गेम दूर है। हम विचार करेंगे और देखेंगे कि कौन सी परिस्थितियां होंगी। हम सर्वश्रेष्ठ को टीम में रखने की कोशिश करेंगे।'

एचआईएल नीलामी: 78 लाख में बिके भारतीय कप्तान हरमनप्रीत, इस क्लब ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने इस स्टार ड्रैग फ्लिकर को 78 लाख रुपये में खरीदा। सभी आठ फ्रेंचाइजी ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य खिलाड़ियों की सेवाएं हासिल करने के लिए मोटी रकम खर्च की। अभिषेक दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने जिन्हें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपए में खरीदा जबकि हार्दिक सिंह के लिए यूपी रुद्रास ने 70 लाख रुपए खर्च किए।

अमित रोहिदास के लिए तमिलनाडु ड्रैगन्स ने सबसे अधिक 48 लाख रुपए की बोली लगाई जबकि जुगराज सिंह को भी बंगाल टाइगर्स ने इसी राशि में खरीदा। हैदराबाद तूफान्स ने सुमित को 46 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा। विदेशी गोलकीपर में आयरलैंड के डेविड हार्टे सबसे अधिक राशि में बिके। उन्हें तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 32 लाख रुपए में खरीदा।

जर्मनी के जीन-पॉल डैनबर्ग (हैदराबाद तूफान्स, 27 लाख रुपये), नीदरलैंड के पिरमिन ब्लैक (बंगाल टाइगर्स, 25 लाख रुपए) और बेल्जियम के विन्सेंट वानाश (सूरमा हॉकी क्लब, 23 लाख रुपए में) पर भी टीमों ने मोटी रकम खर्च की। भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा और पवन को टीम गोनासिका और दिल्ली एसजी पाइपर्स ने क्रमश-22 लाख रुपए और 15 लाख रुपए में खरीदा।

महेला जयवर्धने फिर बने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच

मुंबई - पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी से पहले बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। जयवर्धने 2017-2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ इसी भूमिका में जुड़े हुए थे। फ्रेंचाइजी ने 2017, 2019 और 2020-21 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। जयवर्धने इस तरह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर की जगह लेंगे जो दो साल तक मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच थे। मुंबई इंडियंस ने 2023 चरण में नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया लेकिन इस साल उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिसमें टीम 14 मैच में से केवल चार में ही जीत दर्ज कर पाई। जयवर्धने ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस परिवार में मेरी यात्रा हमेशा विकास करने की रही है। 2017 में ध्यान सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक ग्रुप बनाने पर था और हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। अब वापसी में उसी भूमिका में मुंबई इंडियंस के इतिहास में योगदान देना जारी रखने का मौका एक रोमांचक चुनौती है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलिया में पहले या दूसरे टेस्ट में रोहित का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले या दूसरे टेस्ट मैच में से किसी एक में शायद ही खेल पायें। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित व्यक्तिगत कारणों से किसी एक मैच से बाहर रह सकते हैं और इस बारे में उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को भी जानकारी दे दी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उतरेगी और ऐसी संभावना है कि रोहित एडिलेड में (6-10 दिसंबर) वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार अभी इस बारे में साफ तोर पर पता नहीं चला है कि वह किस मैच में नहीं खेलेंगे। रोहित ने बीसीसीआई से कहा है कि एक गंभीर व्यक्तिगत मामले के कारण उन्हें शुरुआत में दो टेस्ट मैचों में से एक को छोड़ना पड़ सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर सीरीज शुरू होने से पहले व्यक्तिगत मुद्दा सुलझ जाता है तो वह सभी पांच टेस्ट खेल सकते हैं। आने वाले दिनों में इस बारे में पूरी जानकारी दे देंगे।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है।' उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।' राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है।' एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

नेशंस लीग - रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जीत में फिर दागा गोल, पोलैंड पर 3-1 से दर्ज की जीत

बार्सिलोना (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया। रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया।

इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था। रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे। इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था।

पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसने जगरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया।

स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं। डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। सर्बिया के चार अंक हैं। उसने एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड को 2-0 से पराजित किया लीग सी में कोसोवो ने लिथुआनिया को 2-1 से, जबकि रोमानिया ने साइप्रस को 3-0 से हराया।

एथलीट हिमा डोपिंग अरोपों से मुक्त हुईं

नई दिल्ली । एथलीट हिमा दास को डोपिंग मामले में राहत मिली है। डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने हिमा को डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया है। हिमा पर एक साल में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण साल 2023 में डोपिंग के हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। अब हिमा सभी मुकाबलों में भाग लें सकेंगी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण और रजत जीतने वाली महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। इस धाविका को इस वर्ष की शुरुआत में लगी चोट के कारण पिछले वर्ष हांग्जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के नियमों के अनुसार, 12 महीनों के भीतर तीन बार ठहरने की जगह की जानकारी न देने पर आरोपी ठहराया गया था। नाडा नियमों के अनुसार पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल एथलीटों को अपने रात्रि विश्राम स्थान का पूरा पता, प्रत्येक स्थान का नाम और पूरा पता, जहां वे प्रशिक्षण, कार्य या अन्य नियमित अनुसूचित गतिविधियां करते हैं, तथा प्रत्येक गतिविधि की सामान्य समय-सीमा भी बतानी होती है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, बाबर-शाहीन सहित ये खिलाड़ी बाहर

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) । पूर्व कप्तान और मुख्य बल्लेबाज बाबर आजम को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर किया गया है। दूसरा मैच मंगलवार को मुल्तान में शुरू होगा। नई चयन समिति द्वारा की गई विस्तृत चर्चा के बाद पाकिस्तान के कुछ सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ी कई बदलावों के साथ मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। तेज गेंदबाज नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी भी टीम से बाहर हैं। साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद भी टीम से बाहर हैं। लेग स्पिनर अबरार अहमद, जो पहले टेस्ट के दौरान बीमार हो गए थे और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, भी आईसीसी के अनुसार बाहर रहेंगे। शुक्रवार को पहले टेस्ट में पाकिस्तान की पारी से हार के तुरंत बाद नई चयन समिति द्वारा किए गए कई बदलावों में बाबर का नाम शामिल है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 550 से अधिक रन बनाए थे। आईसीसी के हवाले से चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट के लिए टीम का चयन करना चयनकर्ताओं के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम रहा है। हमें खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म, सीरीज में वापसी की जरूरत और पाकिस्तान के 2024-25 के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर ध्यान से विचार करना पड़ा है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए और पाकिस्तान क्रिकेट के साथ-साथ खिलाड़ियों के सर्वोत्तम हित में, हमने बाबर आजम, नसीम शाह, सरफराज अहमद और शाहीन शाह अफरीदी को आराम देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'हमें विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से यह ब्रेक इन खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस, आत्मविश्वास और धैर्य हासिल करने में मदद करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए शीर्ष आकार में लौटेंगे। वे हमारी बेहतरीन प्रतिभाओं में से हैं और पाकिस्तान क्रिकेट में योगदान देने के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम इस अवधि के दौरान उनका समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं ताकि वे और भी मजबूत होकर वापसी कर सकें।' बाबर ने पहले मैच की दोनों पारियों में 30 और पांच रन बनाए, पहली पारी में क्रिस वोक्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए और दूसरी पारी में गस एटकिंसन की गेंद पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच आउट हो गए। इस प्रारूप में उनका आखिरी 50+ स्कोर दिसंबर 2022 में आया था और अपनी पिछली 17 टेस्ट पारियों में उनका औसत सिर्फ 20.70 है। घरेलू धरती पर अपनी पिछली आठ पारियों में, जहां अन्य के लिए रन बने हैं, बाबर का औसत सिर्फ 18.75 है। पहले टेस्ट में इंग्लैंड पहली पारी में 550 से अधिक रन देने के बाद 200 से अधिक रनों की पहली पारी की बढ़त लेने वाली पहली टीम बन गई। इसके विपरीत पाकिस्तान पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बाद एक टेस्ट मैच पारी से हारने वाली पहली टीम बन गई जिसका श्रेय इंग्लैंड के 823/7 के स्कोर को जाता है, जो अब तक का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट पारी का स्कोर है और 21वीं सदी में सबसे अधिक है।

नेपाल का सबसे अधिक रनों का विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी टीम इंडिया

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जिस प्रकार की तूफानी बल्लेबाजी की उससे उसने कई रिकार्ड बनाये हालांकि वह सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रनों के नेपाल के विश्व रिकार्ड को बना नहीं पायी। भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 297 रन बनाये। इस मैच में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 164 रन ही बना पाई। इस प्रकार भारतीय टीम ने 133 रन से मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की/ किया. टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ा स्कोर नेपाल ने साल 2023 में मंगोलिया के खिलाफ बनाया था। इस मैच में भारतीय टीम ने 3 विकेट पर 314 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वहीं भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट पर 297 रन बनाए पर वह केवल 18 रन से विश्व रिकॉर्ड नहीं बना पायी।। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मैच में 22 छक्के लगाए अगर वे 3 छक्के और लगा देते तो सबसे बड़े टी20 अंतरराष्ट्रीय का रिकॉर्ड उनके नाम होता। नेपाल की टीम सबसे अधिक स्कोर के मामले में पहले जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं अफगानिस्तान की टीम तीसरे नंबर पर फिसल गई है। साल 2019 में अफगान टीम ने आयरलैंड के खिलाफ इस टीम ने 3 विकेट पर 278 रन बनाए थे।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।'

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।'

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।'

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।' सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।'

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं

का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।'

जर्मनी में सेकंड वर्ल्ड वॉर का बम मिला, 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया, डिफ्यूज करने में आधा घंटा लगा

हैम्बर्ग । जर्मनी के हैम्बर्ग प्रांत में सेकंड वर्ल्ड वॉर के टाइम का बम मिला है। शनिवार को स्टर्नशांजे जिले में बम की सूचना मिलने के बाद 300 मीटर के दायरे में रहने वाले करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके अलावा पुलिस ने इलाके के रेस्तरां और बार भी बंद करा दिए थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एक प्राइमरी स्कूल के कंस्ट्रक्शन के दौरान ये मिला था। अधिकारियों ने बताया कि बम को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया है। इसे डिफ्यूज करने में करीब आधे घंटे का वक्त लगा था। बम मिलने की वजह से जिले में रेल सर्विस को भी रोकना पड़ा। जर्मनी में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बमों का मिलना आम बात है, जिन्हें बाद में डिफ्यूज कर दिया जाता है।

पिछले हफ्ते जापान में फटा था बम-

जापान के दक्षिणी हिस्से में मियाजाकी एयरपोर्ट पर 3 अक्टूबर को एक बम विस्फोट हुआ था। इस बम को अमेरिका ने सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान जापान पर गिराया था। हालांकि जब इसे गिराया गया, तब इसमें विस्फोट नहीं हो पाया था। इसकी वजह से ये दबा रहा। ये बम विस्फोट एयरपोर्ट के टेक्सी-वे की साइड में हुआ था। बम विस्फोट के बाद एयरपोर्ट पर उड़ानों को रद्द कर दिया गया था।

यमन के अल-हुतैब गांव में आज तक नहीं हुई बारिश

सना । यमन की राजधानी सना के पश्चिम में स्थित अल-हुतैब गांव में आज तक बारिश नहीं हुई है। यह खबर सुनकर आप को यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच्चाई है। दरअसल यह गांव समुद्र तल से लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है और यह एक ऐसा स्थान है जहां आज तक कभी बारिश नहीं हुई। अल-हुतैब का मौसम बेहद अनोखा है। रात और सुबह के समय यहां कड़ाके की ठंड होती है, जबकि दिन में तापमान बेहद गर्म रहता है। सुबह-सुबह यहां के लोग भारी रजाई में लिपटे रहते हैं, लेकिन जैसे ही सूरज निकलता है, गर्मी से हाल बेहाल हो जाता है। दिनभर पानी की तलब बनी रहती है। हालांकि, इस गांव के अनोखे मौसम के बावजूद, यह एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुका है। दुनिया भर के लोग यहां घूमने के लिए आते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि यह पहाड़ी पर बसा है। यहां से नीचे के दृश्यों को देखना अद्भुत लगता है, जिससे लोग स्वर्गीय अनुभव महसूस करते हैं। परंतु, क्या आपने सोचा है कि यहां बारिश क्यों नहीं होती? दरअसल, यह गांव एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां बादल कभी नहीं आते। पहाड़ी के नीचे बनने वाले बादल निचले इलाकों में बरसात करते हैं, जबकि अल-हुतैब पर बादल बनने का कोई मौका नहीं मिलता। यही कारण है कि यहां पर अब तक कोई वर्षा नहीं हुई है। इस गांव में अधिकांश लोग 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' समुदाय से जुड़े हैं, जो मुस्लिम धर्म को मानते हैं। यह समुदाय यमन या यमनी के रूप में भी जाना जाता है। इन लोगों के घर भी आकर्षक हैं और ग्रामीण एवं शहरी वास्तुकला का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। युवाओं के लिए यह गांव एक अनोखा अनुभव हैं। अल-हुतैब गांव की इस अनोखी विशेषता ने इसे एक विशेष पर्यटन स्थल बना दिया है, जहां लोग अपने जीवन में एक बार जरूर जाना चाहेंगे। दुनियाभर में कई अजीबोगरीब जगहें हैं, जो अपनी अनोखी विशेषताओं के लिए चर्चा में रहती हैं। इनमें से एक है यमन का यह गांव भी है।

57 साल बाद फेसबुक पर मिला शादी का खोया वीडियो

ब्रिस्बेन । जरा सोचिए, यदि किसी का शादी का वीडियो खो जाए, तो उसे दोबारा प्राप्त करना कितना कठिन हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया के एक कपल का खोया हुआ शादी का वीडियो 57 साल बाद पुनः प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में रहने वाले एलीन टर्नबुल और उनके पति बिल की शादी 1967 में स्कॉटलैंड में हुई थी। शादी के तुरंत बाद उन्होंने एक प्रोजेक्टर उधार लिया था ताकि वे अपनी शादी का वीडियो देख सकें। दुर्भाग्यवश, नवविवाहित जोड़े ने प्रोजेक्टर में फिल्म को डालकर निकालना भूल गए और इसके बाद से उन्हें शादी का वीडियो दोबारा देखने को नहीं मिला। फिल्म रील का कोई पता नहीं चला, और उनका वीडियो गुम हो गया। किस्मत ने फिर से अपना खेल दिखाया। हाल ही में, 77 वर्षीय एलीन फेसबुक स्क्रॉल कर रही थीं, जब उनकी नजर एक ग्रुप पर पोस्ट की गई एक फोटो पर पड़ी। यह फोटो उनके ही शादी के वीडियो से ली गई थी। इसे देखकर वह हैरान रह गईं और तुरंत अपने पति को दिखाया, जो इसे देखकर चकित रह गए। यह फोटो स्कॉटलैंड के टेरी चैनी द्वारा पोस्ट की गई थी। दरअसल, टेरी उस व्यक्ति के भतीजे थे, जिन्होंने शादी के बाद कपल को प्रोजेक्टर उधार दिया था। टेरी ने अपने अंकल के घर से कई फिल्में पाई थीं, जिन्हें उन्होंने डीवीडी में ट्रांसफर किया और फेसबुक पर साझा करना शुरू किया। उनकी इस कोशिश का नतीजा यह निकला कि उन्होंने वीडियो का लिंक बनाकर कपल को भेजा, जिससे उनके जीवन का एक सपना सच हो गया। इस अद्भुत कहानी ने साबित कर दिया कि कभी-कभी किस्मत और तकनीक मिलकर अतीत के कुछ अनमोल पल फिर से जीने का मौका दे सकते हैं। मालूम हो कि आजकल शादी की तस्वीरें और वीडियोज लेना सामान्य बात हो गई है, लेकिन एक समय ऐसा था जब शादियों का वीडियो बनवाना बेहद दुर्लभ था। उस दौर में, अगर किसी की शादी का वीडियो होता, तो उसे अमीर और प्रगतिशील परिवार की पहचान समझा जाता था।

कनाडा में सरकार के 40 सांसद करेंगे खेला, गिर सकती है जस्टिन ट्रूडो की सरकार

मॉन्ट्रियल। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोड़ने का दबाव बना रहा है। स्थिति से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल के उपचुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है। इसके बाद असंतुष्ट सांसदों के बीच गुप्त बैठक शुरू हो गई, जिससे जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कम से कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। हालांकि अगर इतने सांसद खिलाफ जाते हैं तो भी ट्रूडो सरकार नहीं गिरेगी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के पास 153 सीटें हैं। टोरंटो सेंट में हार के बाद से कम से कम 20 नेताओं ने नेतृत्व में बदलाव के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। जून में उपचुनाव के बाद से लिबरल पार्टी के अंदर असंतोष पनप रहा है। यह अशांति मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और बढ़ गई। एशिया में हाल के शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ केटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को एकजुट होने और आगे बढ़ने की रणनीति बनाने में मदद की।

श्रीलंका सरकार फिर कराएगी हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच, आदेश किए जारी

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने इन मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो सका था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह फैसला इसलिए किया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके। श्रीलंका मंत्रालय के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की फिर जांच की जानी चाहिए। उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तत्कालीन सरकार को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले की भी जांच की जानी है, जिसमें 11 भारतीयों समेत 270 से ज्यादा लोगों की मौत् हो गई थी। आतंकवादी हमले का गवाह बना कैथोलिक चर्च इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करता रहा है। उसका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीति से प्रेरित होकर इस हमले पर पर्दा डाल दिया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है उनमें तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी. शिवराम की 2005 में हुई हत्या और उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय के प्रमुख एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का 2006 में अपहरण किए जाने और लापता होने का मामला भी शामिल है।

जापान में लोग हिरोशिमा पीस मैमोरियल पार्क में एटम बम डोम को देखते हुए।

नेतन्याहू ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया

येरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच मित्रता का समर्थक बताया। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में इजराइल-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में रतन टाटा के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। मैं और इजराइल के असंख्य लोग भारत के महान सपूत और दोनों देशों के बीच मित्रता के हिमायती रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी से रतन टाटा के शोकाकुल परिवार के प्रति उनकी संवेदना व्यक्त करने को कहा। उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, (शोकाकुल परिवार के प्रति) संवेदनाओं के साथ, बेंजामिन नेतन्याहू। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी गुरुवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपने देश का सच्चा मित्र बताया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया था तथा नवाचार और विनिर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की थी तथा भारत एवं फ्रांस में उद्योगों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया था।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा इजराइल

-ईरान ने अरब देशों से कहा- हम पलटवार करेंगे

तेलअवीव (एजेंसी)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है।

वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि ईरान के 1 अक्टूबर को किए गए हमले पर पलटवार कैसे करें। इससे पहले शुक्रवार को भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, उसमें कोई फैसला नहीं हो पाया था।

इजराइली हमले में लेबनान के 13 लोगों की मौत

इजराइल ने शनिवार को लेबनान के 2 कस्बों पर हमले किए। इनमें एक बारजा बेरूत से 32 किलोमीटर दूर है, जहां ज्यादातर सुन्नी आबादी वाले लोग रहते हैं। इजराइल के हमले में यहां 4 लोग मारे गए। हिजबुल्लाह शियाओं का संगठन हैं इसके चलते लेबनान जंग में इजराइल ने अब तक शिया इलाकों को निशाना बनाया था। सुन्नी कस्बे पर हमला पहली बार हुआ है। वहीं, उत्तरी लेबनान के मायसरा में भी इजराइली हमले में 9 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ इजराइल ने दावा किया है हिजबुल्लाह ने शनिवार को उन पर 300 प्रोजेक्टाइल (छोटी मिसाइलें) दागी हैं।

इजराइल के खिलाफ ह्र के बयान पर सहमत भारत

यूएन और 40 देशों की अपील के बावजूद लेबनान में तैनात पीसकीपिंग फोर्स पर इजराइल के हमले जारी हैं। पिछले 2 दिनों में 5 सैनिक घायल हो चुके हैं। इस बीच ह्र में भारत ने कहा है कि हम पीसकीपिंग मिशन में सैनिकों के जरिए योगदान देने वाला एक अहम देश हैं। पीसकीपर्स की सुरक्षा सबसे अहम है, ह्रस्ष्ट के प्रस्तावों के तहत इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा-हम शांति के लिए लेबनान में सैनिक तैनात करने वाले 34 देशों के उस साझा बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें सैनिकों की सुरक्षा की मांग की गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी शनिवार को इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से इस मुद्दे पर बात कर जल्द कोई समाधान निकालने की मांग की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं कमला हैरिस

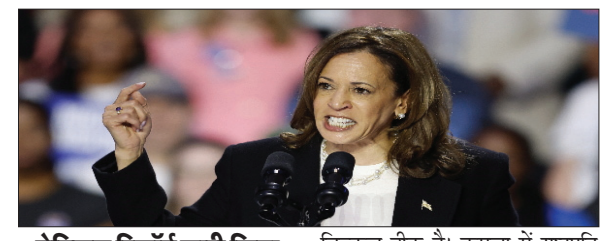

-मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया, ट्रम्प को हेल्थ कार्ड सार्वजनिक करने का चैलेंज दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से 23 दिन पहले डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस अपना मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया है। इसमें उन्हें पूरी तरह से फिट घोषित किया है।

कमला ने अपना फिटनेस रिकॉर्ड जारी कर रिपब्लिकन पार्टी के कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रम्प से भी मांग की है कि वे अपना हेल्थ रिकॉर्ड सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प ये नहीं चाहते कि अमेरिकी लोगों को ये पता चले कि वे राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं या नहीं। इस पर ट्रम्प की टीम ने उनके मेडिकल रिकॉर्ड जारी किए बिना बयान जारी कर कहा कि ट्रम्प की सेहत बिल्कुल ठीक है। कमला में राष्ट्रपति बनने का स्टैमिना नहीं हैं।

कमला के परिवार में कोलोन कैंसर की हिस्ट्री

एकतरफ जहां व्हाइट हाउस ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति बनने के लिए फिट घोषित किया है। वहीं उनके डॉक्टर जोशुआ सिमोंस ने बताया है कि कमला हैरिस के परिवार में कोलोन कैंसर की हिस्ट्री रही है। उन्हें कुछ चीजों से एलर्जी भी है। इसके चलते वे लगातार कोलोनोस्कॉपी कराती रहती हैं और अपना ध्यान रखती हैं। कमला के मेडिकल रिकॉर्ड जारी होते ही उनकी टीम ने एक्स पर लिखा था- अब तुम्हारी बारी डोनाल्ड ट्रम्प। इससे पहले कमला ने एक रैली में ट्रम्प की मेंटल हेल्थ पर भी सवाल उठाए थे। कमला ने कहा था- वे कभी-कभी खो जाते हैं।

जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स... अलग-अलग ब्रीड के हिसाब से देना होता है टैक्स

जर्मनी (एजेंसी)। जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स देना होता है। इस टैक्स से जर्मनी को अच्छी कमाई होती है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से 3866 करोड़ रुपए की कमाई। दरअसल जर्मनी में अलग अलग नगरपालिकाएं डॉग ओनर्स से टैक्स वसूलती हैं। जर्मनी में लोग खूब कुत्ते पालते हैं। हालांकि अलग अलग ब्रीड के कुत्तों पर लगाने वाले टैक्स की रकम भी अलग अलग होती है। ऑस्ट्रिया में भी कुत्ते के मालिकों को अपने पालतू जानवरों को रजिस्ट्रेशन कराना होता है। स्विट्जरलैंड में भी ये टैक्स होते हैं। नीदरलैंड में नगर पालिकाएं इसके लिए अलग-अलग टैक्स लगाती हैं। जो अलग शहर और नगरपालिकाओं के अनुसार होता है।भारत में भी इस तरह के टैक्स की अवधारण जनवरी 2023 में पेश की गई थी, जिसे हरकत में नहीं लाया जा सका।

जर्मनी में अगर आप कुत्ता पालना चाहते हैं, तब आपको किसी ब्रीडर के पास जाना होगा। कई लोग विदेश से भी कुत्ता गोद लेकर जर्मनी लाते हैं। इसके लिए काफी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती है। आप जहां रहते हैं, वहां की नगर पालिका एक सालाना टैक्स लेती है। यह टैक्स कुत्ता पालने पर लिया जाता है। हालांकि पालतू बिल्लियां इस टैक्स के दायरे में नहीं आतीं। टैक्स की रकम एक जैसी नहीं है। ये घर में कुत्तों की संख्या या कुत्ते की ब्रीड के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। यहां तक अगर डॉग के बच्चा हो रहा तब भी तीन महीने के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन कराना होता है। आमतौर पर नगर पालिका के दफ्तर, या टाउन हॉल जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जाता है। कुछ शहरों और नगर पालिकाओं में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा है। कुत्ते के गुम होने या उसकी मौत होने पर भी विभाग को सूचना देना जरूरी है। जरूरी नहीं कि टैक्स से मिली रकम खास पालतू जीवों से जुड़ी सर्विस में खर्च हो। इस नगर पालिका कई तरह के मद में, जैसे कि सामुदायिक सेवाओं पर खर्च कर सकती है।

कुत्तों की वॉक उनकी एक जरूरी दिनचर्या है। कुत्ता सुबह शाम बाहर घूमे बगैर नहीं मानता। मल भी कुत्ता बाहर ही करते हैं। लिहाजा जब सुबह शाम वहां वाक करने जाते हैं, तब सार्वजनिक स्थानों पर ही मल करते हैं। इस मल को डॉग ओनर को थैलियों में भरकर उनके लिए बने कूड़ेदानों में फेंकना होता है। जो जर्मनी में सड़क किनारे, नदियों के पास बने रास्तों पर या पार्कों में खास कूड़ेदान लगाए जाते हैं। नगर पालिका इससे संबंधित जो सफाई करती है, उसकी भरपाई टैक्स से करती है।

ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं, समान विचार वाले देशों का एक बहुराष्ट्रीय संगठन है: रुस

मास्को (एजेंसी)। रूसी विदेश मंत्रालय ने ने कहा कि ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं है, कभी नहीं रहा है और न ही बनने जा रहा है। ब्रिक्स एक अंतरराष्ट्रीय संगठन या एकीकरण संरचना भी नहीं है, बल्कि समान विचार वाले सदस्यों वाला एक बहुराष्ट्रीय संगठन है।

मीडिया रिपोर्ट में एक लेख (जिसमें सुझाव दिया गया था कि ब्रिक्स के विस्तार से नाटो को चिंतित होना चाहिए।) पर टिप्पणी करते हुए रुसी मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स एक बहु-विषयक रणनीतिक साझेदारी है, जो तीन स्तंभों राजनीति और सुरक्षा, अर्थशास्त्र एवं वित्त और संस्कृति एवं मानवीय संबंध पर टिका है। रिपोर्ट में रुसी मंत्रालय ने बयान में कहा कि ब्रिक्स भागीदारों के बीच संबंध समानता, आपसी सम्मान, खुलेपन, व्यावहारिकता, एकजुटता और सबसे महत्वपूर्ण बात किसी के विरोध न करने पर आधारित हैं। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का एक मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और बहुपक्षीय विश्व आर्थिक प्रणाली बनाना है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही इस ब्लॉक ने अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार विश्व अर्थव्यवस्था में बदलावों को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में विकासशील राज्यों की भूमिका को मजबूत करने में योगदान देता है। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 2006 में की गई थी। रूस ने 1 जनवरी, 2024 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस साल की शुरुआत रूस, ब्राज़ील, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका के अलावा अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हो गए हैं। रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता निष्पक्ष वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मज़बूत करने पर केंद्रित है।

बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे: भारत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों और देवी-देवताओं को अपवित्र करने की साजिश हो रही है। इन घटनाओं को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। भारत ने मांग की है कि बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे। भारत के इन आरोपों के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश को ऐसा देश बनाना चाहते हैं जहां सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा हो। वहीं, बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से अल्पसंख्य समुदाय पर हमले की कई खबरें सामने आई हैं। दुर्गा पूजा के दौरान ही कई मंदिरों पर हमले और चोरी हुई हैं। पहली घटना ढाका के तांतीबाजार में शुक्रवार रात को एक शख्स ने दुर्गा पंडाल में बम फेंका। हालांकि बम फटा नहीं। पंडाल की सिक्योरिटी में लगे लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसे बचाने कई लोग आ गए। इन्होंने आरोपी को बचाने के लिए चाकूबाजी शुरू कर दी। इसमें 5 लोग घायल हो गए। दूसरी घटना बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी हो गया। यह सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। पीएम मोदी 2021 में बांग्लादेश दौरे के दौरान जेशोरेश्वरी मंदिर दर्शन के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने यह मुकुट मंदिर में चढ़ाया था।

44 साल में पहली बार लेबनान छोड़ने की सोच रहे एलनगोवन.....अब शांति की उम्मीद नहीं

- बिजनेस बेचकर भारत वापस लौट जाऊं

बेरूत (एजेंसी)। 1989 में लेबनान में गृहयुद्ध हो रहा था। 2006 में इजराइल-लेबनान के बीच हुई जंग भी हमने देखी है, लेकिन इस बार का युद्ध अलग है। लगातार ब्लास्ट की आवाज आती है। 44 साल में मैंने कभी लेबनान छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। अब सोच रहा हूं सब बेचकर इंडिया चला जाऊं।'एस. एलनगोवन बेरूत में रहते हैं। तमिलनाडु के चेन्नई से सब छोड़कर लेबनान आ बसे। सोचा था कि मिडिल ईस्ट के स्विट्जरलैंड जा रहा हूं, वहां कारोबार शुरू करूंगा। एलनगोवन ने शुरुआत में कुछ वक्त नौकरी की। फिर अपनी कंपनी बनाई। अब उनकी लॉन्जरी की फैक्ट्री है।

एलनगोवन की तरह लेबनान में करीब तीन हजार भारतीय हैं। इस जंग में ये लोग भी उसकी जद में आ गए। इनमें से कई अब भारत लौटने के बारे में सोच रहे हैं। फ्लाइट महंगी है, एयरस्पेस बंद है, इसलिए लेबनान में ही फंसे हैं। एलनगोवन बताते हैं, मैं 1980 में एक एजेंसी की मदद से लेबनान आया था। शुरुआती 2 साल बहुत अच्छे थे। तब बेरुत में इंटरनेशनल टूरिस्ट आते थे। अच्छा कारोबार होता था। लेबनान आकर लोग काफी पैसे खर्च करते थे। उस दौर में बहुत शांति थी।' 'मैंने यहीं शादी की। मेरी पत्नी श्रीलंकन तमिल हैं। हमारे तीन बच्चे हैं। बेटी एनजीओ में काम करती है। बेटा इंडिया चला गया है। वहां स्टॉक मार्केट का काम करता है।'

एलनगोवन बताते हैं, एक युद्ध से उबरने में 4-5 साल लगते हैं। हम अपना बिजनेस और जिंदगी दोबारा पटरी पर लाते हैं। फिर एक युद्ध हमारी पूरी मेहनत पर पानी फेर देता है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। अब विकल्प देख रहा हूं कि कैसे फैक्ट्री और घर बेचकर यहां से निकल जाऊं। मुझे यहां शांति की कोई उम्मीद नहीं है। मैं इंडिया में चेन्नई या फिर पुडुचेरी में बसने के बारे में सोच रहा हूं। मुझे पता है कि ये युद्ध जल्दी खत्म नहीं होने वाला। मैं वे दिन नहीं देखना चाहता, जब सब बर्बाद हो जाए।' गोवन अपने बिजनेस के बारे में बताते हुए भावुक हो जाते हैं। कहते हैं, 'लेबनान की इकोनॉमी बर्बाद हो गई है। हर चीज महंगी है। बिजनेस करना पहले से मुश्किल है। मुझे बच्चों की जिंदगी और सुरक्षा की चिंता लगी रहती है। हमें कोई भी दिक्कत होती है, तब हम एम्बेसी से मदद लेते हैं।

संक्षिप्त खबरें

नवाखानी का दिन प्रभु को धन्यवाद देने का दिन होता है:बिशप थियोडोर

रांची (बिभा): शांति की महारानी महागिरजा में नवाखानी पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डाल्टनगंज धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष श्रद्धेय बिशप थियोडोर मस्कारेनहस एस एफ एक्स ने मुख्य अनुष्ठान कर्ता के रूप मिस्सा बलिदान अर्पित किया। उन्होंने अपने उपदेश में बताया कि हम यह पर्व जो मनाते हैं प्रभु को धन्यवाद देने हेतु मनाते हैं। क्योंकि हमारा प्रभु ही हमारी जरूरत की पूर्ति करते हैं। प्रभु ने ही हमें जल , जमीन, जंगल के द्वारा आशिर्वादित किया। और जब हम प्रभु को धन्यवाद देने हेतु जमा हुए हैं हमारा कर्तव्य होता है कि हम उनकी सुरक्षा करें। इसलिए हम प्रभु के विश्वास एम सदा बने रहेंगे। इस अवसर पर डाल्टनगंज पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर अरविन्द मुंडा, डाल्टनगंज धर्मप्रान्त के श्रृफादर संजय गिद्ध, फादर अमरदीप केरकेट्टा, सीड्स ऑफ होप के ब्रदर गण और भारी संख्या में विश्वासी गण उपस्थित थे। मिस्सा के बाद चिउड़ा परोसा गया जी नया खानी के पर्व का चिह्न है। और सब मिलकर पल्ली के प्रांगण में नाच के द्वारा खुशी मनाए।

गया- लोकमान्य तिलक साप्ताहिक ट्रेन का शुभारंभ

धनबाद(बिभा): यात्री सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु गया और लोकमान्य तिलक के मध्य रेल मंत्रालय द्वारा नई ट्रेन संख्या 22357/ 22358 गया- लोकमान्य तिलक- गया एक्सप्रेस के परिचालन की मंजूरी दे दी गयी है। गया और लोकमान्य तिलक के बीच नई ट्रेन सेवा का उद्घाटन आज माननीया महिला एवं बाल विकाश मंत्री, भारत सरकार, सह सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, माननीया विधायक डॉ. नीरा यादव एवं माननीय विधायक श्री अमित कुमार यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर कोडरमा रेलवे स्टेशन से ट्रेन संख्या 02358 गया- लोकमान्य तिलक उद्घाटन स्पेशल एक्सप्रेस (वन वे) के रूप में किया गया । इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा, अन्य माननीय अतिथि गणमान्य लोग, मंडल के अधिकारी, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग भी उपस्थित थे

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में बच्चे सहित 10 घायल

लोहरदगा(बिभा)। अलग-अलग सड़क दुर्घटना में महिला- पुरुष एवं बच्चे सहित 10 लोग घायल हो गए, सभी घायलों को अस्पताल में ग्रामीणों की मदद से कराया गया भर्ती। विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा स्थित आयोजित विजया दशमी मेला से घर लौटने के दौरान एन एच 143 ए पथ पर टेम्पू पलटने से 6 वर्षीय बच्ची सहित दो महिला घायल सभी घायल की पहचान नौदी ग्राम निवासी सुनील उराँव के 19 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी कुमारी कल्हेपाट निवासी सोमनाथ उराँव की पत्नी संगम कुमारी तथा प्रदेशीय उराँव के 6 वर्षीय पुत्री प्रिया उराँव के रूप में किया गया। जबकि दूसरा घटना एकागुड़ी चौक के समीप ग्रामीण पथ के किनारे खेत में अनियंत्रित हो जा पलटा जिसमें सवार कुम्हरिया निवासी राजेन्द्र महली के 25 वर्षीय पत्नी प्रियंका देवी,पुत्र रितिक महली,महरु महली के पुत्र राजेन्द्र महली,सचिन महली के 26 वर्षीय पत्नी सबिता देवी,7 वर्षीय पुत्र अभिषेक महली ढेड़ माह के पुत्र श्रियांस महली के रूप में किया गया। बताया जाता है कि मेला से लौटने के दौरान अपने रिश्तेदार के घर डांडू बिनोद महली के घर टेम्पू में सवार हो जा रहा था। बताया जाता है कि टेम्पू चालक गांजा का नाश कर चला रहा था। और जैसे ही टेम्पू अनियंत्रित हुआ तो चालक कूद कर घटना स्थल से भाग निकला तीसरा घटना कोराम्बे गोरा टोली के समीप का बताया जा रहा है मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात मोटर साइकिल चालक ने इचरी निवासी शीतल उराँव की 57 वर्षीय पत्नी सोमरी उराँव को धक्का मार गाड़ी ले चालक फरार हो गया परिजनों ने घटना की सूचना पर घायल आस्था में इलाज हेतु सेन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस घटना स्थल पहुंच घायलों की जानकारी लेते हुए पुलिस एक टेम्पू को कब्जे में ले अग्रतर कारवाई आरम्भ कर दिया गया।

नम आंखों से माता को दी गई विदाई, प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के साथ जिले में दुर्गाउत्सव सम्पन्न हो गया। रविवार को विभिन्न पूजा पंडालों द्वारा गाजे-बाजे व रंग-गुलाल के साथ भव्य शोभा यात्रा निकालकर विभिन्न जलाशयों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मौके पर भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा था। श्रद्धलु मां के दर्शन के लिए घर से निकलकर सड़क पर उतर आए थे। सभी ने नम आंखों से मां को विदाई दी। मौके पर पूजा पंडाल समिति के सदस्यों द्वारा जमकर आतिशबाजी की गई। शोभा यात्रा पूरे शहर में भ्रमण उपरांत शहर के बड़ा तालाब, ब्लाक मोड़ तालाब,नदिया तालाब व विभिन्न जलाशयों में मूर्तियों का विसर्जन किया। मूर्ति विसर्जन को ले पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इन्तिजाम किए गए थे। विभिन्न चौक-चौराहों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के जवान को तैनात किए गए थे। साथ ही विसर्जन जुलूस के साथ भी पुलिस बल के जवान मौजूद थे। विसर्जन को ले बिजली विभाग द्वारा एहतियात के तौर पर दोपहर में ही बिजली काट दी गई थी जो देर रात बहाल हुई।

पांच दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का हुआ समापन

खेल से अनुशासन सदभावना व टीम भावना का होता है विकास : कुंदन कुमार सिंह

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कुडू प्रखंड के पंडरा पंचायत में आयोजित पांच दिवसीय फुटबाल टूनार्मेंट का समापन शनिवार को हुआ । इस टूनार्मेंट में 16 टीमों ने भाग लिया था । जिसमें फाइनल मैच एफ सी फुटबॉल क्लब रांची और मराडीह के बीच खेला गया जिसमें एफ सी फुटबॉल क्लब रांची ने मराडीह से 3 - 0 से पेनल्टी शूट में बढ़त बनाकर जीत हासिल किया। इस टूनार्मेंट के समापन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में कूडू थाना के सब इंस्पेक्टर कुंदन कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथि कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष कमरुल इस्लाम उपस्थित हुए। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर कुंदन सिंह ने अपने प्रेरणादायक भाषण में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और खेल के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता को ही नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और अनुशासन को भी बढ़ावा देता है। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस सेवा दल प्रखंड अध्यक्ष लाल राजेश नाथ सहदेव,पंचायत के मुखिया अमर नाथ महली, दीपेन्द्र कुमार दीपू, इसरराफील राजा, मोहमद अस्लिम, तस्लीम पवरिया, हलीम अंसारी, असगर खान ,नौशाद खान ,अफरोज आलम, हसबूदुद्दीन अंसारी, अली हसन ,पवरिया माजिद, पवरिया हाफिज, अफजल हाफिज, मुजाहेदूल, मोहम्मद हफीजुल, डबलू बाबू ,छोटू बाबू , सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा भारती के निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर में दो दर्जन लोगों ने कराया इलाज

लोहरदगा: सेवा भारती द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय प्रांगण मे रविवार को लगातार 122 वें सप्ताह निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का उदघाटन जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ मृत्युंजय कुमार एवं शिक्षिका सह समाज सेविका अनामिका भारती ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 24 लोगों ने अपने स्वास्थ्य संबंधित जांच करवा कर लाभान्वित हुए हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बी पी,वजन,हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि का निशुल्क जांच किया गया, जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा जीवन का सुख स्वस्थ रहने पर ही है अन्यथा धन दौलत रिश्ते नाते सब बेकार नजर आएंगे,जीवन जीने के लिए स्वस्थ रहना अत्यंत जरूरी है इसके लिए आपको नियमित रूप से अपने स्वास्थय संबंधित की जांच कराते रहना चाहिए। हड्डी एवं नस के चिकित्सक डॉक्टर मृत्युंजय कुमार ने कहा कि,अधिकांश देखा जाता है कि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान नहीं रख पाते हैं जिससे कि छोटी-छोटी बीमारियां आगे जाकर बड़ा रूप ले लेती है और कहा की अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए लोगों को भी जागरूक करें। और सुबह-सुबह खुली जगह में अवश्य घूमे इससे आपके नस एवं हड्डी में मजबूती साथ साथ खून चाप बढ़ेगा, सेवा भारती से जुड़ी शिक्षिका अनामिका भारती ने कही की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ्य की जांच करवा कर अपने स्वास्थ्य के संबंध मे जानकारी प्राप्त करतें हैं,यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को सुबह एक घंटे के लिए लगाई जाती है।

समाज हित में शत-प्रतिशत बेहतर भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास रहेगा: ऐनुल अंसारी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले के कुडू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी के सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर झारखंड प्रदेश यूथ मोमिन कांफ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष नौशाद आलम ने उन्हें लोहरदगा जिला का यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष बनाया है इसके लिए ऐनुल अंसारी ने झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष आबिद अली ,नौशाद आलम ,एवं प्रदेश व लोहरदगा जिले के तमाम मोमिन कॉन्फ्रेंस के सम्मानित पदाधिकारियों का शुक्रिया अदा किया है । इस बीच लोहरदगा जिला अंतर्गत कुडू प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत चीरी निवासी वर्तमान कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा है कि मोमिनों के हित में बेहतर करने हेतु आलाकमान द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का शत-प्रतिशत निर्वहन करने का प्रयास रहेगा। नव नियुक्त यूथ मोमिन कांफ्रेंस के जिलाध्यक्ष ऐनुल अंसारी ने कहा लोहरदगा जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस व प्रखंड के तमाम पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए समाज के उत्थान और बेदारी को लेकर लोहरदगा जिला के हर कस्बे और गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर एक एक मोमिन को कॉन्फ्रेंस से जोड़ा जाएगा और यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस को लोहरदगा जिला मे और मजबूत करने का कार्य किया जाएगा साथ ही समाज के लोगों को अपने हक अधिकार को लेकर जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने के लिए सभी लोगों से रायसुमारी ली जाएगी और लोहरदगा जिला में मोमिनों की तमाम प्रकार की समस्यायों को सूचीबद्ध कर निष्पादन कराए जाने हेतु सकारात्मक भूमिका निभाने का कार्य कर दिखाया जाएगा। ऐनुल अंसारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली, व नौशाद आलम, के द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी इमानदारी और निष्ठा पूर्वक अनुपालन करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोहरदगा जिला में मोमिनों के साथ जो भी परेशानियां या फिर समस्याएं है उसे दूर करने हेतु टीम तैयार कर समाज को एकसूत्र में बांधने और विकास योजनाओं का लाभ दिलाने में अहम भूमिका निभाई जाएगी। ऐनुल अंसारी ने कहा कि आलाकमान ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसपर निःस्वार्थ भाव के साथ समाज को तरक्की दिलाए जाने में महती भूमिका निभाने का कार्य कर दिखाया जाएगा। इधर झारखंड प्रदेश मोमिन कांफ्रेंस की ओर से दी गई जिम्मेदारियों को निर्वहन करने में रात-दिन उपलब्ध रहते हुए समाज हित में कार्य करने की बात नव नियुक्त यूथ जिलाध्यक्ष ऐनुल अंसारी ने कही। साथ ही आलाकमान के द्वारा यूथ की नयी जिम्मेदारी सौंपे जाने को लेकर ऐनुल अंसारी ने कहा है की जिस उम्मीद और भरोसा के साथ आलाकमान ने मुझे यह जिम्मेवारी दी उनकी उस उम्मीद और भरोसा पर खरा उतरते हुए समाज के उन्नति के लिए कार्य करना पहली प्राथमिकता होगी।

चौथा नेशनल शारीरिक दिव्यांग क्रिकेट टी 20 भाग लेने के लिए झारखंड की टीम उदयपुर रवाना

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और जेसीए के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट अजय नाथ शाहदेव ने झारखंड दिव्यांग क्रिकेट टीम को विदा किया. इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह और सचिव आफताब आलम मौजूद थे. अजय नाथ शाहदेव ने तमाम खिलाड़ियों से एक-एक करके परिचय प्राप्त किया और तमाम खिलाड़ियों को यह भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में जेसीए भी और स्टेट की तरह यहां भी दिव्यांगों को सपोर्ट करेगी. अजय सहदेव ने खिलाड़ियों से बातचीत की और उनसे बहुत सारी जानकारी ली. जानकारी हो की यह टूनार्मेंट 15 से 25 अक्टूबर को राजस्थान के उदयपुर में आयोजित होगा,जिसमें देश भर के 24 राज्य की टीम भाग ले रही है. प्रतियोगिता का उद्घाटन 15 तारीख को उदयपुर में होगा और समापन 25 तारीख को होगा..

झारखंड टीम ग्रुप ए में है जिसमें झारखंड के अलावा दिल्ली महाराष्ट्र हिमाचल प्रदेश और हरियाणा और विदर्भ है. झारखंड टीम का पहला मैच 19 तारीख को दिल्ली के साथ है

4वां राष्ट्रीय शारीरिक विकलांगता टी20 क्रिकेट दौरा,15 से 25 अक्टूबर 2024 - उदयपुर, राजस्थान मे होंगी.

झारखंड टीम सूची, मनीष कुमार (कप्तान), अमन कुमार,संदीप साहू,विकास यादव,अबु ताहिर अंसारी, भोला पासवान,बबन कुमार सिंह (उपकप्तान) धर्मेंद्र यादव, समशेर, कमलेश उरांव, मोहन नाथ महतो,आनंद कुमार, विशाल नायक,भोला बाउंरी, कोच मुकेश कुमार दुबे, टीम मैनेजर भास्कर तिवारी है ग्रुप ए राजस्थान, केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ग्रुप सी हरियाणा ,मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश,गुजरात, मुंबई छत्तीसगढ ग्रुप बी कर्नाटक, हैदराबाद,आंध्र प्रदेशपंजाब, जम्मू और कश्मीर, बड़ौदा ग्रुप डी ओडिशा, चंडीगढ़,पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु ,बिहार है यह जानकारी झारखंड डिसएबल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव आफताब आलम ने दी.

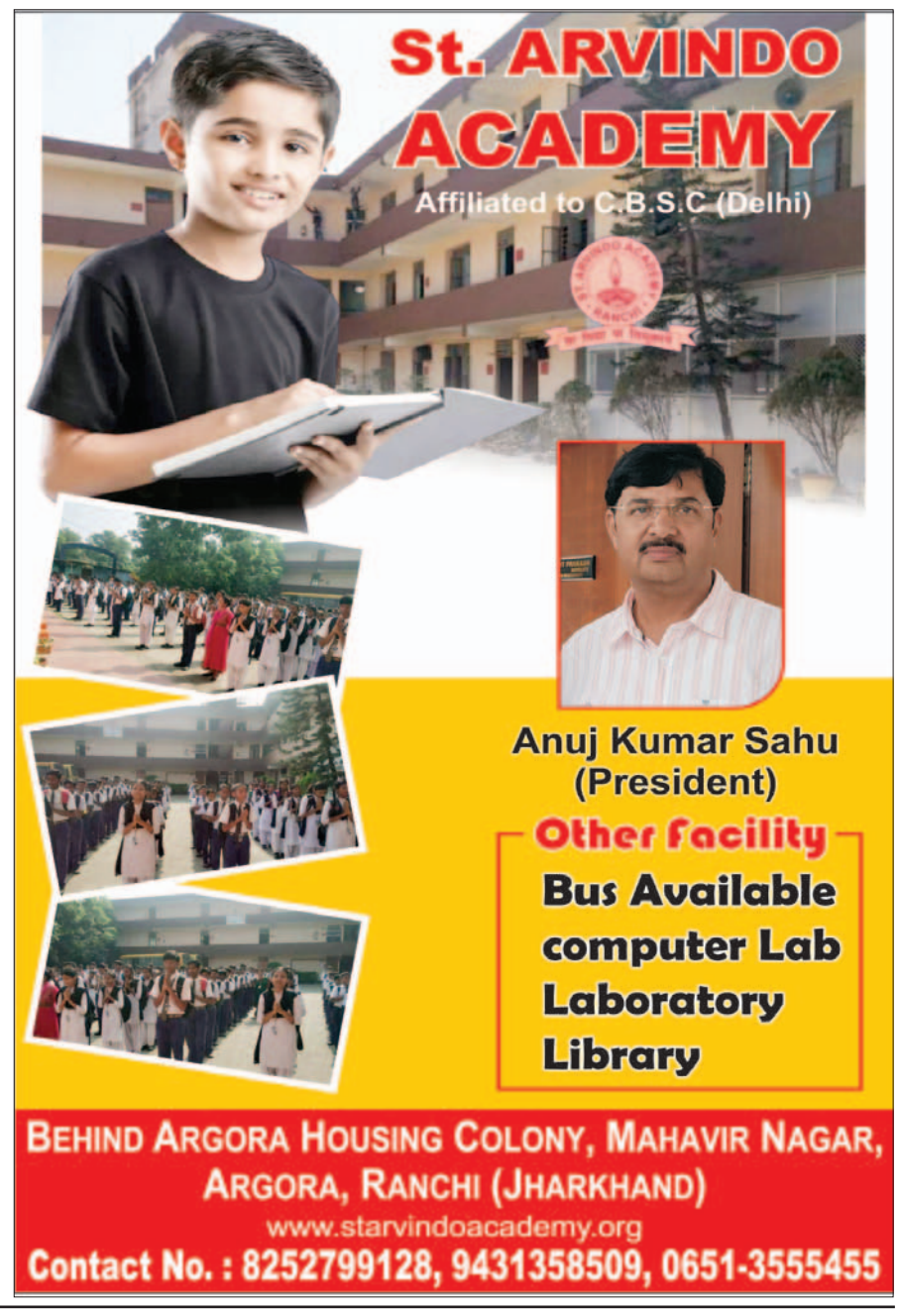

समस्त देहधारियों के पापरूपी पर्वत को चूर्ण कर डालनेवाली एकादशी तिथि पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

रांची : 13 अक्टूबर रविवार आश्विन शुक्ल पक्ष को पापांकुशा एकादशी व्रत के उपलक्ष्य पर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मन्दिर में सम्पूर्ण मनोरथों की प्राप्ति के लिए, मनुष्यों को स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करनेवाले पद्नाभ श्रीमन्नारायण भगवान वासुदेव का पूजन हुआ। चिरकाल तक कठोर तपस्या करके जिस फल को प्राप्त करता है, वह एकादशी के दिन भगवान् गरुड़ध्वज को प्रणाम करने से मिल जाता है। इसलिए सभी व्रतधारी स्त्री- पुरुष गरुड़ध्वज (परमस्थान) बलिपीठम के समक्ष

दण्डवत प्रणाम निवेदन किया। पृथ्वी पर जितने तीर्थ और देवालय हैं, उन सबके सेवन का जो फल है, वही फल भगवान श्रीहरि विष्णु के नामकीर्तन मात्र से मिल जाता है। इसी भाव को हृदय में धारण किये भक्तवृंद हरिनाम कीर्तन और श्रीनिवासा गोविन्दा, श्रीवेंकटेशा गोविन्दा के धुन पर नाचते-झूमते परिक्रमा कर रहे थे। अपने-अपने अभीष्ट मनोरथों की पूर्ति के लिए व्रतधारियों ने श्रीविष्णुधाम की प्राप्ति के किए तथा मातृपक्ष की दस , पितृपक्ष की दस और स्त्री पक्ष की दस पीढ़ियों का उद्धार के उद्देश्य से सर्वपापहारी श्रीवेंकटेश्वर का सहस्त्रनाम अर्चना एवं अष्टोत्तर शत्तनाम की अर्चना करायी। दरिद्रता का नाश, यश, कीर्ति, धन-धान्य, सुख-समृद्धि और सौभाग्य प्राप्ति के लिए श्रीश्रीदेवी और भूमिदेवी - महालक्ष्मी की अर्चना करायी।

इसके पूर्व श्रीवैष्णवागमोक्त विधि से सुप्रभातम , मंगलाशासनम , करावलंबम आदि के बाद तिरुवाराधनम महाआरती और महास्तुति हुई। फिर फलाहारी व्यंजनों का बाल भोग नैवेद्य हुआ। आज के दिनभर का भोग :- श्री आशीष अग्रवाल पत्नी अश्विका अग्रवाल रांची दारा निवेदित हुआ। अर्चक :- श्री सत्यनारायण गौतम एवं श्री गोपेश आचार्य ने सारे अनुष्ठान के विधि को रात्रि शयन आरती के बाद मंगल प्रार्थना के साथ संपन्न कराया।

उपस्थित रहे: सर्वश्री राम अवतार नारसरिया, अनूप अग्रवाल, मुरारी मंगल, राजेश सुल्तानिया, रंजन सिंह शंभूनाथ मिश्र, भोला वर्णवाल, अशोक मिश्र, जगनारायण प्रसाद, अशोक धनानी, सुशील गाड़ोदिया आदि।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू** *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com